धनबाद, बुधवार 26.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-125 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-5
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

RESIST!
REDUCING SUBSTANCE INGESTION AND STOPPING TRAFFICKING

मादक पदार्थों पर रोक के लिए पूर्णतः संकल्पित झारखण्ड सरकार...

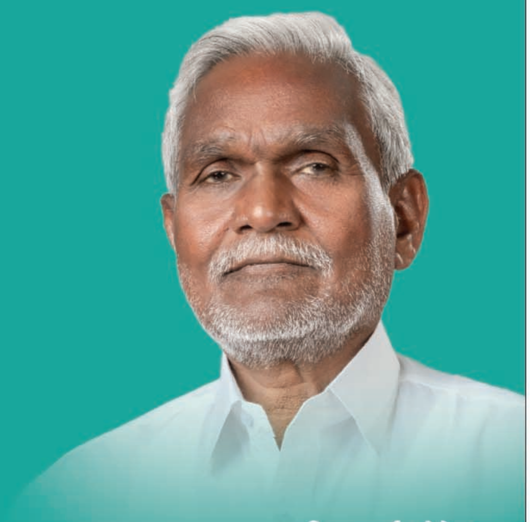

श्री चम्पाई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

नशे को ना

टोल फ्री न॰ **112** (24x7) पर कॉल करें

जिंदगी को हाँ

- शिक्षण संस्थानों से **100 मीटर** की परिधि में तम्बाकू निषेध।
- **18 वर्ष से कम आयु** को मादक/नशीले पदार्थ की बिक्री नहीं करें।
- मादक/नशीले पदार्थों की **खरीद-बिक्री** नहीं करनी चाहिए।
- नशीले पदार्थ की **खेती नहीं करें**।
- कानून में **सजा और जुर्माना** का प्रावधान।
- नशीले पदार्थ का **उत्पादन, भंडारण, बिक्री, परिवहन** या **उपयोग** के सहभागी नहीं बनें।
- मादक पदार्थ/अफीम की खेती की सूचना **टोल फ्री नम्बर 112** पर दीजिये।
- ड्रग्स के कारोबार को रोकने के लिए **प्रशासन का साथ** दीजिये।
- आपके द्वारा दी गयी जानकारी पर **त्वरित कार्रवाई** होगी। आपकी **पहचान गुप्त** रखी जायेगी।

नशा से छुटकारे के लिए तुरंत संपर्क करें

रिनपास, राँची	केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान, राँची	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर	जिला अस्पताल के आईसीटीसी/एआरटीसी परामर्श केंद्र

PR 327689 (IPRD) 24-25

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

मुख्यमंत्री धनबाद में आज, तैयारियां पूरी

धनबाद (कासं) : झारखण्ड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन बुधवार को धनबाद आ रहे हैं। वे बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित जिला अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि सभी लोग अपने काम में सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हैलीपैड पर भी सारी व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई है। सभी स्थानों पर सुरक्षा बल की तैनाती, प्रवेश द्वार पर विशेष

सुरक्षा, वीआईपी, लाभुक समेत आम नागरिकों के बैठने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए।

साथ ही साथ सिविल सर्जन एवं डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति की गई है और अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है। तय रूट मैप के अनुसार वाहनों की पार्किंग तथा कुछ स्थलों पर वाहनों की नोइंट्री रखने का निर्देश दिया है। इसके अलावा अग्निशमन विभाग की गाड़ियां चिन्हित स्थानों पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक एच पी जनार्दनन के संयुक्त अध्यक्षता में संबंधित प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल, सिविल सर्जन, धनबाद अग्निशमन पदाधिकारी, धनबाद, कार्यपालक अभियंता, संबंधित अभियंता, भवन प्रमण्डल, विद्युत प्रमण्डल, पथ निर्माण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी को बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तैयारियों की जायजा लिये।

मौके पर सीटी एसपी, रूरल एसपी, निदेशक डीआरडीए, डीएसपी, एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर, जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल, सिविल सर्जन, धनबाद अग्निशमन पदाधिकारी, धनबाद, कार्यपालक अभियंता, संबंधित अभियंता, भवन प्रमण्डल, विद्युत प्रमण्डल, पथ निर्माण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता को लेकर निकाली गई रैली

धनबाद (कासं) : मंगलवार को मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध में जागरूकता को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी। जिसमे स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। जागरूकता रैली को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर एवं डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। यह जागरूकता रैली सिटी सेंटर से शुरू हो कर रणधीर वर्मा चौक तक गई। रैली के समापन पर सभी ने नशा के खिलाफ शपथ ली।

कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर ने मादक पदार्थों के सेवन से बचने के लिए समाज से अपील की। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, इसका सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है। नशा शरीर में रोगों और आपराधिक गतिविधियों की जड़ है। नशे का सेवन करने वाला व्यक्ति समाज में अपना मानसम्मान खो देता है। लोगों के साथ परिवार और समाज के विकास में नशा सबसे बड़ी रुकावट है। नशा एक अभिशाप है, जो दिन प्रति दिन समाज में धुएं की तरह फैलती जा रही है। नशे के कारण लोग हिंसा, शोषण, दुर्घटना आदि के शिकार हो रहे है। नशा एक सामाजिक समस्या है जो दीमक की तरह परिवार, समाज और देश को विनाश की ओर ले जा रहा है। नशा के कारण लोगों की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। मौके पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

हाड़ी समाज ने अनुपमा सिंह को दी बधाई

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार को अनुपमा सिंह को राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की केंद्रीय समिति (इंटक) में कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर हाड़ी समाज के नेताओं एवं सदस्यों ने बेरमो स्थित उनके कार्यालय में पहुंचकर बधाई दी। हाड़ी समाज के धनबाद जिला प्रवक्ता कार्तिक हाड़ी ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की साझा प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने पूरे धनबाद में कम समय में अपनी पहचान बनाई है। चुनाव नहीं जीतने के बावजूद लगातार धनबाद में सक्रिय रही और लोगों की समस्याओं के निदान के लिए तत्पर रहती है। अनुपमा सिंह के इंटक के कार्यकारी अध्यक्ष बनने से श्रमिकों के हित और उत्थान की दिशा में विकास होगा। बेरमो कार्यालय में विधायक अनूप सिंह ने धनबाद से पहुंचे हाड़ी समाज के सभी पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। अनुपमा सिंह को बधाई देने वालों में राजू हाड़ी, कार्तिक प्रसाद हाड़ी, मनोज हाड़ी, अजय हाड़ी, मन्नू हाड़ी, निवास हाड़ी, अमित हाड़ी, बादल हाड़ी मौजूद थे।

भाजपा ने सड़क मरम्मत के लिए आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

धनबाद (कासं) : मंगलवार को लूबी सर्कुलर रोड स्थित धनबाद नगर निगम आयुक्त रवि राज शर्मा के कार्यालय में वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेश सिंह के नेतृत्व में खरिकाबाद प्रमाणिक बस्ती के निवासियों ने क्षेत्र में मुख्य सड़क का निर्माण और पानी उपलब्धता के लिए मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जिसमें नगर आयुक्त ने प्राथमिकता से जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया में भेजने का आश्वासन दिया। मौके पर अमरेश सिंह ने बताया की खारिकाबाद प्रमाणिक बस्ती के लोगों ने पिछले लोकसभा चुनाव में धनबाद में आयोजित जनसभाओं एवं क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनके आग्रह पर एवं खरिकाबाद प्रमाणिक बस्ती की जर्जर सड़क, पानी एवं अन्य समस्याओं को शीघ्र संज्ञान में लेकर संबंधित विभाग से वार्ता कर समाधान करने का वादा किया था जिससे प्रभावित होकर वहां के निवासियों ने भाजपा के पक्ष में बढ़चढ़कर मतदान

किया था। अब किए गए सारे वादाओं को पूरा करने के मद्देनजर आज नगर आयुक्त से फरीदाबाद प्रमाणिक बस्ती क्षेत्र की ४ किलोमीटर जर्जर सड़क निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपा। खरिकाबाद प्रमाणिक बस्ती से भूली जाने वाली इस रोड में आउटसोर्सिंग की भारी भरकम गाड़ियां चलती है जिससे रोड काफी जर्जर और खतरनाक हो चुका है। इस सड़क में छोटी वाहनों के साथसाथ बच्चे, महिलाएं एवं बुजुर्गों का चलना मुश्किल हो गया है जो काफी गंभीर मुद्दा है। वार्ता के पश्चात नगर निगम आयुक्त का आश्वासन मिला है कि जल्द ही इस दिशा में कारगर कदम उठाकर सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। भाजपा नेता अमरेश सिंह के नेतृत्व में खारिकाबाद बस्ती के प्रतिनिधि मंडल में कमल किशोर, मनोज प्रमाणिक अश्विनी प्रमाणिक, विभाष प्रमाणिक, कृष्णा यादव, लखन भुईयां, बजरंगी कुमार उपस्थित थे।

ज्ञानविज्ञान समिति का अंकेक्षण कार्य शुरू

सिंदरी (ससे) : मंगलवार को भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा सामाजिक अंकेक्षण का कार्य सिंदरी में शुरू किया गया, जिसमें प्रदर्शनी पार्क के बगल में स्थित झोपड़पट्टी में अंकेक्षण का कार्य शुरू किया गया। अंकेक्षण में नगर निगम क्षेत्र में स्लम क्षेत्र के रहने वाले लोगों का आवास, पेयजल की समस्या, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि की समस्याओं को नोट किया जाएगा तथा केंद्र व राज्य सरकार को सूची सौंपा जाएगी।

इस अवसर पर विकाश कुमार ठाकुर ने बताया कि पूरे धनबाद के नगर निगम क्षेत्र में स्लम बस्तियों की जो समस्या है, उसको चिन्हित किया जा रहा है। धनबाद नगर निगम क्षेत्र गंदगी, कूड़ों से भरा पड़ा है, सिंदरी में प्रियदर्शिनी पार्क में ७ तालाब भी सुख गया। सिंदरी के एक सौ लोगों का सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा। सामाजिक अंकेक्षण में विकाश कुमार ठाकुर, रानी मिश्रा, राज नारायण तिवारी आदि मौजूद थे।

योग से होता है शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार

गोविंदपुर (ससे) : मारवाड़ी महिला सम्मेलन की गोविंदपुर शाखा ने सृजन शोध संस्थान केंद्र सहराज में विशेष योग शिविर लगाया। डा. समरेंद्र परिदा ने महिलाओं को योग का महत्व बढ़ता है। महिलाओं ने ध्यान और प्राणायाम का अभ्यास किया। ध्यान सत्र के माध्यम से मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त करने पर जोर दिया गया। सभी महिलाओं से नियमित रूप

और उससे होने वाले लाभ को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नियमित योग अभ्यास से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास भी से योग करने की अपील की गई। प्रांतीय प्रमुख सुनीता बंसल और अध्यक्ष सीमा सरिया व सचिव विजय सरिया ने डा परिदा के मार्गदर्शन की सराहना की। उन्हें शॉल देकर सम्मानित किया।

विस्थापित दुकानदार संघ का धरना

धनबाद (कासं) : फुटपाथ पर दुकान उपलब्ध कराने की मांग को लेकर विस्थापित दुकानदार संघ के सदस्यों ने मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया। संघ के अध्यक्ष मोहम्मद गयासुद्दीन ने उपयुक्त को पत्र तेजनारायण सिंह ने कहा कि ४० साल से फुटपाथ पर दुकान लगाकर गरीब लोग अपने परिवार का भरणपोषण करते आ रहे थे, लेकिन आज उसकी दुकानें उजाड़ दी गई है। जिससे उनके परिवार के सदस्यों के समक्ष उजाड़ दिया है। प्रस्तुत कागजातों से पता चलता है कि दुदानी की उक्त जमीन भूमि पट्टा से प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा अगर हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो शनि मंदिर के समीप हम सभी दुकानदार आत्मदाहा करने को

देकर विस्थापित दुकानदार संघ के सदस्यों को पुनरू दुकान उपलब्ध कराने की मांग की है। धरना को संबोधित करते हुए भुखमरी की स्थिति है। वे अनाज के दानेदाने के लिए मोहताज है। इन दुकानदारों की दुकानें कथित प्रभावशाली व्यक्तियों ने मजबूर होंगे। धरना में रामनाथ सिंह, असलम खान. राजेंद्र प्रसाद मिश्रा व तेजनारायण सिंह आदि शामिल थे।

बच्चा गुट के एकएक सिपाही है अहिंसा के पुजारी : हर्ष

जोड़ापोखर (ससे) : बागडिगी में जयरामपुर आउटसोर्सिंग परियोजना के लोडिंग प्वाइंट पर पिछले दिनों बच्चा गुट के समर्थक व नेता रूपक सिन्हा के

साथ गुंडों द्वारा की गई मारपीट की घटना से बिफरे जमसंघ के बच्चा गुट के संगठन सचिव हर्ष सिंह ने मंगलवार को क्षेत्रीय कार्यालय में जीएम से वार्ता की। समझौता वार्ता में संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष उमाशंकर शाही एवं सचिव मल्लू सिंह ने आउटसोर्सिंग की लोर्डिंग प्वाइंट में आउटसोर्सिंग से प्रभावित क्षेत्र के ८० प्रतिशत बेरोजगार मजदूरों को नियोजन देने, सम्मानजक विस्थापन होने तक जयरामपुर, जीनागोरा, बागडिगी, बरारी, लोदना, जियलगोरा के निवासियों को नियमित पानी एवं बिजली की आपूर्ति करने, एंटीएसटी जीनागोरा लोर्डिंग प्वाइंटों में विभागीय परियोजना का ट्रक लोर्डिंग को कोयला आपूर्ति कराने तथा जयरामपुर में समर्सेबुल पंप देने सहित अन्य मांगों से क्षेत्रीय प्रबंधन को अवगत कराया। संघ के नेता हर्ष सिंह ने जीएम से कहा कि वे बच्चा गुट के समर्थकों के साथ भेदभाव नहीं करें। उन्होंने कहा कि बच्चा गुट के एकएक सिपाही अहिंसा के पुजारी है वे हिंसा में विश्वास नहीं रखते हैं। मगर उसके समर्थक को कोई छेडेगा तो उसे छोड़ा भी नहीं जाएगा। जीएम निर्झर चक्रवर्ती ने संघ की सभी समस्याओं का अविलंब समाधान कराने का आश्वासन दिया है। वार्ता में विधायक प्रतिनिधि केडी पाण्डेय, अभिषेक सिंह, रामबाबू सिंह, दीपक सिंह, समरजीत सिंह, रूपक सिन्हा, दिलीप महतो, राजू खान, सुरेश माली आदि थे।

सुरक्षात्मक मुद्दे को लेकर जीएम से वार्ता

जोड़ापोखर (ससे) : जनता मजदूर संघ कुंती गुट के लोदना क्षेत्र के संयुक्त सचिव सह सुरक्षा परिषद के क्षेत्रीय सदस्य रायबाबू सिंह ने मंगलवार को लोदना क्षेत्र में सुरक्षात्मक मुद्दे को लेकर जीएम को दिए गए आठ सूत्री मांग पत्र पर अविलंब पहल करने की मांग की। श्री सिंह ने मांगपत्र के माध्यम से कहा कि आउटसोर्सिंग हो या विभागीय परियोजना सभी में इनदिनों ब्लास्टिंग के दौरान लापरवाही बरतने से सुरक्षात्मक दृष्टिकोण पर प्रश्नचिन्ह लग रही है। आए दिन ब्लास्टिंग के चलते लोगों को परेशानियां उठानी पड़ रही है जिससे बीसीसीएल को भी नुकशान उठाना पड़ता है। उन्होंने प्रबंधन से डीजीएमएस द्वारा ब्लास्टिंग के दौरान की गयी नियम व शर्तें को लागू करने एवं ब्लास्टिंग में तय सुरक्षा मानक का उपयोग करने, सुरक्षा अधिकारी के देखरेख व निरीक्षण में ब्लास्टिंग कराने तथा ब्लास्टिंग से पहले लोगों को सचेत व जागरूक करने को सुरक्षा शायरन बजाने, परियोजनाओं के हॉल रोड एवं पब्लिक रोड में लाइट व पानी का छिड़काव की व्यवस्था करने तथा भागा ५ नंबर में बिजली तार के नीचे सुरक्षा जाली लगाने की मांगों से अवगत कराते हुए अविलंब समाधान कराने की मांग की है।

इण्डस्ट्री एण्ड कॉमर्स में संगोष्ठी का आयोजन

धनबाद (कासं) : भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर द्वारा मंगलवार को इंडस्ट्री एण्ड कॉमर्स एसोसिएशन जोड़ाफाटक रोड धनबाद में एक संगोष्ठी का आयोजन जिला अध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संगोष्ठी के मुख्य वक्ता गिरिडीह के पूर्व सांसद रविंद्र पांडे ने कहा कि २५ जून १९७५ का दिन आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। २५ जून को हम 'काला दिवस' के रूप में मना रहे है। यह आवश्यक है कि इमरजेंसी के रूप में प्रजातंत्र का गला घोंटने का जो कुत्सित प्रयास हुआ था, देश का प्रत्येक नागरिक उसे जान सके।

इंदिरा गांधी द्वारा देश के संविधान को बदलकर अपनी कुर्सी बचाने के प्रयास से पूरा देश उद्वेल्लित हो गया था। उद्वेल्लना को रोकने के लिए उन्होंने २५ जून १९७५ की रात आपातकाल की घोषणा की और हजारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया, उन्हें १९ महीनों से ज्यादा जेल में रहना पड़ा।

प्रजातंत्र की रक्षा और मजबूती के लिए आवाज उठाने और संघर्ष करने वाले सभी देशभक्तों को मैं इस अवसर पर नमन करता हूँ।

इस अवसर पर धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बारबार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। साल १९७५ में आज के ही दिन कांग्रेस के द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए २१ महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव किए। आपातकाल के खिलाफ संसद से सड़क तक आंदोलन करने वाले असंख्य सत्याग्रहियों, समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष और लोकतंत्र की रक्षा में उनके योगदान को समाज हमेशा याद रखेगी।

धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने कहा कि आज ही के दिन २५ जून १९७५ को भारत में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा आपातकाल लगाया गया था। आपातकाल हमारे देश के लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है जिसे चाह कर भी भुलाया नहीं जा सकता। सत्ता के दुरुपयोग और तानाशाही का जिस तरह खुला खेल उस दौरान खेला गया, वह कई राजनीतिक दलों की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर बहुत बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

यदि इस देश में लोकतंत्र जीवित है तो उसका श्रेय उन लोगों को जाता है जिन्होंने लोकतंत्र की बहाली के संघर्ष किया, जेल गये और न जाने कितनी शारीरिक और मानसिक यातना से उन्हें गुज़रना पड़ा। भारत की आने वाली पीढ़ियाँ उनके संघर्ष और लोकतंत्र की रक्षा में उनके योगदान को याद रखेगीं।

पूर्व महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि २५ जून १९७५ का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। दंभ से भरी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने संविधान की मर्यादा को तारतार किया, अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा।

पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर विश्वास रखने वाले तथा देश के संविधान की गरिमा के प्रति समर्पित लोग, २५ जून को कभी भूल नहीं पाएंगे। आपातकाल में जेल गए लोकतंत्र सेनानियों की मार्मिक कहानियां सुनकर आज भी हृदय में पीड़ा के निशान उभर आते हैं।

पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि १२ जून, १९७५ को इलाहाबाद की हाईकोर्ट का फैसला आया और कोर्ट ने अनुचित तरीके से चुनाव लड़ने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर दिया था।

इसके बाद संविधान को बदलकर इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी को बचाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी तथा महामंत्री रवि सिन्हा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि कुर्सी बचाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी नें आपातकाल लगाया था।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटा गया था। लाखों पर जबरन नसबंदी का अत्याचार हुआ था। संविधान रौंदनेवाली काँग्रेस के कारनामे को समाज हमेशा याद रखेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम सह प्रभारी रामदेव महतो, प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजीव अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, जिला महामंत्री नितिन भट्ट, जिला उपाध्यक्ष संजय झा, धनेश्वर महतो, उमेश यादव, मानस प्रसून, वीरेंद्र हांसदा, जिला मंत्री कन्हैया पांडे, मिल्टन पार्थ सारथी, योगेन्द्र यादव, चंद्रशेखर मुन्ना, राजकिशोर जेना, अमलेश सिंह, तमाल राय, शेखर सिंह, विकाश मिश्रा, संतोष कुमार, आनंद खंडेलवाल, अभिषेक पांडे, शिवेंद्र सिंह सोनू, मौसम सिंह, राजकुमार मंडल, सुमन सिंह, निर्मल प्रधान, मनीष पांडे मिट्ठू, उचित महतो, अभिमन्यु कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

धनबाद, बुधवार 26.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-125 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-5
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

सीएम के आदेश पर खरे उतरे एसएसपी जनार्दनन और डीसी माधवी मिश्रा

कोयला और बालू तस्करों पर की गई कड़ी कार्रवाई से माफियाओं में हड़कम्प

गणेश मिश्रा

धनबाद : झारखण्ड सरकार के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन और झारखण्ड के डीजीपी अजय कुमार सिंह के निर्देशों पर धनबाद के एसएसपी एच.पी. जनार्दनन खरे उतर रहे हैं।

पिछले सप्ताह झारखण्ड के मुख्यमंत्री और डीजीपी ने एसएसपी और डीसी को आदेश दिया था कि बालू तस्करी और कोयला के अवैध धंधे को बंद कराएं। सीएम के इस आदेश के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक एच.पी.जनार्दनन ने सभी पुलिस अधिकारियों को दिन-रात अवैध धंधे पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था जिस पर पूरे जिले के कोयला क्षेत्र के थाना प्रभारी और डीएसपी ने अभियान चलाकर कई कोयला तस्करों को जेल भेजा और चुपके से चला रहे माइनिंग को बंद करवा कर डोजरिंग करवाया।

एसएसपी श्री जनार्दनन ने पुलिस वालों को स्पष्ट आदेश दे रखा था कि राष्ट्रीय सम्पत्ति कोयला और बालू की तस्करी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी कोयला माफिया और बालू माफिया हो उस पर कड़ी कार्रवाई करें। झारखण्ड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन आज धनबाद आ रहे हैं और वे गरीबों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे।

कोयला के अवैध माइनिंग और तस्करी रोकने का जिम्मा सीआईएसएफ को, फिर भी पुलिस कर रही है छापामारी

एसएसपी और डीसी माधवी मिश्रा सीएम के कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली है। धनबाद के उपायुक्त माधवी मिश्रा भी कोयला और बालू तस्करों के विरूद्ध अभियान चलाया था जिससे कई माफियाओं पर कार्रवाई भी हुई, कई गिरफ्तार किए गए और कईयों को जेल भेजा गया। जहां धनबाद की सड़कों पर अवैध बालू लदे ट्रक सुबह से ही देखे जाते थे वह अब नहीं दिख रहा है।

कोयला माफियाओं और बालू माफियाओं में झारखण्ड सरकार के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के कड़े आदेश का अनुपालन का असर दिखने लगा है। वहीं कुछ कोयला माफिया धनबाद से तड़ी पार हो गए हैं।

पूरे कोयलांचल में एसएसपी श्री जनार्दनन के कड़े कार्रवाई की प्रशंसा की जा रही है। वहीं उपायुक्त माधवी मिश्रा के विकास कार्यो और राष्ट्रीय सम्पत्ति लुटेरों के विरूद्ध खनन विभाग को सक्रिय किए जाने पर उनकी भी भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है।

सेना में अलग से गठित हो आदिवासी रेजीमेंट: मुख्यमंत्री

रांची (ससे): मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मंगलवार को भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर, कमांडिंग-इन-चीफ, ईस्टर्न कमांडर और लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने शिष्टाचार भेंट की. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जाट रेजीमेंट, बिहार रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट, सिख रेजीमेंट और मद्रास रेजीमेंट आदि की तर्ज पर आदिवासी रेजीमेंट बनाने से संबंधित अपनी भावना से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि आदिवासी रेजीमेंट के गठन से देशभर के आदिवासियों को सेना में अलग पहचान भी मिलेगी.

लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने झारखंड में भी पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन का प्रस्ताव रखा. इसपर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि इस मामले में सेना द्वारा प्रस्ताव मिलने पर सरकार पूरा सहयोग करेगी. ज्ञातव्य है कि सेना के इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी में भूतपूर्व सैनिक होते हैं, जो पर्यावरण के लिए कार्य करते हैं. झारखंड में इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सेना भी बड़े स्तर पर अपना योगदान कर सकेगी. खासकर इस राज्य के भौगोलिक परिवेश को देखते हुए जंगलों और खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण और अन्य माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा.

फौज बहाली में आदिवासियों को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना में झारखंड के आदिवासी युवा अपनी सेवा देते आ रहे हैं. फौज बहाली में यहां के आदिवासियों को और ज्यादा से ज्यादा अवसर प्राप्त हो, इसमें सेना आदिवासियों को आगे लाने की दिशा में पहल करें. लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि इस दिशा में सेना की स्थानीय जीओसी के माध्यम से आदिवासियों को सेना बहाली के योग्य तैयार करने के लिए प्रशिक्षण समेत अन्य सभी सहयोग किया जाएगा.

लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया. उन्होंने बताया कि डुरंड कप (प्रेसिडेंट कप) एशिया की सबसे पुरानी और विश्व की दूसरी सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है. इस बार जमशेदपुर की मेजबानी में इस प्रतियोगिता का आयोजन होना है, जिसमें राज्य सरकार हर स्तर पर सहयोग कर रही है. इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल राजेंद्र पुरी, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, कर्नल वीएस आडकर और मेजर जनरल एमपी सिंह मौजूद थे.

अमरनाथ यात्रा पर मंडराया आतंकी हमले का खतरा

आर्मी और पुलिस ने की रियासी और पुलवामा जैसे हमलों से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस): २९ जून से शुरु होने जा रहे अमरनाथ यात्रा पर आतंकी हमले का खतरा मंगराने लगा है। इस बात की जानकारी जम्मू-कश्मीर के पुलिस निरीक्षक वीके बिरदी ने दिया है। यात्रा शुरु होने से पहले डीजीपी ने राज्य के सभी बड़े अधिकारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क और सक्रिय रहने यात्रा के दौरान किसी भी संभावित खतरे का जवाब देने का निर्देश दिया है।

कुल ५२ दिनों तक चलने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा २९ जून को मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के दोहरे मार्गों से शुरू होगी। जम्मू संभाग में इस महीने की शुरुआत में कई आतंकी हमले की घटनाओं के बाद प्रशासन दोगुना सतर्क है।

पुलिस नियंत्रण कक्ष कश्मीर के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक में एसएएनजेवाई-२०२४ के शांतिपूर्ण संचालन की व्यवस्था का जायजा लिया। ▶▶ 7

लोकसभा स्पीकर के पद को लेकर आर-पार

72 साल में तीसरी बार लोकसभा स्पीकर पद के लिए होगा चुनाव, चुनाव जीतने के लिए 271

नई दिल्ली (ईएमएस): १८वीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा स्पीकर को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ गया। एनडीए प्रत्याशी ओम बिरला के खिलाफ इंडिया ब्लॉक ने भी अपना उम्मीदवार कांग्रेस सांसद के सुरेश को उतार दिया है। बुधवार को सुबह ११ बजे स्पीकर पद के लिए वोटिंग होगी। ७२ साल में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। लोकसभा में संख्याबल एनडीए के पक्ष में होने के साथ, ओम बिरला लगातार दूसरी बार स्पीकर बनने की रेस में विपक्षी उम्मीदवार के सुरेश से आगे नजर आ रहे हैं। ओम बिरला पहली बार २०१४ में कोटा से लोकसभा सांसद बने थे। वह २०१९ में दोबारा जीते और उन्हें सर्वसम्मति से १७वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। वह कोटा से इस बार लगातार तीसरी बार सांसदी का चुनाव जीते हैं।

दरअसल, लोकसभा अध्यक्ष के पद को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्ष के इंडिया ब्लॉक के बीच आम सहमति नहीं बन पाई है। संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए ओम बिरला के पक्ष में एनडीए के नेताओं ने १० सेट में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और एनडीए के अन्य नेता मौजूद थे। वहीं, विपक्षी की ओर से कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए बिरला के खिलाफ ३ सेट में नामांकन दाखिल किया। ▶▶ 7

राम मंदिर में अब वीआईपी दर्शन पर लगी रोक

अयोध्या (ईएमएस): मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर ५०० वर्षों के संघर्ष के बाद बने मंदिर में रामलला के दर्शन में फर्जी तरीके से एंट्री करवाए जाने की भी कई घटनाएं सामने आई हैं। इसको रोकने के लिए ट्रस्ट की तरफ से एक बड़ा फैसला लिया गया है। अब वीआईपी श्रद्धालु रंगमहल बैरियर से दर्शन नहीं कर सकेंगे। पुलिस प्रशासन और ट्रस्ट के बीच हुई बैठक में आज यह निर्णय लिया गया स सिर्फ विशिष्ट पास धारकों को अब इस रास्ते जाने की अनुमति रहेगी स जबकि श्रीरामलला के सामान्य दर्शन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले मंदिर में पुजारियों को दक्षिणा देने, चरणामृत और तिलक लगाने जैसे कई नियमों को भी बदला गया था। विदित हो कि मंदिर निर्माण से पहले रंगमहल बैरियर से ही श्रद्धालुओं को दर्शन कराये जाते थे।

लोकसभा में शपथ के दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने लगाया नारा

जय भीम, जय फिलिस्तीन

नई दिल्ली (ईएमएस): १८वीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। इस बीच एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

इसमें वह सांसद के तौर पर शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन का नारा लगाते दिखाई दिए। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के दौरान जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना और बाद में जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। उन्होंने अल्लाह हू अकबर का नारा भी दिया।

असदुद्दीन ओवैसी के जय फिलिस्तीन का नारा लगाने के बाद सियायत शुरू हो गई है। जब उनसे पूछा गया कि आपने जो नारा दिया उसका विरोध हो रहा है। इस पर उन्होंने कहा कि किसने क्या कहा, क्या नहीं कहा सब आपके सामने है। हमने कहा, जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन। यह कैसे संविधान के खिलाफ है। भाजपा नेता जी किशन रेड्डी ने असदुद्दीन ओवैसी के नारे का विरोध किया है। साथ ही रिकॉर्ड से हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा, ओवैसी ने संसद में जो नारा ▶▶ 7

पासपोर्ट के लिए वेरिफिकेशन करवाने में अब नहीं चलेगी पुलिस की मनमानी

विदेश मंत्रालय ने 'एम पासपोर्ट पुलिस ऐप' बनाया, लोग नहीं होंगे परेशान

नई दिल्ली (ईएमएस): पासपोर्ट बनाने में लोगों को कई सारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। पासपोर्ट बनवाने में सबसे बड़ी दिक्कत पुलिस वेरिफिकेशन में आती है। अब विदेश मंत्री जयशंकर ने घोषणा की है कि पुलिस वेरिफिकेशन में नहीं चलेगी मनमानी। पासपोर्ट बनवाना अब और आसान हो जाएगा। इसके लिए विदेश मंत्रालय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस के साथ मिलकर एक उपाय पर काम कर रहा है, जिससे कि लोगों को चंद दिनों में पासपोर्ट मिल जाए।

सोमवार को पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि बेहतर पासपोर्ट सेवा के लिए मंत्रालय ने ४४० पोस्टऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्रों की स्थापना की है। इसके अलावा ९३ पासपोर्स सेवा केंद्र बनाएं हैं। देश में इस समय ५३३ पासपोर्स प्रोसेसिंग सेंटर और ३७ रिजिनल पासपोर्ट ऑफिस हैं। विदेश मंत्रालय ने विदेश में मौजूद १८७ भारतीय मिशनों को भी इससे जोड़ा गया है।

उड़ीसा में नक्सलियों ने 4 लोगों को बनाया बंधक

डीग का रहने वाला फैसल भी

भरतपुर (ईएमएस): उड़ीसा में नक्सलियों ने ४ लोगों को बंधक बनाकर उन्हें छोड़ने के बदले में डेढ़ करोड़ की फिरौती मांगी है। बंधक बनाए गए लोगों में एक व्यक्ति डीग जिले का रहने वाला है। व्यक्ति के परिजनों ने बताया कि सामदीका का रहने वाला फैसल उड़ीसा में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करता है। वह जल जीवन मिशन के तहत उड़ीसा के जंगलों में पाइप लाइन डालने के लिए अपने साथी के साथ खुदाई कर रहा था। तभी वहां ६ नक्सलियों की गैंग आई और दोनों को बंधक बना लिया। बंधक की घटना के बाद कंपनी के दो मैनेजर नक्सलियों से बात करने के लिए गए। तब नक्सलियों ने दोनों मैनेजरों को भी बंधक बना लिया। अब नक्सली चारों लोगों को छोड़ने की एवज में डेढ़ करोड़ की फिरौती मांग रहे हैं। नक्सलियों ने कंस्ट्रक्शन कंपनी को बंधक बने लोगों की फोटो भी भेजी है।

सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे। इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक में राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाए जाने का फैसला लिया गया। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब को कांग्रेस की ओर से पत्र लिखकर इसकी सूचना दे दी गई है। राहुल गांधी को अब कैबिनेट रैंक का दर्जा मिलेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर इंडिया अलायंस की बैठक हुई। जिसमें लगभग सभी पार्टी के नेता मौजूद थे। इसी में नेता प्रतिपक्ष को लेकर चर्चा हुई और फिर राहुल गांधी को इस पद की जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर प्रोटेम स्पीकर को पत्र लिखा गया।

जमीन कारोबारी कमलेश को ईडी ने भेजा समन, 28 को उपस्थित होने को कहा

रांची (एजेंसी): जमीन कारोबारी कमलेश कुमार को ईडी ने दोबारा समन भेजा है. ईडी ने समन भेजकर २८ जून को उपस्थित होने को कहा है. इससे पहले बीते २१ जून को ईडी ने कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान उसके ठिकानों से एक करोड़ कैश और १०० कारतूस बरामद हुए थे.

जिसके बाद ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा ने पूरे मामले में झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा और कार्रवाई की मांग की थी. रांची के कांके में थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था. फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट से जुड़े शेखर कुशवाहा ने बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके इलाके में कई जगहों पर कमलेश कुमार द्वारा जमीन के फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन हड़पने की जानकारी दी थी.

मामला सामने आने के बाद ईडी ने समन कर कमलेश कुमार को रांची जोनल आफिस में पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन ईडी के समन पर उपस्थिति ना होकर कमलेश फरार हो गया था. जिसके बाद शुक्रवार की दोपहर १२ बजे ईडी की टीम कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्ट्रो ग्रीन स्थित फ्लैट पहुंची. लेकिन ईडी के पहुंचने से ठीक पहले कमलेश वहां से निकल गया था. स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में ईडी ने इस फ्लैट को सर्च किया. इस दौरान ईडी को वहां से १०० जिंदा कारतूस और एक करोड़ कैश मिला. इस मौके से एजेंसी ने जमीन से जुड़े दस्तावेज समेत कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किये हैं.

विपक्ष की बात नहीं करेंगे तो मोदी सरकार नहीं चलेगी: वृंदा करात

रांची (एजेंसी): सीपीएम की पोलित ब्यूरो सदस्य एवं पूर्व सांसद वृंदा करात ने कहा कि लोकसभा के परिणाम से मोदी जी के दल को गहरा धक्का लगा है. आज भी दिल्ली में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

स्पीकर व डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को जाना चाहिए. हमारे संसद के इतिहास में कोई डिप्टी स्पीकर नहीं है. स्पीकर सब का होता है, डिप्टी स्पीकर हम लोग चुनेंगे.

इस बार पार्लियामेंट में बुलडोजर नहीं चलने देंगे. विपक्ष की बात नहीं सुनेंगे तो मोदी सरकार नहीं चलेगी.

वह मंगलवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोल रही थी. उन्होंने कहा कि महंगाई, जमीन घोटाला, कोयला घोटाला, बेरोजगारी से जनता त्रस्त है.

किसानों को भी धोखा दिया है, यूज एंड थ्रो की राजनीति करते हैं, मोदीजी, बांग्ला भाषी मुसलमानों को टारगेट कर रहे हैं, यह गलत है, वे ४० से ५० साल से रह रहे हैं.

जन मुद्दों को भी चिन्हित किया गया है, पानी की विकराल समस्या से शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र जूझ रहे हैं. जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसान परेशान हैं, हरा राशन कार्डधारियों को कोई राशन नहीं मिल रहा है.

मिनिमम वेज बढ़ा है, तो इसे बढ़ने दें, रोक लगेगी तो इस पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा. १६ अगस्त से २१ अगस्त तक विरोध कार्रवाई का आयोजन जिला, प्रखंड, पंचायत स्तर पर किया जायेगा. प्रेस वार्ता में सीपीएम के वरीष्ठ नेता रामचंद्र ओम, राज्य सचिव प्रकाश विप्लव शामिल थे.

पूर्व सांसद वृंदा करात के नेतृत्व में सीपीएम का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से झारखंड मंत्रालय में औपचारिक मुलाकात की.

उन्होंने मिल कर जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसानों की परेशानी समेत अन्य मुद्दों को रखा. मौके पर पार्टी के राज्य सचिव संजय पासवान, स्टेट कमेटी मेंबर सुरेश मुंडा, अशोक साह, सुभाष हेम्ब्रम और सुधांशु रंजन शामिल थे.

जामताड़ा को मिलेगी नई पहचान, होगा गैसों का उत्पादन

धनबाद (कासं) : झारखंड के कुख्यात जामताड़ा को अब एक नई पहचान मिलने जा रही है। काम शुरू हो गया है। जामताड़ा की भौगोलिक स्थिति कोल इंडिया को खींच कर जामताड़ा ले गई है। अब जामताड़ा के लोग केवल साइबर अपराधियों के लिए ही नहीं, बल्कि अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट के लिए भी जानेंगे। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत जामताड़ा में हुई है। फिलहाल यह एक पायलट प्रोजेक्ट है। इसके तहत खदान में कोयले से निकलने वाली गैसों का प्रोडक्शन होगा। इन गैसों का अलगअलग इंडस्ट्री में प्रयोग किया जा सकेगा। सूत्र बताते हैं कि सीएमपीडीआईएल और कनाडा की कंपनी ने मिलकर इसकी शुरुआत की है। माइंस में मौजूद मिथेन, हाईड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाईऑक्साइड जैसी गैसों का उत्पादन किया जाएगा और जरूरत के हिसाब से अन्य उद्योगों में इसका उपयोग किया जा सकेगा। यह एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

ऐसा होने से कोयले की खदान में मिथेन, हाईड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाईऑक्साइड जैसी गैसों का दोहन किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार अंडरग्राउंड गैसीफिकेशन का महत्व तब और अधिक बढ़ जाता है, जब पारंपरिक तरीके से कोयला निकलना आर्थिक रूप से लाभदायक नहीं होता। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से कोल इंडिया देशविदेश की उन अग्रणी माइनिंग कंपनियों में शामिल हो जाएगी, जिसने कोल् गैसीफिकेशन टेक्नोलॉजी को अख्तियार कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने २०१५ में ही कोयला और लिग्नाइट वाले क्षेत्रों में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दे दी थी। इसकी शुरुआत के लिए कोल इंडिया ने सबसे पहले झारखंड के जामताड़ा के नाला प्रखंड को चुना। भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस जगह का चयन किया गया है। प्रोजेक्ट के पहले चरण की शुरुआत इसी महीने में हुई है। इसमें बोर होल ड्रिलिंग के आधार पर टेक्निकल फीजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। दूसरे चरण में कोल् गैसीफिकेशन के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत पर ध्यान दिया जाएगा। देश का पहला पायलट प्रोजेक्ट जामताड़ा में शुरू होने से जामताड़ा की ख्याति भी बढ़ेगी। अब तक जामताड़ा साइबर अपराधियों और उनकी पाठशाला के लिए ही जाना जाता था।

जामताड़ा से निकले साइबर अपराधी देश के विभिन्न राज्यों में फैल गए हैं और कहीं बैठ कर कहीं के लोगों को ठग रहे है। अब तक जामताड़ा साइबर अपराध के लिए ही जाना जाता था, लेकिन अब अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन के लिए भी जामताड़ा जाना जाएगा। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि देशभर में साइबर अपराध की चर्चा जामताड़ा के बिना अधूरी मानी जाती है। झारखंड और बंगाल के बॉर्डर पर बसा यह जिला साइबर फ्रॉड का हॉटस्पॉट बना हुआ है। जामताड़ा में हो रहे साइबर अपराध को लेकर देश के कई राज्यों की पुलिस परेशान है। अभी तो हाल यह है कि पुलिस अगर पिता को पड़कर जेल भेजती है, तो बेटा साइबर अपराध में लग जाता है। जामताड़ा में साइबर अपराध की पाठशाला भी चलती है। बकायदे साइबर अपराध कैसे करना है। इसकी फीस लेकर ट्रेनिंग दी जाती है और फिर यहां से निकले साइबर अपराधी देश और दुनिया के लोगों को चुटकी बजाते हुए ठग लेते है।

दो पड़ोसियों के बीच मारपीट

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना अंतर्गत पुटकी १० नंबर खटाल में दो पड़ोसी राजू यादव एवं दिनेश यादव के बीच बीती रात जमकर मार पीट हुई। देखते ही देखते लाठी डंडे के साथ भुजाली व अन्य धारदार हथियार भी चला। घटना में राजू यादव एवं उनका छोटा पुत्र विकाश गम्भीर रूप से घायल हो गय। दोनों को पुटकी बाजार स्थित जीवन नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया हैं। राजू यादव को तीन टांका व उनके पुत्र विकाश को ७ टांका लगा है।

मामले में १० नंबर निवासी राजू यादव की पत्नी उमा देवी ने पुटकी थाना में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा कि सोमवार की रात करीब ११ बजे न्यू प्राथमिक विद्यालय के पास पहले से घात लगाए मेरे पड़ोसी दिनेश यादव व उनके दोनों पुत्र रंजन यादव एवं नीतीश यादव बेवजह गाली गलौज करने लगा। मेरे पुत्र विकाश यादव के द्वारा मना करने पर अचानक धारदार हथियार से हमला कर दिया। बीच बचाव करने गए मेरे पति राजू यादव पर भी हत्या करने के उद्देश्य से तीनों ने सिर पर हमला कर दिया।

हो हल्ला सुनके जब मैं घर के बाहर आई तो दिनेश यादव के दोनों पुत्र नीतीश यादव और रंजन यादव ने मेरे सिर में वार किया। लेकिन अंधेरा के कारण मैं बच गई। वहीं अनिता देवी एवं प्रियंका ने भी लाठी लेकर मेरे और मेरे पति पर हमला कर दिया। जिससे मेरे हाथ में गंभीर चोट लग गई। वहीं विरोधी पक्ष के दिनेश यादव ने पुटकी थाना में लिखित शिकायत कर राजू यादव, सुधीर यादव, माधे यादव, विकाश कुमार यादव, केशर उर्फ तारकेश्वर यादव, पिंटू कुमार, सूरज कुमार, मोहन कुमार, धनश्याम के विरुद्ध मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बच्चियों के बीच होगा साइकिल वितरण

धनबाद (कासं) : पाठशाला जो विगत कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है। बच्चियों के स्वावलंबन और उन्हें पढ़ाई में बाधा ना हो इसके लिए मिशन बेटियों की उड़ान प्रारंभ किया है। इस मिशन के अंतर्गत कक्षा ५ से लेकर १२वीं तक की बच्चियों को नि:शुल्क साइकिल वितरण किया जायेगा। इस मिशन का प्रारंभ पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक देव कुमार वर्मा की माताजी मधु देवी द्वारा भागाबस्ती शाखा में कक्षा ५ की नित्या और नैना को साइकिल और नए कपड़े देकर प्रारंभ की गयी। बताया जाता है कि पाठशाला पिछले १० वर्षों में अब तक लगभग १५०० से ज्यादा बच्चों को कक्षा एक से लेकर इंजीनियरिंग तक की पढ़ाई का खर्चा वहन कर चुकी है। साथ पाठशाला के कई बच्चों ने १०वीं के सीबीएसइ और १२वीं के सीबीएसइ परीक्षा में परचम लहराया है।

पाठशाला की जिन बच्चों ने १०वीं और १२वीं में अच्छे अंक आए हैं उसमें ओम, आदित्य, अनिकेत ,आशीष, श्रुति, रिया आदि सम्मिलित। पाठशाला के प्रधानाचार्य नीलकंठ महतो ने बताया कि आने वाले १० दिनों के अंदर ५० बच्चियों को साइकिल वितरण किया जायेगा।

इस योजना को सफलता पूर्वक संचालन के लिए विद्यालय ने सभी शिक्षक शिवकुमार शर्मा, सुनील सरकार, प्रिया और विजय का योगदान है। मिशन बेटियों की उड़ान की प्रेरणा पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट की अध्यक्ष और बीआईटी सिंदरी में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर प्रियंका कुमारी की सोच का एक प्रतिबिंब है।

चंद्रपुरा रेल लाइन एक बार फिर बंद होने की चर्चा

धनबाद (कासं) : जमीन के नीचे आग और ऊपर बिंदास जिंदगी, यही तो है कोयलांचल की जिंदगानी। बीचबीच में भू-धंसान की घटनाएं, लेकिन लोग अग्नि प्रभावित इलाके से दूर हटते नहीं है। कहा जा सकता है कि उनका विस्थापन सही ढंग से नहीं किया जाता। भूमिगत आग के चलते बीच-बीच में कोहराम भी मचता है, लेकिन फिर सब कुछ घोषणाओं के पिटारे में बंद हो जाता है।

धनबादचंद्रपुरा रेल लाइन एक बार फिर चर्चा की जद में आ गई है। इस रेल लाइन से मात्र ५० मीटर की दूरी पर सोमवार की शाम बड़े आकार का गोफ बन गया। जोरदार धमाके के साथ जमीन फटी और २५ फीट की परिधि में लगभग ५० फीट गहरा गोफ बन गया। गोफ स्थल धनबाद-चंद्रपुरा रेल लाइन से केवल ५० मीटर की दूरी पर है। इसके साथ ही एक बार फिर धनबाद चंद्रपुरा रेल लाइन के अस्तित्व पर सवाल खड़ा हो गया है। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक अन्य जगहों पर भी दरार पड़ गई है। कुछ दूरी पर ही लोगों का आवास है गोफ बनने से डर का माहौल बन गया है। बीसीसीएल ने गोफ की भराई और फेंसिंग करने का निर्णय लिया है। फायर एरिया से गुजरती धनबादचंद्रपुरा रेल लाइन पर भी खतरा बढ़ गया है। बीसीसीएल ने तत्काल कुछ लोगों को शिफ्ट कर दिया है। खतरे के दायरे में आने वाले लोगों को भी शिफ्ट किया जाएगा।

धनबादचंद्रपुरा रेल लाइन २०१७ से ही चर्चे में है। रेल लाइन को कितना खतरा है, यह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन २०१७ में एक झटके में ५२ जोड़ी ट्रेनों का परिचालन इस रेल लाइन पर रोक दिया गया था। रेलवे का कहना था कि डीजीएमएस की रिपोर्ट के आधार पर ट्रेनों का परिचालन रोका गया है। धनबादचंद्रपुरा रेल लाइन आग की जद में है। इसको लेकर धनबाद से दिल्ली तक आंदोलन हुए। अधिकारियों के दरवाजे खटखटाये गए। नेताओं तक बात पहुंची। एतिहासिक आंदोलन हुआ। उसके बाद २०१९ के लोकसभा चुनाव के पहले धीरेधीरे ट्रेनों का परिचालन धनबाद चंद्रपुरा रेल लाइन पर शुरू किया गया। हालांकि अभी भी सभी ट्रेनें नहीं चल रही है। धनबाद चंद्रपुरा रेल लाइन को शुरू करने के लिए जो आंदोलन हुआ, वह कोयलांचल के इतिहास में एतिहासिक हो गया। फिर ५० मीटर की दूरी पर गोफ बना है। अब आगे इस पर क्या होता है। यह देखने वाली बात होगी। लेकिन इतना तो तय है कि धनबादचंद्रपुरा रेल लाइन के अस्तित्व पर एक बार फिर संकट के बादल गहरा गए हैं।

रेल लाइन पर जब ट्रेनों का परिचालन शुरू हुआ तो यहां के जनप्रतिनिधि क्रेडिट लेने में पीछे नहीं रहे। सवाल अब उन पर भी उठेगा कि अब आगे क्या होगा।

लोकसभा चुनाव परिणाम से खुश नहीं हैं राहुल गांधी

धनबाद (कासं) : २०२४ के लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड में कांग्रेस के परफॉर्मेंस से राहुल गांधी खुश नहीं है। सूत्रों के अनुसार उन्होंने इस उपलब्धि को फेल की संज्ञा दी है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल के साथ झारखंड प्रदेश के आला नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व को जिम्मेवारी भी दी गई है। आलाकमान ने स्पष्ट कर दिया है कि अगले ३ महीने में संगठन के साथसाथ चुनाव अभियान चलाया जाए। केंद्रीय नेतृत्व का कहना था कि पार्टी नेता विधानसभा चुनाव के मुद्दों पर एकदम स्पष्ट रहे। पार्टी नेताओं की लाइन एक ही हो। कहीं कोई भ्रम ना रहे। प्रदेश नेतृत्व से लेकर बूथ तक के कार्यकर्ताओं के बीच मुद्दों की स्पष्टता रहे। बैठक में मंत्रियों के काम पर भी सवाल उठे। मंत्रियों को हिदायत दी गई कि संगठन के काम में भी लगे। संगठन के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले। प्रदेश के कुछ नेताओं की शिकायत थी कि मंत्री संगठन के कामों में रुचि नहीं लेते है। अब देखना है कि

इस निर्देश के बाद विधानसभा चुनाव में कांग्रेस किस तरीके से चुनाव में जाती है। इस बीच यह भी चर्चा तेज है कि प्रदेश नेतृत्व में विधानसभा चुनाव के पहले परिवर्तन हो सकता है।

भाजपा से तोड़कर जेपी भाई पटेल को कांग्रेस में लाने और उन्हें हजारीबाग से चुनाव लड़ाने का प्रयोग भी फेल कर गया। कांग्रेस हजारीबाग से चुनाव हार गई। २०२४ के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ७ सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिन में से दो पर कांग्रेस को जीत मिली। जिसमें खूंटी लोकसभा सीट तो उम्मीदवार की सक्रियता का परिणाम बताया जाता है। जो भी हो, लेकिन कांग्रेस भी विधानसभा चुनाव में कमर कसे हुए हैं और २०१९ में जीते विधायकों की सीट पर लोकसभा चुनाव में आए वोटो की महीन गणना चल रही है। प्रदेश कमिटी को यह भी निर्देश मिल गया है कि झारखंड के नए सीएलपी लीडर कौन होगा। आलमगीर आलम की जगह खाली हुए मंत्री पद किसे मिलेगा। सूत्र तो यह भी बता रहे हैं कि नाम फाइनल आला कमान कर दिया है। प्रदेश के नेता रांची लौटते ही इसकी घोषणा कर सकते है। इस बार कांग्रेस झारखंड में ३३ विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। वैसे २०१९ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ३१ सीटों पर चुनाव लड़ी थी। और १६ पर जीती थी। उसके बाद जेवीएम के दो विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए। उनमे बंधु तिर्की और प्रदीप यादव शामिल है। फिर बंधु तिर्की के खिलाफ कोर्ट का फैसला आया और उनकी विधायकी चली गई। लेकिन उन्ही की सीट पर कांग्रेस के सिंबल से उनकी बेटी नेहा तिर्की चुनाव लड़ी और वह चुनाव जीत गई।

इस प्रकार कांग्रेस के पास खुद के सिंबल पर लड़े १७ विधायक है। अगर जयप्रकाश भाई पटेल को भी शामिल कर लिया जाए, तो २०२४ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस झारखंड के ८१ में से ३३ सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। लेकिन लोकसभा चुनाव में जिन विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को प्रतिद्वंदी से कम वोट आये है, वह सभी सीटें खतरे की घंटी बजा रही है।

कांग्रेस २० से लेकर २२ सीटों पर लोकसभा चुनाव में पीछे गई है। अगर कांग्रेस के विधायक अपनेअपने क्षेत्र में गठबंधन के प्रत्याशी को बढ़त नहीं दिला सके तो इसका तो यही मतलब निकाला जाएगा कि या तो विधायकों ने रूचि नहीं ली या उनका ग्राफ ढलान पर है। २०२४ के लोकसभा चुनाव में झारखंड के कांग्रेस कोटे के कई मंत्री भी अपने विधानसभा क्षेत्र में गठबंधन के प्रत्याशी को बढ़त नहीं दिला सके। झारखंड का विधानसभा चुनाव इंडिया ब्लॉक के लिए करो या मरो का प्रश्न है तो एनडीए भी तैयारी में जुट गया है। झारखंड में अभी गठबंधन की सरकार चल रही है। २०१९ में अपदस्त हुई भाजपा, इस बार फिर से सत्ता पाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी तो इंडिया ब्लॉक के लिए भी झारखंड पर काबिज रहना महत्वपूर्ण होगा।

जीतपुर कोलियरी को पुनः चालू कराने को शुरू हुआ आंदोलन

जोड़ापोखर (ससे) : सेल कंपनी के बंद जीतपुर कोलियरी में उत्पादन कार्य चालू करने सहित अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को जनता मजदूर संघ के बैनर तले ठेका मजदूरों ने कोलियरी के मुख्य गेट पर दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया। मजदूरों का नेतृत्व संघ के शाखा सचिव टोकनाथ तिवारी एवं अध्यक्ष रवींद्र गोप ने किया। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने जमकर प्रबंधन विरोधी नारे लगाते हुए कोलियरी की बंदी के लिए अधिकारियों को जिम्मेवार ठहराया। श्री तिवारी ने कहा कि खदान में चाल से पानी का रिसाव हो रहा है। प्रबंधन और डीजीएमएस के अधिकारी साजिश रचकर खदान को हमेशा के लिए बंद करना चाह रहा है। प्रबंधन की गलत मंशा साफ दिख रही है तभी तो मजदूरों का पीएफ की कटौती को बंद किया गया है। ठेका मजदूरों को

आवास खाली करने को लेकर नोटिस दिया जा रहा है।

१०० वर्ष पुरानी सेल के एकमात्र जीतपुर कोलियरी को अधिकारियों के साजिश के चलते डीजीएमएस और सिंफर द्वारा पानी रिसाव की जांच के आड़ में जानबूझकर खदान को चालू कराने की दिशा में टालमटोल कर रहा है। उन्होंने कहा कि खदान में कोयला उत्पादन बंद होने से सैकड़ों ठेका मजदूरों के परिवार के समक्ष भुखमरी की समस्या आ गई है। कई ठेका मजदूर के बच्चे आर्थिक अभाव में स्कूल में पठनपाठन बंद हो गया है। स्थानीय दुकानदारों की व्यवसाय भी चरमरा गयी है। प्रबंधन को सैकड़ों परिवार के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी कीमत पर नहीं दिया जाएगा। शाखा अध्यक्ष रवींद्र गोप ने चेतावनी दी कि प्रबंधन ने अगर जीतपुर कोलियरी को चालू करने की दिशा में पहल नहीं की तो दो दिन बाद मजदूर भूख हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे। मौके पर दुर्गा चरण महतो, विनय पांडेय, प्यारे लाल नौनिया, दिनेश कुमार, अनिल यादव, प्रकाश वर्मा, शंकर महतो, विकाश कुमार महतो, दीपक कुमार सिंह, शिव कुमार तिवारी आदि मौजूद थे।

ब्लड बैंक कर्मचारियों को किया सम्मानित

धनबाद (कासं) : रोटी बैंक यूथ क्लब के द्वारा धनबाद एसएनएमएमसीएच हॉस्पिटल में रक्तदान के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं ब्लड बैंक के सभी २८ कर्मचारियों को आज धनबाद के विधायक राज सिन्हा के द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष रवि शेखर ने बताया कि ब्लड बैंक में जितने भी कर्मचारी काम कर रहे हैं उन लोगों को बचाने में बहुत बड़ा योगदान है। २४ घंटा ब्लड बैंक में काम करते हैं और बहुत बार ऐसा भी देखा गया है कि अगर कोई भी जरूरतमंद लोग आते हैं और उनका ब्लड नहीं मिल पाता है वहां के कर्मचारी खुद डोनेट करके उन्हें ब्लड देते हैं, विधायक राज सिंह ने बताया कि यह बहुत बड़ी बात है ब्लड बैंक के कर्मचारियों को रोटी बैंक संस्था के द्वारा इन्हें सम्मानित किया गया। ब्लड डोनेट करने वाले को तो सभी करते हैं लेकिन इनका मनोबल बढ़ाने के लिए आप लोग का यह कार्य बहुत ही सराहनीय है। एसएनएमएमसीएच के डॉ वी.के पांडे, डॉ मृत्युंजय, डॉ आशुतोष कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में भूली ब्लड डोनर ग्रुप के रवि सिंह का सहयोग रहा, रोटी बैंक यूथ क्लब के सभी सदस्य मुख्य रूप से योगदान रहा।

द्रुतगामी ट्रेनों के ठहराव को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस का धरना

निरसा (ससे) : मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में आसनसोल मंडल के थापरनगर स्टेशन पर यात्री सुविधा एवं द्रुतगामी ट्रेनों के ठहराव को लेकर एक दिवशीय धरना दिया गया। धरना दो घण्टे तक चला तत्पश्चात आसनसोल मंडल रेल प्रबंधक के नाम थापरनगर स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

धरनास्थल पर राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने कहा कि स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का घोर अभाव है। बिजली, पानी, सड़क, शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है। इतना ही नहीं अप एण्ड डाउन प्लेटफॉर्म आमनेसामने नहीं है। दोनों प्लेटफॉर्म दो छोर पर हैं। अप प्लेटफॉर्म पूरब दिशा में है तो दूसरा डाउन प्लेटफॉर्म पश्चिम दिशा में। आनेजाने का रास्ता रेल्वे ट्रैक से है। लोग जान जोखिम में डाल एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाते हैं। उन्होंने कहा कि थापरनगर स्टेशन १४ कोलियरी, स्कूल कॉलेज, पॉलीटेक्निक, पुलिस थाना व ओपी, तीनतीन प्रखण्ड एवं मैथन थर्मल पावर एवं दामोदर वेली कॉर्पोरेशन, बैंकों के अलावा छोटे बड़े कल कारखाने से घिरा हुआ है। यहां बिहार, झारखण्ड, उत्तरप्रदेश, पंजाब, दिल्ली के लोग व्यवसाय से जुड़े हैं। बहुत लोग नौकरी पेशा में हैं। आनेजाने के लिये स्टेशन पर दूरगामी ट्रेनों का ठहराव नहीं है। द्रुतगामी ट्रेनों को पकड़ने के लिये यहां के लोगों को ३० किलो मीटर पूरब आसनसोल या ३० किलो मीटर पश्चिम धनबाद जाना पड़ता है। मानसिक व आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। गोस्वामी ने कहा कि दुखद बात तो यह है कि जो भी दोचार ट्रेनें गोमो-धनबाद से आसनसोलबर्दमान तक चलती है उसमें मेमू ट्रेनों का किराया एक्सप्रेस का लिया जाता है। उन्होंने अन्य सुविधाओं के साथ शक्तिपुंज, मौर्य, पाटलिपुत्र, कोलफिल्ड, ब्लैक डायमंड, देहरादून, जम्मूतवी, के साथ धनबाद पटना इन्टरसिटी के ठहराव की मांग की है। उन्होंने रेल्वे के वरीय अधिकारियों पर थापरनगर स्टेशन के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। गोस्वामी ने कहा कि अगस्त माह तक उक्त समस्याओं के निराकरण में सार्थक पहल की जाये अन्यथा बाध्य होकर आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ेगा जिसकी जबाबदेही रेल्वे की होगी। मंडल रेल प्रबंधक आसनसोल को प्रेषित ज्ञापन की छायाप्रति महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व रेल्वे कोलकाता, सचिव रेल मंत्रालय भारत सरकार, राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नई दिल्ली, प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक हुसैनाबाद को प्रेषित किया है।

61 स्टेशनों पर खुलेंगे प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र

हाजीपुर (ससे): रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों और आम लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ाने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाइयां और उपभोग्य वस्तुएं (जन औषधि उत्पाद) उपलब्ध कराने के भारत सरकार के मिशन को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय रेलवे ने स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया एवं कॉनकोरस में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र स्थापित करने के लिए एक नीति के अनुरूप दिनांक १२.०३.२०२४ से भारतीय रेलवे में ५० स्थानों पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र ने सफलतापूर्वक कार्य करना शुरू कर दिया है।

इन ५० केन्द्रों में पूर्व मध्य रेल में पटना जं., दरभंगा एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. पर प्रधानमंत्री भारतीय औषधि केंद्र

कार्य कर रहा है।

इस पहल की सफलता एवं लोगों के उत्साह को देखते हुए भारतीय रेलवे ने और ६१ स्थानों पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र के स्टॉल खोलने का निर्णय लिया गया है। इनमें बिहार के आरा, हाजीपुर, समस्तीपुर, छपरा एवं भागलपुर स्टेशन शामिल हैं जहां प्रधानमंत्री भारतीय औषधि केंद्र खोले जाएंगे।

इन स्टेशनों पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र के स्टॉल खोलने के इच्छूक व्यक्ति से निविदा आमंत्रित किये जा चुके हैं तथा चयनित निविदाकर्ता को अगस्त के प्रथम सप्ताह तक आउटलेट का निर्माण पूरा करते हुए उन्हें सौंप दिया जाएगा । इस महत्वपूर्ण निर्णय से न केवल रोजगार के अवसर पैदा होंगे बल्कि लोगों को सस्ती कीमतों पर दवाइयां भी उपलब्ध होंगी।

विदित हो कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्रों का उद्देश्य सभी लोगों, विशेषकर गरीबों और वंचितों के लिए इन केन्द्रों के माध्यम से किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना, ताकि स्वास्थ्य देखभाल में जेब से होने वाले खर्च को कम किया जा सके। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र के तहत विभिन्न उत्पादों में १९६३ दवाइयाँ और २९३ सर्जिकल उपकरण शामिल हैं, जो सभी प्रमुख चिकित्सीय समूहों जैसे कि कार्डियोवैस्कुलर, एंटी-कैंसर, एंटी-डायबिटिक्स, एंटी-इंफेक्टिव्स, एंटी-एलर्जिक, गैस्ट्रो-आंत्र संबंधी दवाइयाँ, न्यूट्रास्युटिकल्स आदि को कवर करते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र के उत्पादों में कई आयुर्वेदिक उत्पादों को भी शामिल किया गया है और यह लोगों के लिए सस्ती कीमतों पर आसानी से उपलब्ध है।

अपर समाहर्ता ने की समीक्षा बैठक

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने मंगलवार को आधारभूत संरचना एवं राजस्व की समीक्षा बैठक की। मौके पर डीपीएलआर श्रीमती मेनका, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो अशोक कुमार, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, डीसीएलआर बेरमो सदानंद महतो, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत सभी अंचलों के अंचलाधिकारी, तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंता, विभिन्न एजेंसियों/ कंपनियों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने आधारभूत संरचना एवं राजस्व की पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों एवं संबंधित विभाग/ अंचलों द्वारा उसके अनुपालन की प्रगति की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने ज्यादातर मामलों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए सभी अंचलधिकारियों को विभिन्न एजेंसी/ कोल कंपनियों से भूमि संबंधित कार्यों के निष्पादन में

तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने भूमि सत्यापन/भूमि सीमांकन एवं अधिग्रहित भूमियों का दाखिल - खारिज कार्य के निपटारे में अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश दिया। सभी अंचलाधिकारियों को नियमित बैठक कर एजेंसी/ कोल कंपनियों से जरूरी दस्तावेज/ आवेदन आदि प्राप्त कर मामलों का निष्पादन का निर्देश दिया।

अपर समाहर्ता ने बैठक में उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो को भी उनके अंतर्गत आने वाले अंचलों से संबंधित मामलों की नियमित समीक्षा कर कार्य में प्रगति लाने को कहा। अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो ने पिछले दिनों की बैठक कर सभी मुद्दों पर जरूरी निर्देश अंचलाधिकारियों को देने की बात कहीं। अपर समाहर्ता ने समीक्षा बैठक में कुल ८६ एजेंडों पर प्रगति की समीक्षा की। जिसमें बी एंड के एरिया सीसीएल का २३ मामला, सीसीएल ढ़ोरी के ०६ मामला, सीसीएल रजरप्पा का ०१ मामला, सीसीएल कोटरे बसंतपुर पंचमो का ०२ मामला, ट्रांसमिशन लाइन का ०६ मामला, रेलवे का ०३ मामला, ओएनजीसी का २८ मामला, बीएसएल का ०८ मामला, डीवीसी का ०४ मामला, एनएचएआइ का ०२ मामला, आरसीडी का ०१ एवं बीसीसीएल बरोरा का ०२ मामला शामिल था।

उपाध्यक्ष पद के लिए चेतन व दीपक के बीच टक्कर

धनबाद (कासं) : धनबाद क्लब में २९ प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। कार्यकारिणी सदस्य के पद में खड़े डॉ. राकेश इंदर सिंह का नामांकन फॉर्म रद्द कर दिया गया। मंगलवार को नाम वापस की गई। चुनाव आगामी ३० को होनेवाला है। बताया जाता है कि छह पदों पर कुल ३० प्रत्याशियों ने नामांकन किया था।

वरीय उपाध्यक्ष के लिए चेतन प्रकाश गोयनका और दीपक कनौरिया ने दावेदारी की है। उपाध्यक्ष पद पर दीपक रुईया, नीतीश शाहबादी, सचिव पद में बसंत हेलीवाल व प्रणेय कुमार पूर्वे मैदान में हैं। इसी तरह सह सचिव में तीन लोग मैदान में हैं। इनमें अनूप कथुरिया, बरनाली गुप्ता व जितेंद्र गुटगुटिया शामिल हैं। कोषाध्यक्ष पद में अभिषेक गुप्ता, मनोज खेमका रेस में हैं। कार्यकारिणी सदस्य में अमित कुमार सिन्हा, रित्विक अग्रवाल, शंभू अग्रवाल, सुशांत टंडन, वैभव अग्रवाल, विकास कुमार अग्रवाल व वरुण गोधा चुनाव मैदान में हैं। इनमें पांच लोग ही सदस्य चुने जाएंगे। स्क्रूटनी कमिटी के डॉ. अबीर चक्रवर्ती, लाभ कामरा व विवेक गुटगुटिया ने डॉ. राकेश सिंह इंदर का फॉर्म गलत पाया। इसके बाद उनका नामांकन रद्द कर दिया गया।

गौरतलब है कि धनबाद डीसी क्लब के पदेन अध्यक्ष होते हैं। क्लब का नियम है कि जो जितेंगे, वह एक बार से अधिक उसी पद पर चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। अगर लड़ते हैं तो वे अगले तीन साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इसी कारण पुरानी कमिटी के कई पदाधिकारी इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। वहीं कुछ लोग लड़ रहे है तो दूसरे पद पर क्लब के वर्तमान सचिव संजीव ब्योत्रा का कहना है कि चुनाव के दिन ही सुबह में एजीएम होगी। इसके बाद चुनाव आरंभ होगा। देर रात तक जीतने वाले प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी।

तम्बाकू शरीर में पैदा कर सकता है अनेक बीमारियां

बोकारो (ससे): मध्य विद्यालय माराफारी एवं मध्य विद्यालय सिवनडीह में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य द्वारा किया गया। सेमिनार में जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम मो० असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू के प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम, व उससे होने वाले नुकसान, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान को कैसे किया जाये और इसमें बच्चों की क्या जवाबदेही है इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

स्कूल प्राचार्य द्वारा बच्चों को बताया गया कि तम्बाकू कई प्रकार के है जो मार्केट के अन्दर मिलते है कुछ स्मोकिंग वाले होते है और कुछ चबाने वाले। तम्बाकू किसी भी तरह से लिया जाये तो वह नुकसान करता है चाहे चबा कर, पी कर या मंजन के शकल में लिया जाये। ऐसे मे हम सभी आज दृढ संकल्प लें कि आज से तम्बाकू न हम प्रयोग में लायेंगे और न ही हम अपने घरो में इसका उपयोग करने देगे।

पेटरवार में परिवहन विभाग ने लगाया शिविर

बोकारो (ससे): मंगलवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार पेटरवार प्रखंड सह अंचल कार्यालय में परिवहन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना २०२२, झारखंड गुड सेमेरिटर्न पॉलिसी २०२० एवं हिट एंड रन से संबंधित मामलों को सुदूरवर्ती क्षेत्र के अंतिम लोगों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं, ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना २०२२, झारखंड गुड सेमेरिटर्न पॉलिसी २०२० एवं हिट एंड रन से संबंधित आवेदन आमजनों से प्राप्त किया गया।

शिविर में कुल १९९६ लोगों ने आवेदन किया। इस दौरान आमजनों को सड़क पर चलने के दौरान परिवहन नियमों का अनुपालन करने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस का वाहन का इस्तेमाल नहीं करने, दो-पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट आदि का इस्तेमाल करने का अपील किया गया। इस दौरान योजनाओं से संबंधित पोस्टर एवं पंपलेट का भी वितरण किया गया।

जानकारी हो कि, २९ जून तक अलग - अलग तिथियों को सभी प्रखंडों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में बेरमो प्रखंड मुख्यालय में २६ जून को, चास प्रखंड मुख्यालय में २८ जून को एवं चंदनकियारी प्रखंड मुख्यालय में २९ जून को शिविर लगाया जाएगा।

बच्चा चोरी कर ले जाते महिला को पकड़ा

निरसा (ससे) : चिरकुंडा थाना क्षेत्र के कुमारधुबी कोलियरी के आवासीय क्षेत्र के स्लम क्षेत्र में मंगलवार की शाम में एक महिला द्वारा एक बच्चा को चुराकर ले जाते स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ कर चिरकुंडा पुलिस के हवाले कर दिया। उक्त महिला मंगलवार की शाम ७ बजे छोटेलाल भुईयां के २ वर्षीय नाती को गोद में उठाकर ले जा रही थी। तभी कोलियरी क्षेत्र की अन्य महिलाओं ने देख लिया। उसे पकड़ कर वार्ड संख्या ४ की पार्षद के घर ले गई।

उक्त महिला को क्षेत्र के काफी संख्या में लोगों ने घेर लिया। बाद में पार्षद रानी केराई ने चिरकुंडा पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर चिरकुंडा पुलिस पहुंची। उसके बाद पुलिस उक्त महिला को उठाकर चिरकुंडा थाने ले गई।

जिला परिषद को मजबूत बनाने के लिए कटिबद्ध : मुनिया देवी

गिरिडीह (ससे): जिला परिषद को मजबूत एवं सशक्त बनाने को लेकर कटिबद्ध है उक्त बातें जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी ने दो वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रेस वार्ता के दौरान जिला परिषद में कहीं उन्होंने कहा कि आम आदमी को बुनियादी सुविधा मिले और चहूमुखी विकास हो इसके लिए मैं हमेशा संघर्षरत रहती हूं। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य राशन पेंशन पेयजल सिंचाई पथ पुल पुलिया आदि समस्याओं का हल जिला परिषद के द्वारा किया जा रहा है। श्रीमती देवी ने कहा कि खेती से जुड़े लोगों को सिंचाई सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से ५५ अमृत सरोवर का निर्माण १० करोड़ ५१ लख रुपए से कराई गई इसके अलावे पांच स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण भी कराया गया वहीं इसके अलावा जिला परिषद के द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है ।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार से जिले में ४२ करोड़ ६५ लाख ९६ हजार रुपए की राशि से विभिन्न प्रकार की योजनाओं का क्रियान्वयन कराया गया जलनल योजना के संबंध पर उन्होंने कहा कि इस योजना में गड़बड़ी की गई है जिसको लेकर जिला परिषद स्तर से जांच कर कर रिपोर्ट सौपा गया है लेकिन इस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है उन्होंने कहा कि वरीय पदाधिकारी को इस मामले को लेकर पत्राचार किया जा रहा है। जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक जिला परिषद सदस्य को चापानल अधिष्ठापन को लेकर अनुशंसा के की मांग की गई थी लेकिन एक भी चापानल अनुशंसा के अनुरूप नहीं किया गया है। मौके पर जिला परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी शिव शंकर सिंह जिला परिषद के कार्यपालक अभियंता भोलाराम जिला परिषद सदस्य उस्मान अंसारी समेत कई लोग मौजूद थे।

बीजेपी-कांग्रेस संविधान को कर रहे खत्म : मायावती

लखनऊ,(ईएमएस): आज आपातकाल की बरसी है और बीजेपी संविधान को लेकर कांग्रेस को निशाना बना रही है तो वहीं इंडिया गठबंधन मोदी सरकार पर आरोप लगा रहा है कि बीजेपी संविधान खत्म करना चाहती है। दोनों ही एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए खुद को संविधान और लोकतंत्र का सबसे बड़ा रक्षक होने का दावा कर रहे हैं लेकिन इस बीच बहुजन समाजपार्टी की मुखिया मायावती ने एनडीए और इंडिया गठबंधन पर आरोल लगाया है कि ये दोनों मिलकर संविधान को धीरे-धीरे खत्म कर रहे है। लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन में मायावती बीजेपी और कांग्रेस पर बरसीं।

संसद में विपक्षी सांसदों द्वारा सत्ता पक्ष को संविधान की प्रतियां दिखाये जाने के मुद्दे पर मायावती ने कहा कि ये दोनों ही पार्टियां एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। मायावती ने आरोप लगाया कि इन दोनों ने ही संविधान को जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी बना दिया है। मायावती ने यह भी आरोप लगाया है कि सत्तापक्ष और विपक्ष की आपस में मिलीभगत है और जबरदस्ती संविधान बचाने का नाटक कर रहे हैं। मायावती ने आरोप लगाया है कि दोनों ही अपने राजनीतिक स्वार्थ पूरे करने के लिए भारतीय संविधान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और कांग्रेस ने मिलकर संविधान में इतने संशोधन कर दिये कि अब ये समतामूलक और धर्मनिरपेक्ष नहीं बल्कि पूंजीवादी, जातिवादी और सांप्रदायिक संविधान बनकर रह गया है। मायावती ने आगे कहा कि ये दोनों ही पार्टियां आरक्षण समाप्त करना चाहती हैं।

स्थानीय प्रशासन से मदद की अपील

डुमरी (ससे)::जामतारा बायपास निवासी आजाद सिंह ने एक प्रेस बयान जारी कर स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग किया है कि उसे पूर्व की भांति अपने परिवार के भरण पोषण हेतु वनांचल चौक के फुयपाथ/सरकारी भूमि में ठेला लगाने की अनुमति दी जाये क्योंकि जहां वह वर्षों से ठेला लगाते रहें हैं वहां एक दबंग व्यक्ति जीएमलैण्ड/सरकारी भूमि का कुछ फीट अतिक्रमण करके आलीशान प्रतिष्ठान बना लिया है और दबंगई पूर्वक मुझे ठेला लगाने से मना कर देता है जबकि मेरे और मेरे परिवार का भरण-पोषण एकमात्र साधन ठेला में फल बिक्री करना है।

डीपीएस बोकारो ने फिर लहराया शैक्षणिक गरिमा का परचम

बोकारो (ससे): श्रीलंका, मॉरीशस, दुबई, बांग्लादेश, थाईलैंड सहित अन्य देशों के बाद दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक गरिमा का परचम लहराया है। विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में विश्वस्तरीय नवाचार एवं मानवीय मूल्यों के साथ परिवर्तनकारी उत्कृष्टता के लिए नॉर्वे में सम्मानित किया गया है। ओस्लो स्थित नॉर्वे की संसद में आयोजित भारत-नॉर्वे अंतरराष्ट्रीय शिक्षा शिखर सम्मेलन एवं सम्मान समारोह २०२४ के दौरान विद्यालय को विश्व-प्रतिष्ठित ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

नॉर्वे किंगडम के सांसद एवं शिक्षा व शोध की स्थायी समिति के सदस्य हिमांशु गुलाटी ने बतौर मुख्य अतिथि आकेरशुस (नॉर्वे) के राज्यमंत्री ओले जैकब जोहान्सन तथा नॉर्वे किंगडम में भारत के राजदूत डॉ. अकीनो विमल की मौजूदगी में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार को यह सम्मान प्रदान किया।

पूरे भारतवर्ष से ३० विद्यालयों को उक्त समारोह में सम्मानित किया गया। खास बात यह रही कि झारखंड से एकमात्र डीपीएस बोकारो ही यह सम्मान पानेवाला विद्यालय रहा।

मंगलवार को प्रातःकालीन विशेष सभा में जैसे ही इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि की घोषणा हुई, पूरा विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विदित हो कि इसके पूर्व भी विभिन्न देशों में डीपीएस बोकारो को शिक्षा के क्षेत्र में नवोन्मेषता, उच्चस्तरीय गुणवत्ता, पर्यावरणहित संबंधी पहलों सहित अन्य श्रेणियों में विश्वमंच पर सम्मानित किया जा चुका है। नॉर्वे में प्राप्त यह नवीनतम पुरस्कार गुणवत्तापूर्ण और भविष्योन्मुखी शिक्षा के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्राचार्य डॉ. गंगवार के नेतृत्व में विद्यालय निरंतर शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता के नए अध्याय जोड़ रहा है।

नवीनतम उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इसके लिए सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिष्ठित सम्मान उत्कृष्टता एवं नवोन्मेषता के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को और सशक्त करता है। विद्यालय विभिन्न प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियों, खेल, कला-संस्कृति और चरित्र-निर्माण सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास को लेकर सतत प्रयत्नशील है।

इस प्रकार की उपलब्धियां इन्हीं प्रयासों का परिणाम हैं। यह सम्मान हमें आगे और भी बेहतरी के साथ काम करने की प्रेरणा देता है, जिससे कि हम सभी मिलकर अपनी शैक्षणिक गरिमा को ऐसे ही बढ़ाते हुए समृद्ध समाज व राष्ट्र-निर्माण में सशक्त भूमिका निभा सकें।

स्वच्छ भारत मिशन को लेकर कार्यशाला आयोजित

डुमरी (ससे): स्वच्छ भारत मिशन फेज-२ के तहत प्रखण्ड में चल रहे योजनाओं की कार्य प्रगति एवं कार्य योजनाएं बनाने हेतु मंगलवार को प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया,एईव जेई,पंचायत सेवक सहित योजनाओं से जुड़े सभी कर्मी उपस्थित हुए।

इस दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से कार्यशाला के उद्देश्यों की बिन्दुवार जानकारी देते हुए योजनाओं से लाभुकों को लाभान्वित कराने हेतु प्रपत्र उपलब्ध कराया गया।वहीं उपस्थित मुखियाओं ने नल जल योजना के विसंगतियों एवं बरती गयी लापरवाही का मामला उठाया।कार्यशाला के बाद बीडीओ डुमरी अन्वेषा ओना ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन फेज -२ में चल रहे सभी योजनाओं से संबंधित बारीकी से जानकारी दी गई और उससे जरूरतमंद लाभुकों को लाभान्वित कराने हेतु सभी मुखियाओं व कर्मियों को निर्देशित किया गया।

वहीं कार्यशाला में प्रशिक्षक के

रूप में उपस्थित जिला समन्वयक एक्सल डब्ल्यू बिरेन्द्र कुमार मंडल ने कहा कि विलेज एक्शन प्लान के तहत जो मुखियाओं को प्रपत्र दिए गए हैं,पंचायत और ग्राम की प्राथमिक जानकारी जैसे जनसंख्या, घर,वर्मी कम्पोस्ट कितनी बनाई जानी है।

कितने लोगों को शौचालय निर्माण हो गया है और कितनी शौचालय निर्माण कार्य होना बाकी है ये सारी जानकारी का सर्वे करके उसे प्रखंड व जिला कार्यालय में जमा करना है जहां से सभी डाटा का संकलन कर राज्य कार्यालय को भेजा जाएगा ताकि डाटा के अनुसार फंड का मांग कर उसे पंचायत में उपलब्ध कराया जा सके।साथ ही कार्यशाला में जल जीवन मिशन के बारे में बताया गया कि जल को कैसे बर्बादी से बचाया जा सकता है जल का महत्व के बारे में जानकारी देते हुए वर्षा के जल को संरक्षित करने तथा वाटर हार्वेस्टिंग के महत्व के बारे में बताया गया।

कार्यशाला में पीएचईडी के जेई जयप्रकाश यादव मुखिया जगदीश महतो, जितेंद्र दास, दीलीप कुमार, इतवारी हेंब्रम, कलावती देवी, सीताराम तुरी, खेमलाल महतो, जागेश्वर महतो, नूरउद्दीन अंसारी, जागेश्वर यादव, शोभा जायसवाल, रीना कुमारी मुखिया प्रतिनिधि अनील रजक, असलम अंसारी आदि प्रखंड के सभी मुखिया उपस्थित थे।

राजद गठबंधन सरकार के दौरान टेंडर आवंटन में गड़बड़ी

पटना (एर्जेसी): बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के सिलसिले में दिये गये ८२६ करोड़ रुपये के अनुबंधों को रद्द कर दिया है. एक मंत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी. राज्य सरकार का लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) ने ठेकेदारों की चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं का हवाला देते हुए ८२६ करोड़ रुपये के ३५० अनुबंध रद्द कर दिए हैं.

विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है. बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, विभाग की जांच से पता चला है कि राज्य में पिछली राजद के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार के दौरान ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े ३५० ठेकों (८२६ करोड़ रुपये के) के आवंटन में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था. ये ठेके हैंडपंप, मिनी जलापूर्ति व्यवस्था आदि की स्थापना से संबंधित थे. जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मैंने हाल में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई थी...जिसके बाद इन ठेकों को रद्द करने का आदेश जारी किया गया.

मंत्री ने कहा, विभाग ने इन ठेकों से जुड़ी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी को सौंप दी है, ताकि गहन जांच हो सके...जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. राज्य में पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान राजद नेता ललित यादव पीएचईडी मंत्री थे. सिंह ने कहा, १७ महीनों में पिछली सरकार ने पीएचईडी विभाग के ४६०० करोड़ रुपये के कुल ११६० ठेके दिए थे. हमने अब तक ३५० अनुबंध रद्द कर दिए हैं, शेष की जांच की जा रही है."

हालांकि, मंत्री ने विभाग के अधिकारियों द्वारा पकड़ी गई अनियमितताओं का ब्यौरा देने से इनकार कर दिया और कहा, इनके बारे में बताने का यह उचित समय नहीं है क्योंकि मामले की जांच एक सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जा रही है. दस्तावेजों के अनुसार, बांका जिला इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां ग्रामीण जलापूर्ति प्रणाली से संबंधित अधिकतम १०६ अनुबंध रद्द किए गए हैं. जमुई में ७३, लखीसराय में २० , औरंगाबाद में १८ और आरा में ११ अनुबंध रद्द किए गए हैं.

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस साल जनवरी में राजद से नाता तोड़कर राजग में वापस आ गए थे. सत्ता संभालने के तुरंत बाद फरवरी २०२४ में राजग सरकार ने पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव और पिछली महागठबंधन सरकार में राजद कोटे से उनके दो तत्कालीन मंत्रियों --ललित यादव और रामानंद यादव के प्रभार वाले विभागों द्वारा लिए गए सभी निर्णयों की समीक्षा का आदेश दिया था. मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले कैबिनेट सचिवालय विभाग की ओर से १६ फरवरी २०२४ को जारी पत्र में स्वास्थ्य, पथ निर्माण, नगर विकास एवं आवास और ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों को भी राज्य में पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान लिए गए निर्णयों की समीक्षा करने को कहा गया था. इन विभागों के प्रमुख तेजस्वी यादव थे.

बिहार सरकार द्वारा पीएचईडी विभाग के ठेके (८२६ करोड़ रुपये के) रद्द करने के फैसले पर टिप्पणी करते हुए, राजद प्रवक्ता (बिहार इकाई) मृत्युंजय तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मुख्यमंत्री और भाजपा नेता हमारे नेता तेजस्वी यादव से डरे हुए हैं. राज्य में पिछली 'महागठबंधन' सरकार ने बहुत से जनहितैषी काम किए और सात से आठ लाख युवाओं को रोजगार देने और समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने जैसे बड़े निर्णय लिए. उन्होंने कहा, वे पिछली सरकार की कल्याणकारी पहलों से भी डरे हुए हैं क्योंकि उनसे राज्य में लाखों लोगों को लाभ हुआ. राजद किसी भी जांच से नहीं डरता...उन्हें (राजग सरकार को) जो करना है, करने दीजिए.

आरजेडी व जेडीयू के नेता एक दूसरे पर हमलावर

पटना (एर्जेसी): देश में नीट पेपर लीक का मुद्दा गर्माया हुआ है. इसके तार बिहार से जुड़े होने के बाद सियासत भी जमकर हो रही है. आरजेडी और जेडीयू के नेता एक दूसरे पर हमलावर हैं. इस मामले को लेकर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का नाम घसीटा, तो वहीं आरजेडी की तरफ से कुछ तस्वीरें साझा की गईं. जिनमें एनडीए के नेता और आरोपी के साथ नजर आ रहे हैं.

इस पर बिहार सरकार के मंत्री जयंत राज ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नेताओं के साथ लोग तस्वीरें खिंचवा लेते हैं. फोटो वाली राजनीति सही नहीं है. नीट मामले की जांच अच्छे तरीके से हो रही है और जो भी दोषी होंगे, उन्हें सजा मिलेगी. दरअसल, नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इसमें उनके साथ चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी नजर आ रहे हैं.आरजेडी की प्रवक्ता कंचन यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर इस तस्वीर को पोस्ट किया. उन्होंने बीजेपी और एनडीए पर हमला करते हुए तस्वीर के कैप्शन में लिखा, नीट पेपर के आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी के साथ प्रशांत किशोर. पेपर लीक मामले के तार जेडीयू और एनडीए से जुड़ रहे हैं, इसकी जांच कब होगी?

गौरतलब है कि नीट मामले में बिहार की आर्थिक अपराध शाखा ने पेपर लीक होने की खबर को सही बताया था. जांच के दौरान कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. ईओयू की टीम अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप चुकी है. अब इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है.

दिलेश्वर कामत होंगे लोस संसदीय दल के नेता

पटना (एर्जेसी): जेडीयू संसदीय दल के नेताओं का नाम तय हो गया है. जदयू ने सांसद दिलेश्वर कामत को लोकसभा में संसदीय दल का नेता बनाया है. वहीं, संजय झा को राज्यसभा की जिम्मेदारी सौंपी है. दिलेश्वर कामत सुपौल से दूसरी बार सांसद बने हैं.

संजय झा को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करीबी माना जाता है. वह बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं. साथ ही जदयू में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं. संजय झा राज्यसभा चुनाव में जदयू के उम्मीदवार थे. इनके विरोध में कोई प्रत्याशी नहीं होने की वजह से संजय झा निर्विरोध निर्वाचित हुए थे. दूसरी तरफ दिलेश्वर कामत महादलित समुदाय के प्रमुख चेहरों में से एक हैं. लोकसभा चुनाव में सुपौल सीट पर उन्होंने राजद के चंद्रहास चौपाल को १,६९,८०३ वोटों से हराया है.

जदयू ने भगवान सिंह कुशवाहा को एमएलसी उपचुनाव के लिए कैंडिडेट बनाया है. माना जा रहा है कि कोइरी वोट बैंक को साधने की कोशिश है. दरअसल, बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सीएम नीतीश कुमार का यह बहुत बड़ा सियासी दांव माना जा रहा है. वहीं, जदयू संसदीय दल की मीटिंग में सभी फैसले लेने के लिए नीतीश कुमार को अधिकार दिया गया है. उनका फैसला पूरी पार्टी को मानना होगा.

देश की राजधानी दिल्ली में मोदी मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण से पहले बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में जदयू के संसदीय दल की बैठक में उनको संसदीय दल का नेता चुना गया. साथ ही सारे फैसले करने का अधिकार सौंपा गया था. बता दें कि लोकसभा चुनाव में १६ सीटों पर लड़कर १२ सीटें जीतने वाली जदयू एनडीए के साथ है.

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई पहुंची ईओयू ऑफिस

नालंदा (ईएमएस): नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम पटना के आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के ऑफिस पहुंची। बताया जा रहा है कि सीबीआई पेपर लीक से जुड़े सभी दस्तावेज और सबूत ले रही है। सीबीआई से पहले ईओयू ही पूरे मामले की जांच कर रही थी। मामले में ईओयू की टीम बिहार और झारखंड से १८ लोगों को गिरफ्तार कर कई लोगों से पूछताछ भी कर चुकी है। इस बीच नीट पेपर लीक को लेकर कई खुलासे हुए हैं।

संजीव मुखिया के करीबी ने पेपर लीक मामले में सरकारी सिंडिकेट की कलई खोल दी है। करीबी ने बताया कि संजीव मुखिया अभी फरार है। वह पकड़ा नहीं जा सकता है। करीबी ने बताया कि संजीव की पत्नी चुनाव भी लड़ी थी। इस पर करीबी ने कहा कि चुनाव में ही वह बर्बाद हुआ। पैसा उठाया, वहां सब दिन नीट का ही काम करता रहा है। लेकिन वह इससे पहले १०-२० काम ही उठाता रहा है।

लेकिन पत्नी को चुनाव लड़वाने में संजीव को पैसों की जरूरत थी, इसकारण एंडवास में पैसे उठाए। संजीव कहीं ना कहीं से, सेंटर से, इधर से उधर से, साल में दो तीन करोड़ रुपये कमाता था। इस बार चुनाव के चक्कर में १०० से ४०० करोड़ रुपये कमाने का शौक था। पैसे के लालच में इस बार ७०० करोड़ रुपये का काम उठा लिया। इस साल संजीव ने ७०० से ज्यादा काम किए। यानी ७०० स्टूडेंट्स को ४० लाख से गुणा कर लीजिए, सारी कमाई पता चल जाएगी।

पुलिस वाले ने बताया कि संजीव और उनका बेटा दोनों पेपर लीक का ही धंधा करते रहे हैं। बाप बेटे पहले बिहार स्तर पर पेपर लीक करते रहे हैं, अब पूरे भारत लेवल पर करने लगा है। पहली बार बीपीएससी का पेपर लीक हुआ था, इसमें भी शामिल रहा।

हुआ यह कि जिस गाड़ी से पेपर जा रहा था, उसी गाड़ी को पकड़ लिया था। चलती गाड़ी में पेपर बदल दिया। उस गाड़ी के साथ ही इन लोगों ने खेल कर दिया। गाड़ी में पेपर बदल दिया गया, पेपर पूरी तरह से सील था, लेकिन बाप-बेटे इस काम में एक्सपर्ट हैं इसलिए पेपर बदल लिया।

पेपर लीक का नेटवर्क कितना मजबूत है, इसबारे में बिजेंद्र गुप्ता ने बताया,लीक ये लोग करते हैं, बहुत तरीके का है। सरकार स्ट्रॉन्ग रूम बनाती है, प्रिंटिंग प्रेस हो गया। बिजेंद्र ने बताया कि इस देश के सबसे बड़े पेपर माफिया बेदी राम का नाम सुना होगा आप लोगों ने, जौनपुर कांड वहीं ही किए थे।

1 करोड़ जुर्माना, उम्रकैद और कंपनी ब्लैक लिस्ट

लखनऊ (एर्जेसी): योगी सरकार ने यूपी में सिपाही भर्ती परीक्षा और आरओ-एआरओ परीक्षा में हुए पेपर लीक को देखते हुए दोषियों के खिलाफ कड़े एक्शन की तैयारी कर ली है.

योगी सरकार उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश २०२४ लेकर आएगी. इसके तहत पेपर लीक में दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास तक और एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा. इस प्रस्ताव को योगी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है. वहीं, पेपर लीक या अन्य कारणों से परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाले खर्च की भरपाई सॉल्वर गैंग से वसूली कर की जाएगी. साथ ही परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली कंपनियों और सेवा प्रदाताओं को हमेशा के लिए ब्लैक लिस्ट किया जाएगा.

सीएम योगी आदित्यनाथ ने नकल माफिया के खिलाफ शिकंजा कसने के लिए कड़े कानून को लाने का संदेश लोकसभा चुनाव के दौरान ही दे दिया था. दरअसल सूबे में सिपाही भर्ती से लेकर आरओ-एआरओ तक कई परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं. जिसके चलते पूरी परीक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े हुए थे. सीएम योगी ने इसे गंभीरता से लेते हुए कानून बनाने के निर्देश दिए थे.

पेपर लीक होने के चलते १८ फरवरी और १९ फरवरी को आयोजित हुई सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा को रद्द करना पड़ा था. इसमें करीब ४८ लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे. इसके अलावा आरओ/एआरओ की प्री परीक्षा को निरस्त कर दिया गया. पेपर लीक को लेकर अभ्यर्थी खासे नाराज थे.

जिसके बार सीएम योगी ने फुल प्रूफ परीक्षा कराने के लिए उचित व्यवस्था और कड़े कानून बनाने के निर्देश दिए थे.

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
कम्बाइंड बिल्डींग, ओल्ड चास कोट एरिया, बोकारो

ई- अति-अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई-पुनर्निविदा संख्या :- 35/RII/2023-24/RWD/EE/BOKARO दिनांक – 25.06.2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, बोकारो द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	RWD/EE/ BOKARO/ DMFT / 03/2023-24	गोमिया प्रखंड अन्तर्गत पंचायत गोमिया बस्ती में हनुमान मंदिर से बगंलाटांड होते हुए ओ0एन0जी0सी0 प्लांट तक पी0सी0 सी0 पथ निर्माण (लम्बाई- 1.050 कि0मी0)	46,46,000.00	छियालीस लाख छियालीस हजार रू0 मात्र	6 माह	तृतीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :- 29.06.2024
3. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :- 06.07.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 08.07.2024 अपराह्न 03.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, बोकारो, कम्बाइंड बिल्डींग, सिविल एस0डी0ओ0, ऑफिस ओल्ड चास कोट एरिया, चास बोकारो, झारखंड, पिन- 827013
6. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0- 9431060119

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, बोकारो।

PR.NO.327618 Rural Work Department(24-25):D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो।
(जिला भू-अर्जन शाखा)
ई-मेल :- landacquisition.bokaro@gmail.com

-:: आदेश ::-

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रामगढ़ के परियोजना भारतमाला फेज-2 (वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस वे) के लिए भूमि अर्जन के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं है तथा वैसे पंचाटी जिन्होने अभी तक मुआवजा प्राप्त नहीं किया है एवं मुआवजा हेतु दावा/आवदेन समर्पित नहीं किया है, संबंधी दावा/आवेदन तथा आवश्यक कागजात प्राप्त करने हेतु कसमार अंचल अन्तर्गत निम्न् कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करते हुए कैम्प का आयोजन किया जाता है :-

क्र0 सं0	संबंधित अमीन का नाम	निर्धारित तिथि एवं समय	अंचल का नाम	मौजा का नाम	स्थल
01.	1. श्री अनोज कुमार 2. श्री शरत चन्द्र महतो	27.06.2024 10:00 बजे पूर्वाह्न	कसमार	बगियारी	आंगनबाड़ी केन्द्र, मुस्लिम टोला
02.		28.06.2024 10:00 बजे पूर्वाह्न		बरईकला	पंचायत भवन, बरईकला
03.		29.06.2024 10:00 बजे पूर्वाह्न		जामकुदर	आंगनबाड़ी केन्द्र, जामकुदर

श्री फुलेश्वर साव, कानूनगो, जिला भू-अर्जन कार्यालय, बोकारो को निदेश दिया जाता है कि निर्धारित सभी कैम्पों में सतत् निगरानी एवं पर्यवेक्षण करना सुनिश्चित करेंगे।

सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों को निदेश दिया जाता है कि उक्त कैम्प में ससमय उपस्थित रहकर रैयतों से अर्जित भूमि से संबंधित कागजातों के साथ दावा/आवेदन प्राप्त करेंगे तथा प्राप्त दावा/आवेदनों पर आवश्यक जाँच उपरान्त भुगतान हेतु अनुशंसा कर कार्यालय में दूसरे दिन ही समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी,
बोकारो।

PR.NO.327602 Land Reforms(24-25):D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो
(आपूर्ति शाखा)
Email ID - dso.bokaro@gmail.com

अल्पकालीन निविदा

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड सरकार के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष **2024-25** के लिए बोकारो जिला में संचालित सरकारी दाल-भात केन्द्रों में चावल, चना एवं सोयाबीन बड़ी की आपूर्ति किए जाने हेतु थोक अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/वाणिज्य कर विभाग से पंजीकृत थोक विक्रेता/कल्याण विभाग के आवासीय विद्यालय/कस्तूरबा गाँधी विद्यालय एवं मंडल कारा संस्थानों के आपूर्तिकर्त्ताओं से **"अल्पकालीन निविदा"** आमंत्रित की जाती है।

स्वीकृत निविदा दाता को **"जिला निविदा समिति"** द्वारा निर्धारित शर्त का अनुपालन करना होगा। दिनांक-**09.07.2024** को **1.00** बजे अपराह्न तक जिला आपूर्ति कार्यालय, बोकारो में मुहर बन्द निविदा लिफाफा जमा करना होगा एवं उसी दिन **4.00** बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे निविदा खोला जाएगा। निविदा खोलते समय निविदादाता या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति अपेक्षित है। निविदादाता को तकनीकी निविदा एवं वित्तीय निविदा के दो मुहरबंद सील लिफाफों को भर कर एक साथ एक "मुहरबंद सील लिफाफा" में जमा करना होगा। तकनीकी निविदा की शर्तो को पूरा करने के उपरान्त ही वित्तीय निविदा खोला जाएगा।

निविदादाता को **2,00,000.00** (दो लाख) रुपये का राष्ट्रीयकृत बैंक का ड्राफ्ट **"DISTRICT SUPPLY OFFICER, BOKARO"** के पदनाम पर सुरक्षित जमा देना होगा, जो बोकारो में भुगतेय हो। इसके अतिरिक्त निविदादाता को निम्नलिखित प्रमाण पत्र यथा :-

(i) अद्यतन चरित्र प्रमाण पत्र (उपायुक्त/पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्गत)
(ii) वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 आयकर रिटर्न एवं GST No. संलग्न करना होगा।
(iii) झारखण्ड राज्य के निवासी होने का प्रमाण पत्र (अनुमण्डल पदाधिकारी स्तर से) जो, एक वर्ष के अन्दर निर्गत हो।
(iv) न्यूनतम 20,00,000.00 (बीस लाख) रूपये का Annual Turnover (वित्तीय वर्ष 2023-24) का कागजात (अंकेक्षण किया हुआ) जमा करना होगा।
(v) काली सूची में नाम दर्ज न होने तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम (7-EC) के अन्तर्गत कोई मुकदमा/प्राथमिकी दर्ज नही होने का भापथ पत्र।

सभी निविदादाता को चावल, चना एवं सोयाबीन बड़ी का सीलबन्द नमूना प्रस्तुत करना होगा। किसी भी निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

निविदा स्वीकृत होने पर निविदादाता को **31 मार्च 2025** तक कार्य करना अनिवार्य होगा। बीच में काम रोके जाने या काम छोड़ने पर उनके द्वारा सुरक्षित जमा राशि कार्यालय में लम्बित सभी प्रकार के विपत्र/राशि को भी जब्त कर लिया जाएगा। निविदा से संबंधित शर्ते www.bokaro.nic.in पर देखी जा सकती है। विस्तृत जानकारी (www.jharkhand tender.gov.in) वेबसाईट/कार्यालय सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

उपायुक्त,
बोकारो

PR 327598 Food Public Distribution and Consumer Affairs(24-25)#D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल,गिरिडीह प्रपत्र संख्या-01

अल्पकालीन पुर्न ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-**03/F2/2024-25/WRD/M.I.Division,Giridih** दिनांक- 25.06.2024

प्रमण्डल का नाम :- लघु सिंचाई प्रमण्डल, गिरिडीह
विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गिरिडीह

क्र0 सं0	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	वेबसाइट में ई-निविदा प्रकाशन की तिथि	वेबसाइट में ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	ई-निविदा खोलने की तिथि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता	ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का संपर्क नम्बर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	ग्राम - घाटाडीह में जमींदारी बाँध योजना का जीर्णोद्धार	पीरटांड	1,23,29,202.56	247000.00	10000.00	27.06.2024 (पूर्वाहन 10:30 बजे से)	11.07.2024 (अपराहन 05:00 बजे तक)	12.07.2024 (अपराहन 05:00 बजे)	12 माह	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल,गिरिडीह	7004373197 10:00 AM TO 05:00 PM

नोट:-1. केवल ई-निविदा स्वीकार किया जायेगा। 2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी। 3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी, अगर खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी। 4. प्राक्कलित राशि घट/बढ सकती है। 5. राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश/परिपत्र निविदा में लागू रहेंगे। 6. विस्तृत जानकारी के लिए बेवसाई **https://www.jharkhandtenders.gov.in** पर लॉगईन किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
लघु सिंचाई प्रमण्डल,गिरिडीह

PR.NO.327666 Water Resource(24-25):D

झारखण्ड सरकार,
पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) का कार्यालय, धनबाद।
दूरभाष:-9263854001, Email:-dnbdysp-traffic@jhpolice.gov.in

सूचना

दिनांक-26.06.2024 को माननीय मुख्यमंत्री महोदय, झारखण्ड सरकार के धनबाद जिला में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सुगम यातायात प्रवाह हेतु धनबाद शहर के यातायात मार्ग में निम्न परिवर्तन किया जा रहा है जो दिनांक-26.06.2024 को सुबह 10:00 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रहेगा।

1. मेमको मोड से कुर्मीडीह चौक जाने वाली मार्ग में दोनों तरफ से **NO ENTRY** रहेगा।

नोट:- (I) कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्ति/लाभार्थी अपने वाहनों (चार पहिया/बस) को मेमको मोड़ चेक पोस्ट से गोलबिल्डिंग चेक पोस्ट तक बने सर्विस लेन में पार्किंग करेंगे।
(II) जिनका घर या प्रतिश्ठान मेमको मोड़ से कुर्मीडीह चौक के बीच है वे उचित पहचान एवं जाँच के बाद अपने घर या प्रतिश्ठान जा सकेंगे।

यात्री बसों का वैकल्पिक मार्ग:-

इस दौरान यात्री बसों के परिचालन हेतु निम्न मार्ग निर्धारित की गई है:-

(I) धनबाद—बोकारो—राँची/राँची—बोकारो—धनबाद मार्ग से परिचालित होने वाले यात्री वाहन हेतु निम्न रूप से मार्ग का निर्धारण किया जाता है।
करकेन्द्र मोड़ ⇋ राजू यादव स्मारक (लोयाबाद बाजार) ⇋ सिजूआ नया मोड़ ⇋ पाण्डेयडीह ⇋ तेतुलमारी थाना ⇋ शहीद शक्तिनाथ चौक ⇋ बिनोद बिहारी महतो चौक ⇋ कुर्मीडीह चौक ⇋ निरंकारी चौक ⇋ मेमको मोड़ ⇋ बरटांड बस स्टैंड तक।

(II) सिन्दरी-झरिया होते हुए धनबाद आने वाली सभी यात्री वाहन हेतु निम्न रूप से मार्ग का निर्धारण किया जाता है-
इन्दिरा चौक झरिया ⇋ कतरास मोड ⇋ केन्दुआ ⇋ करकेन्द्र मोड़/करकेन्द्र मोड उपरांत राँची—बोकारो—धनबाद मार्ग।

(III) तोपचाँची होते हुए धनबाद आने वाली सभी यात्री वाहन हेतु निम्न रूप से मार्ग का निर्धारण किया जाता है-
किसान चौक ⇋ निरंकारी चौक ⇋ मेमको मोड़ ⇋ बरटांड बस स्टैंड तक।

(IV) गोविन्दपुर होते हुए धनबाद आने वाली सभी यात्री वाहन हेतु निम्न रूप से मार्ग का निर्धारण किया जाता है-
धनबाद मोड़ (गोविन्दपुर) ⇋ गोल बिल्डिंग ⇋ मेमको मोड़ ⇋ बरटांड बस स्टैंड तक।

पुलिस उपाधीक्षक(यातायात),
धनबाद।

PR 327671 Police(24-25)D

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत/परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: ई निविदा सं. : GEM/2024/B/5075093 Dt. 21.06.2024, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद मंडल के अंतर्गत सभी क्रू लॉबी में फोग सेफ डिवाइस (पफ. एस. डी.) के रख रखाव एवं मरम्मत हेतु। कार्य समापन की अवधि – 01 वर्ष। 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹33,53,933/-, 3. अग्रधन राशि : ₹67,100/-, 4. ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई-निविदा बंद होना : 12.07.2024 को 16:00 बजे। ई-निविदा का खुलना : 12.07.2024 को 16.30 बजे। 5. वेबसाईट का विवरण: वेबसाइट www.gem.gov.in विशेष : ई-निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परि.)/
पूमरे/धनबाद

पीआर/00551/डीएचएन/ईओपीएन/टी/24-25/28

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल,गिरिडीह प्रपत्र संख्या-01

अल्पकालीन पुर्न ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-**03/F2/2024-25/WRD/M.I.Division,Giridih** दिनांक- 25.06.2024

प्रमण्डल का नाम :- लघु सिंचाई प्रमण्डल, गिरिडीह
विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गिरिडीह

क्र0 सं0	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	वेबसाइट में ई-निविदा प्रकाशन की तिथि	वेबसाइट में ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	ई-निविदा खोलने की तिथि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता	ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का संपर्क नम्बर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	ग्राम - घाटाडीह में जमींदारी बाँध योजना का जीर्णोद्धार	पीरटांड	1,23,29,202.56	247000.00	10000.00	27.06.2024 (पूर्वाहन 10:30 बजे से)	11.07.2024 (अपराहन 05:00 बजे तक)	12.07.2024 (अपराहन 05:00 बजे)	12 माह	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल,गिरिडीह	7004373197 10:00 AM TO 05:00 PM

नोट:-1. केवल ई-निविदा स्वीकार किया जायेगा। 2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी। 3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी, अगर खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी। 4. प्राक्कलित राशि घट/बढ सकती है। 5. राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश/परिपत्र निविदा में लागू रहेंगे। 6. विस्तृत जानकारी के लिए बेवसाई **https://www.jharkhandtenders.gov.in** पर लॉगईन किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
लघु सिंचाई प्रमण्डल,गिरिडीह

PR.NO.327666 Water Resource(24-25):D

गरीब और वंचित परिवारों को गैस सिलिंडर में मिलेगी सब्सिडी : चंपाई सोरेन

रांची (ससे): राज्य के गरीब और वंचित परिवारों को किफायती दर पर गैस सिलिंडर चंपाई सरकार देगी. सरकार घेरलू गैस सिलिंडर में सब्सिडी देगी. इसके लिए मुख्यमंत्री ने रसोई गैस सब्सिडी योजना के लाभुकों के चयन का मानक यथाशीघ्र तय करने का निर्देश अधिकारियों को दिया.यह निर्देश उन्होंने मंगलवार को खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में दी.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह एक अति महत्वपूर्ण योजना है. जिसका मकसद गरीब और वंचित परिवारों को किफायती दर पर गैस सिलेंडर देना है, ताकि वे इसका नियमित इस्तेमाल कर सकें.

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना का दायरा बढ़ाने की पहल करें. इसके तहत हरा राशन कार्ड जारी करने का जो निर्धारित लक्ष्य है, उसमें बढ़ोतरी की जाए. नए लाभुकों को इस योजना से जोड़ने की दिशा में शीघ्रता से कदम उठाएं.

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो पहिया वाहनों के लिए पेट्रोल क्रय पर अनुदान हेतु मुख्यमंत्री सपोर्ट योजना योजना की शुरुआत हुई थी. लेकिन, इस योजना का बेहतर परिणाम देखने को नहीं मिला है. ऐसे में इस योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभुक लाभ लेने के लिए आगे आएं, इसके गाइडलाइन और स्वरूप में बदलाव लाने की जरूरत है. अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने इस योजना के गाइडलाइन को सरल बनाने का निर्देश दिया, ताकि यह योजना सार्थक साबित हो.

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों को मात्र पांच रुपये में एक वक़्त का भोजन उपलब्ध कराने के लिए शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में कई दाल भात केंद्र संचालित हैं. उन्होंने इन दाल- भात केंद्रों को सुदृढ़ बनाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि इसे साफ-स्वच्छ और सुंदर रखने के लिए समुचित कदम उठाए जाएं. राज्य सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा गरीब लोग इन केंद्रों में भोजन कर सकें. मुख्यमंत्री ने कहा कि सोना -सोबरन धोती -साड़ी वितरण योजना के तहत दिए जाने वाले धोती /लूंगी और साड़ी की क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे लाभुकों को धोती /लूंगी और साड़ी को पैकेट में उपलब्ध कराएं.बैठक में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, विभाग के सचिव अमिताभ कौशल, ओएसडी सतीश चंद्र चौधरी, संयुक्त सचिव दीपक कुमार, जेएसएफसी के प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार, निदेशक खाद्य उपभोक्ता मामले दिलीप तिर्की और नियंत्रक विधिक माप तौल विज्ञान कृष्ण चंद्र चौधरी आदि मौजूद थे.

श्रीराम मंदिर के गर्भ गृह से पानी टपकना भाजपा का आस्था का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार : सुप्रियो

रांची (एजेंसी): अयोध्या के श्री राम मंदिर के गर्भ गृह से पहली ही बरसात में पानी टकपना भाजपा का आस्था का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार है. यह बात हम नहीं कर रहे हैं .मंदिर के मुख्य आचार्य महंत शैलेंद्र दास जी ने देश को बताया रामपथ पहली बारिश में बह गया. रेलवे स्टेशन की चहारदीवारी भी गिरने लगे हैं. अभी तो यह मानसून ठीक से आया भी नहीं है. पूरा मानसून बाकी है. सोचिए क्या आगे क्या होगा. यह उस अवतार पुरुष के लिए सबक है जो खुद कहते हैं कि मैं बॉयोलिजिकल पैदा नहीं हुआ, जो यह कहते थे कि वह कहीं भी भगवान श्री राम को ले जा सकते हैं, उनकी जिद के कारण एक अर्धनिर्मित मंदिर का केवल और केवल चुनावी फायदे के लिए कर प्राण प्रतिष्ठा कर उदघाटन करा दिया गया.

उस समय भी शंकरचार्य ने इसका विरोध किया था मगर अवतार पुरुष ने किसी की नही सुनी और परिणाम सामने आने लगा है. अब इस भाजपा के इस आस्था के भ्रष्टाचार पर बाबूलाल जी को खुद को कुछ बोलना चाहिए और अपने राष्ट्रीय नेताओं को भी उपदेश देना चाहिए. यह बातें झामुमो के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी ऑफिस में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

उन्होंने कहा कि यह देश एवं विश्व के सच्चे राम भक्तों का अपमान है. हम भगवान श्री राम को भीगने नहीं देंगे. जरूरत पड़ी तो हम कार सेवा देने को भी तैयार हैं. जिस प्रकार से मंदिर निर्माण के लिए जमीन खरीद में अनियमितता, मंदिर निर्माण में अनियमितता, गुजरात लॉबी का हावी रहना के मामले हुए हैं. अब प्रभु श्री राम ने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है. पहले भाजपा को अध्योध्या सहित आसपास के सभी सीटें हारनी पड़ी, इतना ही नहीं लंका दहन के समय प्रभु श्री राम जिस-जिस मार्ग से गए, वहां भी भाजपा को मुंह की खानी पड़ी है. इससे यह साबित होता है कि भाजपा को आस्था के साथ खिलावाड़ अब महंगा पड़ने लगा है.

भट्टाचार्य ने कहा कि आज कल भाजपा के जो लोग झारखंड घूमने आते हैं, भ्रष्टाचार-भ्रष्टाचार बोलते हैं. हम याद दिला दें कि इस राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के कार्यकाल में कोदाई बांध उदघाटन के पहले ही बह गये थे. फिर रघुवर राज में कोनार डैम को चूहे कुतर गये थे. मोमेटम झारखंड का घोटाला भी रघुवर राज में हुआ. बिहार में सात दिन में तीन पुल बह गए. हरमू नदी को नाला भी भाजपा के शासन काल में बनाया गया. इस तरह से भाजपा-एनडीए राज में घोटालों का लंबी फेहरिस्त है. समय आने पर उसे जारी किया जाएगा. इसी तरह से जब केंद्र जब जी-२० समिट हो रहा था तो ऐसे पेश किया गया लगा कि भारत को पहली बार किसी आयोजन की मेजबानी मिली है. आयोजन के पहले कई चीजें ढंग दी गयी, मगर आयोजन खत्म होते ही दिल्ली का तैयार किया गया भारत मंडप बह गया.

सुप्रियो ने कहा कि देश में मोदी जी के आने के बाद संसदीय परंपराएं तार-तार की गयी. पहली बार उप सभापति पद विपक्ष को नहीं मिला. इस बार भी वही होने जा रहा है. पहली बार २०१९ में १६० सांसदों को सस्पेंड किया गया जिसमें केवल राज्यसभा से ६८ सांसद शामिल थे. संसद की कार्यवाही म्यूट की गयी. टीवी का फोकस का एंगल बदला गया. निवर्तमान स्पीकर का आचरण असंसदीय रहा. इसलिए विपक्ष अपना उपसभापति चाहता था. जब बात नहीं मानी गयी तब विपक्ष को अपना प्रत्याशी उतारना पड़ा. इसलिए पहली बार देश में स्पीकर के लिए वोटिंग होगी.

साजिद, रमजान और अजमत अंसारी को आजीवन कारावास की सजा

रांची (एजेंसी): रांची सिविल कोर्ट ने हत्या के तीन दोषियों मो.साजिद, रमजान अंसारी और अजमत अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही कोर्ट ने सभी दोषियों पर तीस-तीस हजार का जुर्माना भी लगाया है. सिविल कोर्ट के अपर न्यायुक्त सचिंद्र बिरुआ की कोर्ट ने दोषियों के खिलाफ सजा सुनायी है. तीनों दोषियों ने वर्ष २०१९ में मंगरू पाहन की चाकू मारकर हत्या की थी. मंगरू के परिजनों के बयान के आधार पर अरगोड़ा थाना में कांड संख्या २०५/२०१९ दर्ज करायी गयी थी. दोषियों के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने १२ गवाह पेश किये.

खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मिले संजय सेठ सांसद खेल महोत्सव के लिए किया आमंत्रित

रांची (एजेंसी): रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय श्रम, रोजगार एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की. श्री सेठ ने उन्हें २०,२१ व २२ सितंबर को रांची में आयोजित होने वाले सांसद खेल महोत्सव के उद्घाटन सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया. बताते चलें कि २०२३ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से रांची में भव्य सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें रांची लोकसभा के अंतर्गत ६ विधानसभा क्षेत्र के लगभग १० हजार से अधिक खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया था.

सांसद खेल महोत्सव का आयोजन झारखंड ओलंपिक संघ की देखरेख में आयोजित किया जायेगा, जहां देश के प्रतिष्ठित कोच उपलब्ध रहते हैं जो प्रतिभाशाली बच्चों की प्रतिभा का चयन कर उन्हें राज्य और देश के लिए खेलने को तैयार करते हैं. केंद्रीय मंत्री सेठ की इस पहल पर पिछली बार सैकड़ों बच्चों की प्रतिभा सामने आयी थी. आज वह बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं. इसी सोच के साथ २०२४ में भी सांसद खेल महोत्सव का आयोजन २०,२१,२२,सितंबर को रांची में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें एथलेटिक्स, बुशु, फेर्निशिंग, रेसलिंग, कबड्डी, महिला हॉकी, महिला क्रिकेट, योगा, तीरंदाजी, मलखव, वॉलीबॉल, ताइक्वांडो, महिला फुटबॉल सहित अन्य खेलों को शामिल किया गया है.

रातू थाना के सब इंस्पेक्टर को एसीबी ने 35 हजार घूस लेते किया गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई लगातार जारी है. इसी क्रम में मंगलवार को एसीबी की रांची ब्रांच की टीम ने रातू थाना के सब इंस्पेक्टर को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया. एसीबी की टीम ने सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह को ३५ हजार घूस लेते गिरफ्तार किया. बताया जा रहा है कि सत्येंद्र सिंह ने केस डायरी मैनेज करने के नाम पर घूस की मांग की थी. हालांकि वादी घूस देने को तैयार नहीं था. जिसके बाद उसने इसकी शिकायत एसीबी से की. एसीबी ने पूरे मामले का सत्यापन कराया. सत्यापन में एसीबी ने घूस मांगे जाने की बात सही पायी. इसके बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए सब इंस्पेक्टर को रंगे हाथ घूस लेते गिरफ्तार कर लिया.

बाईचुंग भूटिया ने लिया चुनावी राजनीति से भी सन्यास

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय फुटबॉल आइकन बाईचुंग भूटिया ने चुनावी राजनीति को अलविदा कह दिया है। भूटिया ने एक प्रेस बयान में कहा, २०२४ के चुनाव परिणामों के बाद मुझे एहसास हुआ है कि चुनावी राजनीति मेरे लिए बिल्कुल नहीं है। इसलिए मैं तत्काल प्रभाव से सभी प्रकार की चुनावी राजनीति छोड़ रहा हूं।

हमरो सिक्किम पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने इस साल की शुरुआत में अपनी पार्टी का सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट में विलय कर दिया था और एसडीएफ के टिकट पर बारफुंग से चुनाव लड़ा था। वह मात्र ४३४६ वोटों के अंतर से हार गए थे।

भूटिया ने अफसोस जताया, मेरा एकमात्र अफसोस यह है कि मुझे लगा कि मेरे पास खेल और पर्यटन के विकास के संबंध में बहुत अच्छे विचार थे, जिन्हें अगर मौका मिलता, तो मैं उन्हें लागू करना पसंद करता और इस तरह बहुत ईमानदारी से राज्य के विकास में योगदान देता। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका। मुझे यकीन है कि ऐसा करने के लिए बेहतर विचार रखने वाले और भी लोग होंगे।

भूटिया ने मंच पर सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह गोले को २०२४ सिक्किम विधानसभा चुनाव जीतने के लिए बधाई भी दी। उन्होंने साझा किया, सिक्किम के लोगों ने उन्हें एक शानदार जनादेश दिया है और मुझे उम्मीद है कि एसकेएम सरकार अपने वादों को पूरा करने और सिक्किम को सभी क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए काम करेगी।

भूटिया ने कहा, मैं केवल पूरी ईमानदारी और विनम्रता के साथ कह सकता हूं कि राजनीति में मेरा इरादा राज्य और देश दोनों के लोगों के लिए अच्छा करना था। उन्होंने उन लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनका समर्थन किया, और अगर उन्होंने जाने-अनजाने में किसी को ठेस पहुंचाई तो दुख व्यक्त किया। बाईचुंग ने कहा, जैसा कि हम फुटबॉल में कहते हैं, कृपया इसे खेल की भावना से लें। मैं अब आत्मनिरीक्षण करने, अपने अन्य लक्ष्यों की दिशा में काम करने और अपने उद्देश्य को नए सिरे से खोजने के लिए अधिक समय देना चाहता हूं।

राशन ना बांटने से नाराज लोगों ने महिला डीलर को चप्पलों की माला पहना गांव में घुमाया

दुमका (ईएमएस): झारखंड के दुमका में एक शर्मनाक घटना घटी। यहां एक गांव के लोगों ने एक सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की महिला डीलर को चप्पलों की माला पहनाकर गांव में घुमाया गया। डीलर पर आरोप लगाया है कि वह कई महीनों से राशन का वितरण नहीं कर रहा था। पुलिस के मुताबिक घटना दुमका जिले के गोपोकांदर थाना क्षेत्र के मधुबन गांव में की है। गांव वालों का आरोप है कि महिला पीडीएस डीलर कई महीनों से राशन नहीं बांट रही थी। गुस्साए लोगों ने डीलर को चप्पलों की माला पहनाकर गांव में घुमाया। गांव वालों के मुताबिक पिछले चार महीने से पीडीएस के जरिए मिलने वाला राशन नहीं दिया जा रहा था। गोपोकांदर थाना प्रभारी रंजीत मंडल ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के तहत गोविंदपुर-साहेबगंज राज्य राजमार्ग को आधे घंटे से अधिक समय तक जाम रखा गया। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों को राशन बांटने का आश्वासन देकर विरोध प्रदर्शन खत्म करवाया और जाम हटाकर यातायात चालू करवाया गया।

बीडीओ गौतम मोदी ने बताया कि जांच में पता चला है कि डीलर ने मई में सिर्फ ६० फीसदी और जून में सात फीसदी राशन बांटा था। जिला आपूर्ति पदाधिकारी विशाल कुमार ने बताया कि उन्होंने बीडीओ को २५ जून को राशन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। हाल ही में चप्पल पहनाकर सड़क पर घुमाने का एक मामला यूपी के कौशांबी में भी सामने आया था। यहां एक शख्स ने महिला से फोन पर अश्लील बातें की थी, जिसे लोगों ने पकड़कर जूते-चप्पलों की माला पहनाई और पीट-पीटकर पूरे गांव में घुमाया था।

पृष्ठ एक का शेषांश

अमरनाथ यात्रा पर मंडराया---

उन्होंने सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने तथा राष्ट्र विरोधी तत्वों (एएनई) एवं आतंकवादी सहयोगियों पर क्रियाशील बुद्धि का इस्तेमाल कर जांच करने पर जोर दिया। आईजीपी ने किसी भी संभावित खतरे के लिए समन्वय और समय पर प्रतिक्रिया के महत्व पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों से अपने कर्तव्यों में सतर्क तथा सक्रिय रहने का आग्रह किया।

बैठक में मध्य कश्मीर रेंज के डीआइजी, उत्तरी कश्मीर रेंज के डीआइजी, दक्षिण कश्मीर रेंज के डीआइजी, कश्मीर जोन के सभी जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), एसएसपी ट्रैफिक सिटी, एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण, एसएसपी सुरक्षा, एसएसपी एपीसीआर, एसपी टेलीकम्युनिकेशन ने भी भाग लिया। शुरुआत में भाग लेने वाले अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से आईजीपी को अपने संबंधित जिलों की विशिष्ट आवश्यकताओं और अमरनाथ यात्रा-२०२४ के सुचारू संचालन के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था सहित सुरक्षा योजना की जानकारी दी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जमीन पर उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एसओपी के आधार पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को सभी रणनीतिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित करके सभी शिविर स्थलों पर मजबूत सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक यात्रा शिविर में पर्याप्त जनशक्ति सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। बैठक का समापन आईजीपी की ओर से यात्रा के लिए एक सुरक्षित, सुचारू और संरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए पुलिस की क्षमताओं पर विश्वास व्यक्त करने के साथ हुआ जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि तीर्थयात्री अपनी आध्यात्मिक यात्रा बड़े उत्साह तथा मन की शांति के साथ कर सकें।

लोकसभा स्पीकर के पद---

लोकसभा में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों को सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से चुना जाता है। साधारण बहुमत से तात्पर्य सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले ५०त्न से अधिक सदस्यों से है। जिस उम्मीदवार को ५० फीसदी से अधिक सांसदों का वोट मिलेगा वह स्पीकर पोस्ट के लिए चुना जाएगा। लोकसभा की ५४२ सीटों में से २९३ सीटें एनडीए के पास हैं। वहीं ५४२ का आधा २७१ होता है। इस तरह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के पास सदन में बहुमत है और उसे अपनी पसंद का अध्यक्ष चुनने में कोई कठिनाई नहीं होने की संभावना है। ७२ साल में तीसरी बार स्पीकर को लेकर चुनाव होने जा रहा है। इससे पहले १९५२, १९७६ में भी स्पीकर को लेकर चुनाव हुआ है। स्वतंत्र भारत में १९५२ में पहली बार स्पीकर को लेकर जीवी मालवणकर और शंकर शांताराम के बीच चुनावी मुकाबला हुआ था। उसके बाद १९७६ में (आपातकाल के दौरान) भी स्पीकर के लिए चुनाव हुआ था। उस समय बालीग्राम भगत बनाम जगन्नाथ राव के बीच चुनाव था। अब २०२४ में तीसरी बार चुनाव होने जा रहा है। अब तक पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति से स्पीकर बनता आया है। इससे पहले एनडीए की तरफ से स्पीकर चुनाव के लिए आम सहमति बनाने की कोशिश की गई और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं से बातचीत की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अलग-अलग नेताओं से मुलाकात की और फोन पर बातचीत की। सूत्रों का कहना था कि स्पीकर के नाम पर विपक्षी दलों के साथ सहमति बनती तो डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष दिया जा सकता है। हालांकि, विपक्ष का कहना है कि डिप्टी स्पीकर पद नहीं दिया जा रहा था, इसलिए बात बिगड़ गई।

नामांकन से पहले राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष के पास स्पीकर के समर्थन के लिए राजनाथ सिंह का फोन आया था। विपक्ष ने साफ कहा है कि हम स्पीकर को समर्थन देंगे, लेकिन विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद मिलना चाहिए। राजनाथ सिंह ने दोबारा फोन करने की बात कही थी, हालांकि अब तक कॉल नहीं आया। राजनाथ सिंह ने संसद के बाहर मीडिया से कहा कि मैंने स्पीकर पद के समर्थन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े से तीन बार फोन पर बातचीत की है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और डीएमके के टी आर बालू राजनाथ से मिले, लेकिन डिप्टी स्पीकर पर जवाब नहीं मिलने के बाद उनके ऑफिस से लौट आए। सिंह के अलावा अमित शाह और जेपी नड्?डा ने भी विपक्ष को मनाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और ललन सिंह ने कांग्रेस पर शर्तें रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार डिप्टी स्पीकर के चुनाव के समय विपक्ष की मांग पर चर्चा करने को तैयार है।

लोकसभा में शपथ के---

दिया है वह बिल्कुल गलत है। यह सदन के नियम के खिलाफ है। रेड्डी ने कहा कि ये भारत में रहकर भारत माता की जय नहीं बोलते। लोगों को समझना चाहिए कि ये देश में रहकर असंवैधानिक काम करते हैं।

बाबूलाल मरांडी ने कहा, आपातकाल देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय, कांग्रेस के डीएनए में भ्रष्टाचार और तानाशाही

रांची (ससे): प्रदेश भाजपा ने आज आपातकाल लगाये जाने के दिन २५ जून को काला दिवस के रूप में मनाया. प्रदेश के सभी २७ सांगठनिक जिलों में गोष्ठी आयोजित कर वक्ताओं ने आपातकाल की चर्चा की तथा देश की नई पीढ़ी को इसे जानने और समझने का आहवान किया. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के डीएनए में तानाशाही और भ्रष्टाचार है. २५ जून १९७५ को इंदिरा गांधी के द्वारा देश में लागू आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक काला अध्याय है. आज लोकतंत्र बचाने, संविधान बचाने का ढोंग, नाटक करने वालों ने भारत से लोकतंत्र को ही समाप्त करने की कोशिश की. ये वही कांग्रेस है जिसने अपने हित में बार बार संविधान में संशोधन किए. तानाशाही रवैया ऐसा कि केवल आपातकाल ही नही लगाया बल्कि अपने शासन का दुरुपयोग करते हुए १०० से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को गिराकर राष्ट्रपति शासन लगाया.

मनमोहन कैबिनेट के निर्णय को चौराहे पर फाड़ने की बात याद दिलाई

मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी संविधान की बात करते हैं. उन्हें अपनी मनमोहन सरकार के कैबिनेट के निर्णय को चौराहे पर फाड़ने की बात याद रखनी चाहिए. उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के द्वारा इंदिरा गांधी ने जनता के साथ क्रूरता की पराकाष्ठा की. प्रेस तक की आजादी छीन ली. कांग्रेस के कुकृत्य के खिलाफ बोलने वालों को जेल में डाल दिया गया. लाखों लोगों पर झूठे मुकदमे लगाये गये. जबरन नसबंदी कराई गई. कांग्रेस का यही चरित्र आज भी है. झूठ फरेब,भ्रष्टाचार ,सदन में हंगामा,असंवैधानिक आचरण,संवैधानिक संस्थाओं की आलोचना ये सब की पुनरावृति कांग्रेस जब भी अवसर आता है करने से नहीं चूकती.

मरांडी ने कहा कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर छटपटा रही है. अब सदन में प्रोटेम स्पीकर पर भी हंगामा कर रही. इनके बयान सिलेक्टिव होते हैं. अपने सहयोगियों पर भी कही समर्थन तो कहीं प्रबल विरोध का नाटक करते हैं. जनता इनके इस चरित्र को समझ चुकी है. इसलिए राहुल गांधी सत्ता में कभी नहीं आ सकते. ये चोर चोर चिल्ला कर अपनी चोरी को छुपाना चाहते हैं. कांग्रेस के इस पाप को जनता के बीच ले जाएं,गांव गांव टोले गलियों घरों तक ले जाएं.

विचार गोष्ठी में आपातकाल के दौरान मीसा कानून के तहत जेल जाने वाले रांची के विधायक सीपी सिंह, पूर्व विधायक राम चंद्र नायक, भगवान प्रसाद, उमाशंकर केडिया, प्रेम मित्तल, राजकुमार गुप्ता, प्रमोद मिश्रा, शिव गोविंद पांडेय, राधेश्याम अग्रवाल, यतींद्र लाल दास, जगन्नाथ महतो एवं भोला नाथ मिश्रा को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम के बाद प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में महानगर कार्यालय,रातू रोड से दुर्गा मंदिर चौक तक काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक मौन जुलूस निकाला गया.

सीपी सिंह: आपातकाल के दिनों की आपबीती बताई एवं कांग्रेस की बर्बरता को बखान किया. उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कभी संविधान को खतरे में डाल दिया था आज वही लोग संविधान लेकर घूम रहें हैं. उन्होंने ऐसे लोगों एवं पार्टियों से सावधान रहने की जरूरत बताई.

नवीन जायसवाल: कांग्रेस की नीतियां हमेशा जनविरोधी रही हैं. कांग्रेस ही देश में लोकतंत्र की सबसे बड़ी दुश्मन है. हमें ऐसी सोच वाली पार्टियों से सावधान रहने की जरूरत है.

संपादकीय

सरकार के एक्शन का कितना होगा असर

पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय स्तर पर कुछ महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं में धांधली, प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने के मसले पर जिस तरह का रोष देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक है। ऐसे हर विवाद के बाद सरकार का यही आश्वासन सामने आता रहा है कि वह मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। मगर वर्षों से यह समस्या बदस्तूर कायम है। अब शुक्रवार को केंद्र सरकार ने जिस कानून को लागू किया है, उसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और कदाचार पर रोक लगाना है।

दरअसल, करीब चार महीने पहले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी मिली थी और अब इसे कानून की शक्ल में लागू किया गया है। इसके प्रावधानों को बेहद सख्त माना जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि अब अलग-अलग स्तर की परीक्षाओं में धांधली पर लगाम लगेगी। हाल में नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने और अन्य गड़बड़ियों से उपजे विवाद के बीच इस कानून को लागू करने के कदम को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौरतलब है कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) आदि द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है। यों परीक्षा में नकल या प्रश्न पत्रों को समय से पहले ही बाहर निकालना पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर इस कानून के पहले कोई धांधली किए जाने या अपराध होने की स्थिति में उससे निपटने के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं था।

अब अगर नकल कराने जैसी अवैध हरकत के आरोप में कोई पकड़ा जाता है, दोषसिद्धि की स्थिति में उसे न्यूनतम तीन से पांच वर्ष तक के कारावास और ऐसे संगठित अपराध में शामिल लोगों को पांच से दस वर्ष तक की जेल की सजा दी जाएगी। इसमें न्यूनतम एक करोड़ रुपए जुर्माने का भी प्रावधान है। हालांकि इस कानून के तहत प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।

यह जगजाहिर हकीकत रही है कि अपराधों पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी अहमियत कई बार दस्तावेजों में सीमित रहती है। उसे वास्तव में लागू करने को लेकर मजबूत इच्छाशक्ति नहीं दिखती है। जबकि सख्ती से अमल को सुनिश्चित किए बिना कोई भी कानून बेमानी रहेगा। सरकार और संबंधित महकमों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि नकल का रोग पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर उस पर नकेल कसने के प्रति उदासीनता के क्या कारण रहे? आखिर किन वजहों से स्कूल-कालेज स्तर की परीक्षाओं में नकल की बीमारी नौकरियों और चिकित्सा या इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं तक में फैल गई?

जबकि पिछले कुछ वर्षों में संवेदनशील परीक्षाओं में आधुनिक और उन्नत तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल बढ़ा है, साइबर क्षेत्र में नित नए प्रयोगों के जरिए भी बहुस्तरीय निगरानी का तंत्र भी मजबूत बनाया गया है। इसके बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर बेहद अहम मानी जाने वाली परीक्षाओं में नकल या प्रश्न-पत्रों के बाहर आने जैसी धांधली को रोकने में सरकार नाकाम रही। अब नया कानून तभी सार्थक साबित हो सकेगा, जब इसे लागू करने को लेकर वास्तव में इच्छाशक्ति दिखाई जाए, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अहम परीक्षाओं में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

सूखते जलाशय और बढ़ती मुश्किलें

शहरी नियोजन की चपेट में आकर बहुत सारे प्राकृतिक जलाशय पहले ही अपना अस्तित्व खो चुके हैं, अब बचेखुचे संरक्षित जलाशयों पर जलवायु परिवर्तन का प्रकोप पड़ना शुरू हो चुका है। केंद्रीय जल आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश के डेढ़ सौ प्रमुख जलाशयों का स्तर घट कर महज इक्कीस फीसद रह गया है। भीषण गर्मी का असर सबसे अधिक दक्षिण भारत के जलाशयों पर देखा गया है, जहां बयालीस जलाशय हैं और उनमें जल की मात्रा घट कर सोलह फीसद तक रह गई है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के दस जलाशयों में उनकी कुल क्षमता का अट्ठाईस फीसद जल रह गया है। यही हाल पूर्वोत्तर के तेईस जलाशयों का है, जिनमें उनकी कुल भंडारण क्षमता का करीब बीस फीसद पानी रह गया है। इसे लेकर जल आयोग की चिंता स्वाभाविक है। पहले ही बरसात कम होने की वजह से इन जलाशयों का पुनर्भरण संतोषजनक स्तर तक नहीं पहुंच पाया था, फिर पहाड़ों पर बर्फ कम गिरने के कारण पहाड़ी इलाकों के जलाशयों में पानी का स्तर लगातार घट रहा है। प्राकृतिक जलाशय अनेक शहरों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने का प्रमुख स्रोत हैं। मगर समुचित रखरखाव और उनके जलस्रोतों का संरक्षण न हो पाने की वजह से उनमें बरसात का पानी भी समुचित रूप में नहीं पहुंच पाता। जलाशयों में बरसात का पानी ऊंचे इलाकों से पहुंचता है, मगर जब वहां बस्तियां बस जाती हैं, तो उनका जलस्रोत बाधित होता है। बहुत सारे जलाशयों का जल स्तर इसलिए भी घट रहा है। दूसरी सबसे बड़ी वजह पिछले कुछ वर्षों से तापमान में लगातार वृद्धि और बरसात का असंतुलित होना भी है। गर्मी की अवधि लंबी होने से पेयजल और दूसरे उपयोग के लिए पानी की खपत बढ़ रही है। ऐसे में जलाशयों का स्तर घटते जाने से उन पर निर्भर शहरों और बस्तियों में जलसंकट बढ़ने की आशंका गहराने लगी है। लंबे समय से सलाह दी जाती रही है कि प्राकृतिक जलाशयों के रखरखाव और उनके जलस्रोतों को अबाध बनाए रखने की योजनाएं बनानी होंगी। बरसात का पानी उन तक पहुंचता रहे और उनमें गाद वगैरह की सफाई होती रहे, तभी उनके पुनर्भरण की संभावना बनेगी।

आज का कार्टून

चंद्रशेखर आजाद की 'चुनौती' की वजह से मायावती को फिर से आकाश को देनी पड़ी जिम्मेदारी?

बसपा के एक नेता ने कहा कि आकाश आनंद को फिर से जिम्मेदारी मिलने के बाद बसपा से बीजेपी की बी टीम होने का टैग हटाने में मदद मिलेगी। साथ ही बसपा के कोर वोट बैंक जाटव और दलित समुदाय के अन्य तबकों के बीच फिर से भरोसा बहाल करने में भी मदद मिलेगी और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद निराश हो चुके हमारे कैडर को भी ऊर्जा मिलेगी। बीएसपी के कई जानकारों का कहना है कि मायावती ने यह फैसला आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को नगीना लोकसभा सीट से जीत मिलने की वजह से लिया है। बसपा 2019 में नगीना लोकसभा सीट से चुनाव जीती थी हालांकि तब उसने चुनाव सपा और आरएलडी के साथ मिलकर लड़ा था। 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा एक भी सीट नहीं जीत सकी और उत्तर प्रदेश में उसका वोट शेयर गिरकर 19.3प्रतिशत से 9.3प्रतिशत हो गया। ऐसा लगता है कि चंद्रशेखर आजाद को दलित और मुस्लिम समुदाय की ओर से मिल रहे समर्थन के बाद ही आकाश आनंद को जल्दी में बहाल करने का फैसला लिया गया है।

लालमनी वर्मा

लोकसभा चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन के कुछ ही हफ्ते बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने रविवार को एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद पर बहाल किया और उन्हें अपना एकमात्र राजनीतिक उत्तराधिकारी भी बताया। मायावती ने पार्टी के नेताओं से अपील की कि वे आकाश आनंद को पहले से ज्यादा सम्मान दें।

मायावती ने आकाश आनंद को 2019 में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया था और पिछले साल दिसंबर में उन्हें अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी भी घोषित किया था। लेकिन पिछले महीने उन्हें हटा दिया था। बीएसपी के नेताओं का कहना है कि उन्हें इस बात का पूरा भरोसा था कि आकाश आनंद को फिर से बहाल किया जाएगा लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि मायावती यह फैसला इतनी जल्दी ले लेंगी।

पार्टी के अंदर कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि मायावती के इस फैसले के पीछे वजह नगीना से चंद्रशेखर आजाद का चुनाव जीतना है। क्योंकि चंद्रशेखर आजाद बहुजन आंदोलन में एक ताकतवर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं।

सवाल यह है कि आकाश आनंद को फिर से बसपा में बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने का क्या मतलब है। खासकर ऐसे वक्त में जब उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने हैं और राज्य में 2027 में विधानसभा के चुनाव भी होने हैं।

7 मई को बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद को हटा दिया था और कहा था कि उन्होंने यह फैसला पार्टी और मूवमेंट के व्यापक हित में लिया है और यह फैसला तब तक प्रभावी रहेगा जब तक आकाश आनंद पूरी तरह परिपक्व नहीं हो जाते।

इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस ने आकाश आनंद के खिलाफ सीतापुर में मुकदमा दर्ज किया था क्योंकि एक भाषण के दौरान आकाश ने बीजेपी सरकार को आतंकवादियों की सरकार कहा था।

नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद ने लोकसभा चुनाव के बीच में ही प्रचार करना बंद कर दिया था और तब मायावती ने अकेले ही पार्टी के प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था।

बसपा को लोकसभा चुनाव में हारे अपने प्रत्याशियों से फीडबैक मिला है कि अगर आकाश आनंद चुनाव प्रचार जारी रखते तो जाटव और मुस्लिम तबके का एक वर्ग लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन का समर्थन नहीं करता।

मायावती ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान मुख्य रूप से सपा और कांग्रेस को निशाने पर रखा था जबकि आकाश आनंद ने बीजेपी को शिक्षा, गरीबी, अर्थव्यवस्था और कानून और व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा था। बीएसपी के नेताओं का कहना है कि आकाश के चुनाव प्रचार से हटने के बाद दलितों और मुसलमानों के बीच यह संदेश गया कि मायावती ने बीजेपी के दबाव के आगे घुटने टेक दिए हैं।

बसपा के एक नेता ने कहा कि आकाश आनंद को फिर से जिम्मेदारी मिलने के बाद बसपा से बीजेपी की बी टीम होने का टैग हटाने में मदद मिलेगी। साथ ही बसपा के कोर वोट बैंक जाटव और दलित समुदाय के अन्य तबकों के बीच फिर से भरोसा बहाल करने में भी मदद मिलेगी और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद निराश हो चुके हमारे कैडर को भी ऊर्जा मिलेगी।

बीएसपी के कई जानकारों का कहना है कि मायावती ने यह फैसला आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को नगीना लोकसभा सीट से जीत मिलने की वजह से लिया है। बसपा 2019 में नगीना लोकसभा सीट से चुनाव जीती थी हालांकि तब उसने चुनाव सपा और आरएलडी के साथ मिलकर लड़ा था।

2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा एक भी सीट नहीं जीत सकी और उत्तर प्रदेश में उसका वोट शेयर गिरकर 19.3प्रतिशत से 9.3प्रतिशत हो गया। ऐसा लगता है कि चंद्रशेखर आजाद को दलित और मुस्लिम समुदाय की ओर से मिल रहे समर्थन के बाद ही आकाश आनंद को जल्दी में बहाल करने का फैसला लिया गया है। चंद्रशेखर आजाद ने इस लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया और नगीना लोकसभा सीट पर 1.53 लाख वोटों से जीत हासिल की। नगीना में बसपा चौथे नंबर पर रही है।

बसपा के एक नेता ने कहा, 'बसपा के पास अब कोई भी लोकसभा सांसद नहीं है और चंद्रशेखर आजाद ही देशभर में घूमते हुए लोकसभा में दलितों और मुसलमानों के मुद्दों को उठाएंगे और इससे चंद्रशेखर आजाद को एक दलित नेता के रूप में उभरने और मायावती का विकल्प बनने में मदद मिलेगी, इससे बसपा और कमजोर होगी। इस नुकसान को रोकने के लिए ही आकाश आनंद का लौटना बेहद जरूरी था।'

लोकसभा चुनाव में बसपा के खराब प्रदर्शन के पीछे किसी लोकप्रिय चेहरे का ना होना भी था। पार्टी में सिर्फ मायावती ही एक बड़ा चेहरा बची हैं जबकि पार्टी के अन्य दलित, ओबीसी और मुस्लिम नेता जैसे- लालजी वर्मा, आर के चौधरी, राजा राम पाल, स्वामी प्रसाद मौर्य, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल राजभर, इंद्रजीत सरोज और बाबू सिंह कुशवाहा दूसरे दलों में जा चुके हैं या उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। जो लोग बसपा में बचे हैं, वे संगठन के काम में लगे हैं या उनकी मायावती या आकाश आनंद जैसी फॉलोइंग नहीं है।

2019 में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने के बाद भी आकाश आनंद की शक्तियां सीमित थी। लोकसभा के चुनाव में टिकट वितरण में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। बसपा के एक नेता ने कहा है कि अब जब 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं तो पार्टी को एक युवा नेता की जरूरत है जो पूरे राज्य का दौरा करे, जिलों में जाकर बैठक ले और जमीन से फीडबैक हासिल कर सके। बसपा के सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद अब उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे अन्य राज्यों में, जहां इस साल के अंत में और 2025 में विधानसभा के चुनाव होने हैं उनका भी दौरा करेंगे।

वायनाड चुनाव प्रियंका के लिए पहली अग्निपरीक्षा

वायनाड से चुनाव लडऩे का फैसला प्रियंका के लिए चुनौतियों और अवसरों का अनूठा समूह प्रस्तुत करता है। एक ओर उन्हें वंशवाद की राजनीति के मुद्दे पर भाजपा के हमलों का सामना करना पड़ सकता है एक बाधा को उन्हें चतुराई और लचीलेपन के साथ पार करना होगा। दूसरी ओर यह उन्हें खुद को साबित करने और एक नए निर्वाचन क्षेत्र से जुडऩे का सुनहरा अवसर देता है, एक ऐसा मौका जिसे उन्हें दृढ़ संकल्प के साथ भुनाना होगा। उत्तरी केरल में स्थित वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में 1.46 मिलियन मतदाता हैं। पिछले 4 चुनावों में इसने लगातार कांग्रेस के एम.पी. चुने हैं, जो पार्टी के लिए एक ठोस समर्थन का संकेत देता है।

कल्याणी शंकर

अटकलबाजी और प्रत्याशा की झड़ी के बीच, कांग्रेस पार्टी ने वायनाड में उपचुनाव में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को मैदान में उतारकर एक रणनीतिक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह सीट उनके भाई राहुल गांधी द्वारा रायबरेली को बरकरार रखने और वायनाड से हटने के फैसले के बाद खाली हुई, दोनों ही सीटों पर उन्होंने जीत हासिल की थी। अगर यह कदम सफल होता है, तो यह प्रियंका, उनकी पार्टी और भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा बदलाव हो सकता है। इसने जनता और राजनीतिक वर्ग के बीच उत्साह और संदेह को जन्म दिया है। जब उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की गई, तो उन्होंने कहा, ''मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने में खुशी हो रही है और मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि लोगों को राहुल गांधी की कमी महसूस न हो। मैंने अपने परिवार की राजनीतिक विरासत और दक्षिण में गांधी परिवार की मौजूदगी को जारी रखने के लिए वायनाड से चुनाव लडऩे का फैसला किया।'' ''मेरी दादी इंदिरा गांधी का वायनाड के लोगों के साथ एक मजबूत संबंध था और मुझे उम्मीद है कि मैं इसे और आगे बढ़ाऊंगी।'' राहुल और उनकी मां सोनिया ने कई वर्षों तक कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व किया और सांसद के रूप में कार्य किया। आगामी वायनाड चुनाव प्रियंका के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी क्योंकि यह उनकी पहली अग्निपरीक्षा होने वाली है। भाजपा समेत पूरा देश उनके प्रदर्शन पर करीब से नजर रखेगा। राजनीतिक परिवार में जन्मी प्रियंका ने अपनी मां के चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया है। 2004 में राजनीति में प्रवेश करने पर उन्होंने अपने भाई के लिए भी प्रचार किया।

2014 और 2019 में ऐसी अफवाहें थीं कि प्रियंका मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं। 2024 के चुनावों से पहले, उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य वंशवाद को लेकर भाजपा की आलोचना का मुकाबला करने के लिए 3 गांधीवादियों को मैदान में उतारने से बचना है। गांधी परिवार ने 2024 के चुनावों को कांग्रेस के लिए एक बेहतरीन अवसर के रूप में देखते हुए अपना विचार बदल दिया। उन्होंने तय किया कि केरल से कांग्रेसी सांसद के रूप में प्रियंका को चुनावी राजनीति में पेश करने का यह सही समय है क्योंकि यह एक सुरक्षित सीट है। अपनी दादी इंदिरा गांधी से मिलती-जुलती प्रियंका 2019 में राजनीति में प्रवेश करने के बाद से ही सुर्खियों में है। वह कांग्रेस पार्टी की महासचिव बनी और पार्टी के प्रचार में अहम भूमिका निभाई। प्रियंका को 2024 के चुनाव में कांग्रेस की संख्या लगभग दोगुनी करने और पार्टी में नई जान फूंकने का श्रेय दिया जाता है।

उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी को प्रभाव छोडऩे में संघर्ष करना पड़ा। 2022 के विधानसभा चुनावों में जब कांग्रेस ने उनके नेतृत्व में खराब प्रदर्शन किया तो उन्हें जवाबदेह नहीं ठहराया गया। हालांकि, हिमाचल प्रदेश में उनके व्यापक प्रचार को राज्य में कांग्रेस पार्टी की हालिया सफलता का श्रेय दिया गया। 2024 में, प्रियंका ने देश भर में पार्टी के प्रचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए लोकसभा चुनाव नहीं लडऩे का फैसला किया। उन्होंने 108 सार्वजनिक बैठकें कीं, रोड शो में भाग लिया और 16 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रचार किया। वायनाड से चुनाव लडऩे का फैसला प्रियंका के लिए चुनौतियों और अवसरों का अनूठा समूह प्रस्तुत करता है। एक ओर उन्हें वंशवाद की राजनीति के मुद्दे पर भाजपा के हमलों का सामना करना पड़ सकता है एक बाधा को उन्हें चतुराई और लचीलेपन के साथ पार करना होगा। दूसरी ओर यह उन्हें खुद को साबित करने और एक नए निर्वाचन क्षेत्र से जुडऩे का सुनहरा अवसर देता है, एक ऐसा मौका जिसे उन्हें दृढ़ संकल्प के साथ भुनाना होगा। उत्तरी केरल में स्थित वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में 1.46 मिलियन मतदाता हैं। पिछले 4 चुनावों में इसने लगातार कांग्रेस के एम.पी. चुने हैं, जो पार्टी के लिए एक ठोस समर्थन का संकेत देता है।

निर्वाचन क्षेत्र में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग का भी व्यापक समर्थन है, जिसमें मुस्लिम और ईसाई लगभग 60 प्रतिशत मतदाता हैं। आईयूएमएल प्रियंका का समर्थन करेगी। अगर प्रियंका जीतती हैं, तो गांधी परिवार के तीनों सदस्य भारतीय संसद में होंगे। इससे पार्टी के भीतर परिवार की स्थिति मजबूत हो सकती है, लेकिन विरोधियों के हमले भी जारी रहेंगे। भारतीय राजनीति में केरल में प्रियंका की उम्मीदवारी कांग्रेस पार्टी द्वारा दक्षिण में अपने समर्थन आधार को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम है, जो संभावित रूप से इसकी क्षेत्रीय गतिशीलता को नया आकार देगा। अगर प्रियंका संसद के लिए चुनी जाती हैं, तो उन्हें एक अच्छी सांसद बनने का प्रयास करना चाहिए। इसी तरह, दोनों गांधी भाई-बहनों को संगठन को मजबूत करना चाहिए और पार्टी को उसके पुराने गौरव पर वापस लाना चाहिए। वायनाड राहुल के प्रति वफादार रहा है और प्रियंका का समर्थन करेगा।

हाइपरएक्टिव बच्चा कैसे रखें ख्याल

आधुनिक जीवनशैली का असर बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास की प्रक्रिया पर भी पड़ रहा है। खेल के मैदान का स्थान प्ले स्टेशन ने ले लिया है। शिक्षा से लेकर खेलकूद तक हर क्षेत्र में उन पर प्रतियोगिताओं में आगे निकलने का दबाव पड़ रहा है। खासतौर पर शहरों के एकल परिवारों में माता-पिता यदि दोनों वर्किंग हैं, तो बच्चे अकेलेपन से भी जूझ रहे हैं। इन सब कारणों से बच्चों में चिढ़चिढ़ापन और जल्दी गुस्सा एक आम समस्या हो गई है। आमतौर पर माता-पिता इसे बच्चे की बदतमीजी और नादानी का नाम देकर नजरअंदाज कर देते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं, माता-पिता को बच्चे की गलत आदतों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। उसके कारणों को जानने की कोशिश करनी चाहिए। संभव है कि खेलकूद न कर पाने या स्कूल में कोई विषय न समझ आने के कारण या फिर दोस्तों के बीच झगड़ा व नाराजगी के कारण बच्चा चिढ़चिढ़ा व्यवहार कर रहा हो। माता-पिता की अटेंशन पाने के लिए भी बच्चा छोटी बातों पर गुस्सा होने लगता है।

कैसा रखें अपना व्यवहार

हाइपरएक्टिव बच्चों को ज्यादा से ज्यादा खेलकूद और बाहरी एक्टिविटीज में व्यस्त रखना जरूरी होता है। बच्चे को डांस या आर्ट क्लास में भेज सकते हैं। समय-समय पर उन्हें आउटडोर गेम्स खेलने के लिए बाहर ले जाना भी अच्छा है। इससे बच्चे की अतिरिक्त शारीरिक ऊर्जा व्यय होगी और आत्म अभिव्यक्ति व सामाजिक व्यवहार की समझ भी विकसित होगी। हाइपरएक्टिव बच्चे की हर गतिविधि पर नजर रखना जरूरी है। नियमित रूप से उसकी स्कूल टीचर से मिलते रहें। इससे बच्चे के व्यवहार को समझने में मदद मिलेगी। टीचर को वजह बताते हुए बच्चे को आगे वाली सीट पर बिठाने का अनुरोध भी कर सकते हैं। यदि बच्चे को ब्लैकबोर्ड पर कुछ लिखने के काम या किताबों को दूसरे बच्चों में वितरित करने में व्यस्त रखा जाए तो उनकी हाइपरएक्टिविटी पर काबू पाया जा सकता है।

बच्चा यदि ज्यादा हाइपरएक्टिव है तो बच्चे की मनःस्थिति का विश्लेषण करने के लिए मनोरोग विशेषज्ञ की सलाह लें। हाइपरएक्टिव बच्चों के लक्षण एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिऑर्डर) से काफी मिलते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों में एडीएचडी की समस्या 3-7% तक देखी गई है। इससे न केवल बच्चे के आत्मसम्मान पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि आसपास के लोगों के साथ उनके संबंध भी प्रभावित होते हैं। एडीएचडी एक दिमागी जैविक बीमारी है, जिसका इलाज दवाओं द्वारा किया जा सकता है। ऐसे में बच्चे को विशेष रूप से शिक्षा तथा प्रवृत्ति उपचार दिया जाता है, ताकि बच्चा अपने क्रोध व अतिसक्रियता पर नियंत्रण करना सीख सके।

दूसरों के सामने डांटें नहीं अकेले में समझाएं

आमतौर पर माता-पिता हाइपरएक्टिव बच्चे के स्वभाव को बदतमीजी मानकर बार-बार दोस्तों और रिश्तेदारों के सामने डांटते-फटकारते रहते हैं। लंबे समय तक ऐसा करना बच्चे की मानसिकता, आत्मविश्वास और दोस्तों व रिश्तेदारों के साथ उनके व्यवहार पर नकारात्मक असर डालता है। बच्चे के आसपास ऐसा माहौल बनाने का प्रयास करें, जिससे बच्चा अपनी हाइपरएक्टिविटी से बाहर आ सके। यदि बच्चे को किसी काम से रोकना है तो उसे दूसरों के सामने न डांटकर अकेले में समझाएं।

माना कि आपके पास कई तरह की जिम्मेदारियां और तनाव हैं, पर जरूरी होगा कि अपने गुस्से, चिड़चिड़ापन और चिंताओं पर नियंत्रण रखें। खुद को चिंतामुक्त रखने के लिए बाहर घूमना या अन्य मनोरंजन के तरीके ढूंढें। बच्चे को अपनी चिंताओं के लिए दोष न दें। सकारात्मक वातावरण बनाने का प्रयास करें।

यदि बच्चा छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा, जिद या चिढ़चिढ़ा व्यवहार करता है या हर समय शरारत की स्थिति में रहता है तो उसे डांटें-फटकारें नहीं। उसके व्यवहार की वजह जानकर मानसिक स्थिति को समझें। ऐसे हाइपरएक्टिव बच्चे से कैसें करें व्यवहार

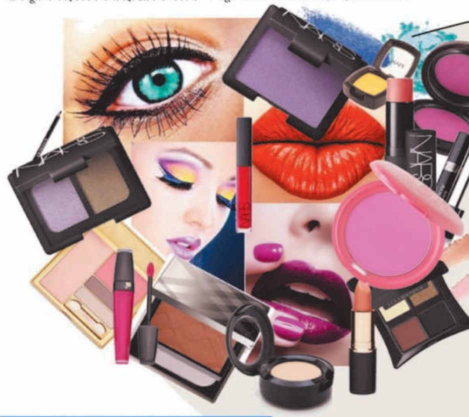

पर्मानेंट मेकअप से बचाएं अपना अनमोल समय

हनीमून कभी न भुलाई जाने वाली एक अनमोल घड़ी है। इस घड़ी में नई-नवेली दुल्हन खूबसूरत भी दिखना चाहती है और हर पल साथ भी रहना चाहती है। लेकिन बार-बार मेकअप करने से ये अनमोल घड़ियां यूं ही बीत सकती हैं। नई दुल्हन मेकअप से समय बचाकर ज्यादा से ज्यादा समय अपने पति के साथ बिता सके, इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मेकअप की एक नई शैली विकसित की गई है, जिसका नाम है पर्मानेंट मेकअप। क्या है इस मेकअप में खास, आइये जानते हैं-

पर्मानेंट आईब्रोज

झआईब्रोज का कलर लाइट होने पर हम आईब्रो पेंसिल के इस्तेमाल से उस कमी को सुधार लेते हैं। लेकिन ये पेंसिल कुछ ही देर तक आपके सौंदर्य को बरकरार रख पाती है। इस कलर को हर पल बरकरार रखने और हनीमून पर अपना बहुमूल्य समय बचाने के लिए पर्मानेंट मेकअप एक उचित समाधान है। इसके अलावा आईब्रोज पतली होने पर या फिर बचपन की किसी चोट के चलते आईब्रो में कट हो जाने पर भी पर्मानेंट आईब्रोज का ऑप्शन बेस्ट है। इसके अंतर्गत मशीन द्वारा एक बार आईब्रो को खूबसूरत शेप व मनचाहे रंग से बना दिया जाता है, जो पसीने या नहाने से खराब नहीं होती और लगभग 15 साल तक टिकती है।

पर्मानेंट आईलाइनर

नई-नवेली दुल्हन अपने मुख से कम और आंखों से ज्यादा बात करती हैं। इन आंखों में कशिश लाने के लिए ही काजल और लाइनर का इस्तेमाल किया जाता है। मगर बार-बार इसे लगाना जहां आप दोनों को एक-दूसरे से दूर करेगा, तो वहीं लेंस व चश्मे का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये दिक्कत का विषय भी हो जाता है। पर्मानेंट आईलाइनर व काजल से आपकी हर एक समस्या सुलझ सकती है।

पर्मानेंट ब्यूटी स्पॉट

सेक्सी लुक की चाहत भला किसे नहीं होती। अपने लुक में भी सेक्सी अंदाज जगाने के लिए आप पर्मानेंट ब्यूटी स्पॉट बनवा सकती हैं।

पर्मानेंट लिप लाइनर

बार-बार लिपलाइनर से अपने लिप्स को शेप देने की बजाय आप पर्मानेंट लिपलाइनर लगवा सकती हैं। इससे लिप्स की शेप 10 से 15 वर्षों तक हर पल सुन्दर बनी रहेगा और इस खूबसूरत शेप को आईने में देखकर आप हर पल मुस्करा उठेंगी।

पर्मानेंट लिपस्टिक

दिन हो या रात, अपने होंठों को हर पल गुलाबी व खूबसूरत बनाए रखने के लिए पर्मानेंट लिपस्टिक लगवा सकती हैं। इससे होंठ तकरीबन 2 साल तक गुलाबी व सुंदर दिखेंगे, साथ ही आपको बार-बार लिपस्टिक लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

पर्मानेंट कलरिंग

यदि आप सफेद दाग या ल्यूकोडर्मा पैचेस की शिकार हैं तो पर्मानेंट कलरिंग की तकनीक आपके लिए किसी रामबाण से कम नहीं। इसके अंतर्गत स्किन से मैच करते कलर को त्वचा की डर्मिस लेयर तक पहुंचाया जाता है, जिससे दाग छुप जाते हैं। पर्मानेंट कलरिंग का असर 2 साल से लेकर 15 साल तक बना रह सकता है।

झटपट बनाएं खाना

ऑफिस से थकी-हारी घर पहुंचीं। कुछ भी करने की हिम्मत नहीं हो रही, फिर भी खाना तो बनाना होगा। घरवालों को हर दिन सुबह का बना खाना रात में गर्म करके खिलाने से तो बेहतर यह है कि फटाफट खाना बनाने की तरकीब विकसित की जाए।

एक महिला जो नौकरीपेशा होने के साथ-साथ पत्नी, मां और बहू की भी भूमिका निभाती है, उसके लिए जरूरी होता है कि अपने परिवार की सेहत का भी ध्यान रखें। सेहत और खान-पान का गहरा रिश्ता है। पर, जब थकीहारी नौकरीपेशा महिलाएं घर पहुंचती हैं, उस समय किचन में जाकर खाना पकाना किसी नौकरी से कम नहीं होता। बस मन करता है कि झटपट कुछ बन जाए।

इस समस्या से निजात पाने के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार के 'रेडी टू ईट' वाले पैकेट आसानी से उपलब्ध हैं। पर हर परिवार के लिए उसे खरीदना संभव नहीं होता। क्योंकि महंगे होने के साथ-साथ उनमें फैट, साल्ट अथवा शुगर की मात्रा ज्यादा होती है। यानी घर का बजट भी बिगड़ेगा और सेहत भी। इससे बेहतर है इंस्टेंट कुकिंग के पैकेट जैसे इडली, रवा, डोसा आदि। अब तो हर वर्ग के लोगों में खान-पान को लेकर जागरुकता बढ़ी है। खाने-पीने का माहौल बदल रहा है। अब भोजन को लेकर लोग सचेत हो रहे हैं। जंक फूड को बाय-बाय करने वाले लोगों की संख्या दिनोंदिन बढ़ रही है। महिलाओं को समझ में आ गया है कि प्रोटीन, विटामिन्स, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, कोलेस्ट्रॉल, एंटीआक्सीडेंट्स, प्रोबायोटिक्स और फूड विटामिन सप्लीमेंट क्या होता है। बाजार में तो हर तरह के उत्पाद मौजूद हैं।

ताकि झटपट बन जाए खाना

सवाल उठता है कि घर में झटपट खाना कैसे बनाया जाए, जो घर के सदस्यों को अच्छा लगे व पौष्टिक भी हो। इसके लिए हर महिला को चार प्रमुख बातों का ध्यान रखना चाहिए। पहली बात किचन की व्यवस्था ठीक हो। मतलब दालें पारदर्शी डिब्बों में हों, तो चाय पत्ती, चीनी आदि के डिब्बे अलग स्थान पर। हर चीज सही स्थान पर रखी हो। सही व्यवस्था के कारण समय की काफी बचत होती है। दूसरी मुख्य बात है कि पकाने व खाने के बर्तन ठीक हों, साथ ही आपके पास रसोई से जुड़े सभी आधुनिक गैजेट्स हों। यदि प्रेशर कुकर की रबड़ खराब है या चाय पकाने का बर्तन नहीं है तो उसका सही होना भी जरूरी है। आधुनिक गैजेट्स भी झटपट खाना बनाने में आपकी मदद करेंगे, जैसे फूड प्रोसेसर, हैंड ब्लेंडर एंड चॉपर, माइक्रोवेव, टोस्टर, नॉनस्टिक कुकवेयर आदि। झटपट पकाने के लिए तीसरी मुख्य चीज है, राशन-पानी की सही व्यवस्था। कहने का मतलब है कि दाल-चावल, सब्जी, दूध, ब्रेड की भरपूर व्यवस्था के अलावा रेडीमेड टोमैटो प्यूरी, पैकट क्रीम, मिल्क पाउडर, भुनी सेंवई, चिड़वा, कार्नफ्लेक्स, फोजन कार्न, हरी मटर, अदरक-लहसुन पेस्ट, इमली पेस्ट आदि चीजें भी अवश्य होनी चाहिए। इन सबसे खाना मिनटों में तैयार किया जा सकता है।

आखिरी और सबसे जरूरी बात है कि अपनी सूझबूझ के साथ-साथ परिवार वालों की पसंद और उसके अनुरूप मेन्यू प्लान करें। उदाहरण के लिए यदि आप चने या मक्खानी दाल बना रही हैं, तो सबेरे की चाय बनाने के साथ-साथ प्रेशरकुकर में उबालें ताकि आपके तैयार होते-होते गल जाये। कुछ झटपट व्यंजनों की जानकारी भी रखें ताकि आप सफल करियर वुमेन के साथ एक अच्छी होम मेकर भी कहलाएं।

झटपट रेसिपीज

पनीर टिक्का (पांच मिनट)

सामग्री - पनीर मोटे टुकड़ों में कटा 250 ग्राम, चिली टोमैटो कैचअप 2 चम्मच, लहसुन की 5 कली, अदरक पेस्ट 1 चम्मच, देगी मिर्च, लाल मिर्च और नमक स्वादानुसार।

विधि - एक नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म करें व लहसुन को कद्दूकस करके डालें, साथ ही अदरक का पेस्ट डाल दें। इसमें टोमैटो कैचप, देगी मिर्च, लाल मिर्च व नमक डालें। साथ ही पनीर के टुकड़े। उलटे-पलटें और दो मिनट एक तरफ से फिर ढक कर दो मिनट दूसरी तरफ से पकाएं। हल्के काले निशान पड़ जायें तो बढ़िया पनीर टिक्का तैयार है।

चिली नूडल्स (8 मिनट)

सामग्री - नूडल्स 100 ग्राम, बारीक कटी शिमला मिर्च 2 चम्मच, कद्दूकस किया गाजर 2 चम्मच, कद्दूकस किया पत्तागोभी आधा कप, बारीक कतरा लहसुन 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 2 चम्मच, सोया सॉस 1 चम्मच, सिरका 1 चम्मच, रिफाइंड ऑयल 2 चम्मच और नमक स्वादानुसार।

विधि - एक बरतन में आठ कप पानी में आधा चम्मच नमक और एक छोटा चम्मच तेल डालकर उबालें। उसमें नूडल्स डालकर दो-तीन मिनट पकायें। छलनी में पलटें और ऊपर से ठंडा पानी डाल दें। एक नॉनस्टिक में तेल गरम करके साबुत मिर्च तोड़कर डालें फिर लहसुन भूनें व कटी सब्जियां डालकर तीन मिनट भूनें। इसमें नूडल्स, सिरका व सॉस डालकर 1 मिनट पकाएं। गर्मागर्म सर्व करें।

बिस्कुट दही बड़ा (5 मिनट)

सामग्री - नमकीन जीरा बिस्कुट 200 ग्राम, फेंटा दही 2 कप, फीके नमकीन सेव 3 चम्मच, हींग चुटकी भर, जीरा पाउडर, नमक, दही बडम मसाला और मीठी चटनी सब स्वादानुसार।

विधि - दही में जीरा पाउडर, नमक व दही बडम मसाला मिलायें। एक प्लेट में बिस्कुट अरेंज करें। ऊपर से दही मसाला व चटनी डालकर सर्व करें।

दाल चटनी सूप (8 मिनट)

सामग्री - धुली मूंग दाल 3 चम्मच, धनिया-पुदीना चटनी 2 चम्मच, हल्दी पाउडर 2 चम्मच, धनिया-जीरा पाउडर 1 चम्मच, नीबू का रस व नमक स्वादानुसार। सजावट के लिए थोडम सा कटा हरा धनिया।

विधि - प्रेशर कुकर में दाल में एक कप पानी, नमक व हल्दी पाउडर डालकर एक सीटी आने तक पकाएं। गैस निकालकर हैंड मिक्सर से दाल को मिक्स करें। फिर से कुकर में दाल डालें। इच्छानुसार उबलता पानी, धनिया-जीरा पाउडर और हरी चटनी डालकर एक उबाल लगायें। मक्खन में लौंग पाउडर भूनकर दाल सूप में डाल दें। सूप बाउल में पलटें। धनिया पत्ती और नीबू से गार्निश कर सर्व करें।

ग्रिल्ड कुलचा (7 मिनट)

सामग्री - कुलचे 4, टोमैटो कैचअप या पहले से तैयार सब्जी, कटे प्याज, टमाटर, धनिया और नमक स्वादानुसार। मक्खन 50 ग्राम।

विधि - कुलचे पर कैचप लगायें उसके ऊपर बचा राजमा, पनीर, छोले आदि कोई सब्जी रखें। या उबले आलू, काट कर लगाएं। उसके ऊपर प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, धनिया फैलाएं और दूसरे कुचले से ढककर ऊपर से मक्खन लगाकर ग्रिल्ड टोस्टर में सेंक लें। झटपट संपूर्ण आहार तैयार है। (आप चाहें तो बची रोटी पर भी सब्जी लगाकर रोल करके ग्रिल टोस्टर में सेंक सकती हैं)।

अंकुरित पैन केक (8 मिनट)

सामग्री - अंकुरित अनाज 1 कप, बेसन आधा कप, दही 2 चम्मच, हरी मिर्च 2, बारीक कटा प्याज आधा कप, हरा धनिया 1 चम्मच, नमक स्वादानुसार, रिफाइंड 1 चम्मच, गार्निशिंग के लिए सॉस और चीज।

विधि - अंकुरित अनाज में थोड़ा पानी डालकर मिक्सी में पीस लें। इसमें बेसन, दही, मिर्च, प्याज व धनिया मिलाकर घोल बनाएं। नॉनस्टिक तवे पर छोटे-छोटे पैन केक बनायें व चटनी के साथ सर्व करें।

11वीं शताब्दी में बना ये घर सभी सुविधाओं से लैस

दक्षिण फ्रांस में उजेस शहर के बाहर जैतून और ओक ट्रफल पेड़ों के बीच स्थित ये 13 बेडरूम वाला घर 11वीं शताब्दी में बना था। तब इसका इस्तेमाल सैनिकों के लिए रक्षा स्टेशन के रूप में किया जाता था। बाद के वर्षों में इसका इस्तेमाल स्कूल और निजी मकान के रूप में भी किया गया। अब इसमें तमाम सुविधाएं और हीटेड स्विमिंग भी है। आप इसे 29.9 लाख डॉलर में खरीद सकते हैं।

वेनिस शहर में एक भी कार नहीं

ईटली का वेनिस शहर पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में से एक है। 100 से ज्यादा द्वीपों को मिलाकर बना ये शहर उंचाई से देखने पर मछली के आकार जैसा दिखाई देता है। लेकिन अब यह शहर खतरे में है। दो साल पहले आई भीषण बाढ़ के बाद एक हेरिटेज ग्रुव ने संयुक्त राष्ट संघ से खत्म होने का खतरा मंडराने वाले शहरों की सूची में वेनिस को शामिल करने की मांग की थी। शहर की आबादी से ज्यादा यहां पर्यटक मौजूद होते है। 2017 में यहां की आबादी 2.62 लाख थी। जब कि उस साल 50 लाख चर्यटक ने वेनिस की यात्रा की थी। खास बात ये है कि शहर में एक भी कार नहीं है। यहां यातायात का एकमात्र प्रचलित साधन नावें ही हैं।

दुनिया की सबसे लंबी आर्ट गैलरी के रूप में जाना जाता है, स्वीडन के स्टॉकहोम का मेट्रो स्टेशन

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में भूमिगत बने मेट्रो स्टेशन किसी कैनवास की तरह लगते हैं। शहर में 110 किलोमीटर में फैली मेट्रो के लिए बनाए 100 स्टेशन में से 90 इसी तरह से रंगे हुए हैं। यहां 1950 में मेट्रो आरंभ हुई थी और 1957 में पहली बार कला से कायाकल्प शुरू हुआ था। कलाकार वीरा निल्सन और सिरि डेरकर्ट ने इस अभियान की शुरूआत की। तब से लेकर अब तक 150 कलाकार प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। 90 स्टेशंस को चित्रकारी, मूर्तिकला और मोज़ेक आदि से सजाया जा चुका है। ये दुनिया की सबसे लंबी आर्ट गैलरी भी मानी जाती है। हर साल लाखों पर्यटक यहां पहुंचते हैं। स्टॉकहोम मेट्रो के 100 स्टेशनों में से 90 पर 100 से अधिक कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित हैं, जो इसे शानदार बनाती हैं।

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम की सबवे प्रणाली को दुनिया की सबसे लंबी आर्ट गैलरी के रूप में जाना जाता है, जिसमें 1950 के दशक से 150 से अधिक कलाकार एक-एक करके भूमिगत स्टेशनों को बदल रहे हैं। स्वीडन के कुछ सबसे प्रसिद्ध कलाकारों को कला बनाने के लिए वर्षों से नियुक्त किया गया है, जिसने 110 किमी के भूमिगत स्थान को शांति और सुंदरता का स्थान बना दिया है। एक टिकट की कीमत के लिए, आप स्टॉकहोम सबवे पर एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाते हैं, और प्रत्येक स्टॉप पर, आपको एक नया कला अनुभव मिलेगा।

सबसे लम्बी कला प्रदर्शनी

स्टॉकहोम मेट्रो को दुनिया की सबसे लंबी कला प्रदर्शनी कहा जाता है। एक शानदार कला प्रदर्शनी होने के साथ-साथ, स्टॉकहोम मेट्रो स्टॉकहोम और उसके उपनगरों में घूमने का एक शानदार तरीका है। स्टॉकहोम में मेट्रो से यात्रा करना एक व्यक्तिगत, मोबाइल आर्ट गैलरी में होने जैसा है, जो पारगमन में हर किसी को अविश्वसनीय मोज़ाइक, पेंटिंग, इंस्टॉलेशन और मूर्तियों की सुंदरता का अनुभव करने की अनुमति देता है। यह अनदेखे रहस्यों और आश्चर्यों से भरे आधुनिक पुरातत्व अभियान का हिस्सा होने की भावना पैदा करता है।

दुनिया का तीसरा सबसे अच्छा स्टेशन

गर्मियों में, एसएल (स्टॉकहोम पब्लिक ट्रांसपोर्ट) नियमित रूप से मेट्रो में मुफ्त गाइडेड आर्ट वॉक का आयोजन करता है (आपको बस एक वैध टिकट की आवश्यकता है)। इन आर्ट वॉक में, एसएल के आर्ट गाइड आपको 110 किमी लंबी मेट्रो प्रणाली के कार्यों के पीछे कलाकृति और मूर्तियों, वास्तुकला और कलाकारों के अनूठे संग्रह के बारे में और बताते हैं, जहां 100 में से 90 से अधिक स्टेशनों को खूबसूरती से सजाया गया है। ये एक बेहतरीन शुरुआती बिंदु सेंट्रल स्टेशन है, जहां से गुजरते समय आप निश्चित रूप से ढेर सारी कला देखेंगे, और यहां स्टॉकहोम के कुछ अन्य पसंदीदा दृश्य हैं। उनमें से एक को दुनिया का तीसरा सबसे अच्छे सबवे स्टेशन का नाम भी दिया गया है।

पशुओं में सबसे बड़ा है इनका दिमाग

स्पर्म व्हेल समुद्री जीवों में सबसे अनोखी है। मादा अपने बच्चों के साथ पूरी उम्र छोटे समूहों में गुज़ार देती है, तो वहीं नर दूसरे समूहों में विचरण करते रहते हैं। ये एक दूसरी व्हेल के बच्चों को फीड भी कराती हैं। इनका दिमाग भी पशुओं में सबसे बड़ा और भारी होता है। एक प्रौड़ स्पर्म व्हेल का दिमाग 7.8 किलोग्राम तक होता है। ये अपने दिमाग का इस्तेमाल भावनाओं के आदान प्रदान, समाजीकरण और भाषा में करती हैं। न सिर्फ इनकी भाषा होती है बल्कि कई बार भौगोलिक जगह के आधार पर भाषा शैली भी बदल जाती है।

कंफर्ट टाउन के नाम से मशहूर हैं, युक्रेन की ये सुर्ख इमारतें

युक्रेन में 40 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली यह कंफर्ट टाउन हाउसिंग सोसायटी लीगो ब्लॉक की तर्ज पर बनी है। 1950 और 1960 के दशक में इन 180 इमारतों का निमार्ण कम्यूनिस्ट शासन के दौर में किया गया था। युक्रेन में इस डिज़ाईन पर बनी यह पहली टाउनशिप थी। इन इमारतों में 2 से लेकर 6 मंज़िलें हैं। सुर्ख रंगों वाली ये इमारतें माहौल को जोशीला और ताज़ा बनाए रखती हैं।

अपने शहर में आपने कई सारी बिल्डिंग देखी होगी लेकिन सबकी सब सिल्वर कलर की ही होती है। थोड़ी बहुत बिल्डिंग ही अलग रंग की होती है। कलरफुल बिल्डिंग तो बहुत कम ही देखी होगी लेकिन यूक्रेन के एक शहर में आप कई कलरफुल बिल्डिंग देख सकते हैं। यह शहर अपने कलरफुल रंग से बनी हुई इमारतों के लिए बेहद मशहूर है। इन बिल्डिंग्स की बनावट एक दम किसी पेंटिंग या बच्चों के कलरफुल खिलौनों की तरह लगती है। चलिए जानते हैं इन रंगीन इमारतो का रहस्य

निप्रो नदी पर पूर्वी तट पर, सोवियत उच्च-उगता क्षेत्रों से भरा एक क्षेत्र, कम्फर्ट टाउन, कीव का एक रंगीन उपनगर, बिल्कुल बाहर खड़ा है। यह आवासीय परिसर इंद्रधनुष के रंगों में लेगो जैसे घरों के साथ आता है और इसके आसपास के औद्योगिक घास से अलग नहीं हो सकता है। कम्फर्ट टाउन उज्ज्वल और खुशमिजाज है। यह निश्चित रूप से एक रंगीन दृश्य बनाता है। पेस्टल हरे, नीले, और नारंगी रंग की हवेली कोबल्ड सड़कों के साथ पंक्तिबद्ध हैं, और उनकी टाइलों वाली छतें ऊपर से विशेष रूप से अच्छी दिखती हैं। अब, इमारतों को चमकीले पीले, हरे और नारंगी और गुलाबी रंग में रंगा गया है, जिसमें बाहरी दीवारें और छतें शामिल हैं।कम्फर्ट टाउन में अब 20,000 से अधिक लोग रहते हैं। दक्षिण कोरिया में बनवोल द्वीप ने स्थानीय फूल, कैंपानुला से मेल खाने के लिए सब कुछ बैंगनी रंग में रंगने का फैसला किया। इसे बनाने वाले लोगों ने बताया कि सबसे सरल सामग्री, सबसे सरल तकनीकों का उपयोग किया। हमारे पास वास्तव में सिर्फ रंग और क्षितिज की रेखाएं थीं। रंगीन उपनगर के अंदर कैफे, दुकानें और कार्यालय हैं, साथ ही एक विशाल आउटडोर खेल सुविधा और 8,500 फ्लैट हैं।

3000 साल पुराने कुएं में है अभी भी पीने लायक पानी

यूनेस्को ने सऊदी अरब के हिमा क्षेत्र को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किया है। इस क्षेत्र के कुएं 3000 साल पुराने हैं। बताया जा रहा है कि इन कुओं में जो पानी है वह अब भी पीने लायक है। जी हां सउदी अरब के हिमा में बने इस कुओं और आसपास के पत्थरों पर लोगों ने कलाकृतियां बनाईं है। हिमा क्षेत्र के इन पत्थरों पर कलाकृतियों के चलते यूनेस्को ने सऊदी अरब के हिमा क्षेत्र को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किया है। यूनस्को की वैश्विक धरोहर की सूची में शामिल होने वाली हिमा सऊदी अरब की छठवीं जगह है।

सऊदी अरब का हिमा सुर्खियों में है। दरअसल, यूनेस्को ने यहां के पत्थरों पर उकेरी गई प्राचीन प्रतीक चिन्हों एवं इबारतों को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किया है। यूनस्को की वैश्विक धरोहर की सूची में शामिल होने वाली हिमा सऊदी अरब की छठवीं जगह है। पश्चिमी नाजरान क्षेत्र में स्थित हिमा कारोबार एवं हज यात्रा के लिए एक अहम मार्ग रहा है। सऊदी अरब के दक्षिणी इलाके एवं मेसोपोटामिया, लेवंट एवं मिस्र के लोगों द्वारा इस मार्ग का इस्तेमाल होता रहा है। यात्रा के दौरान लोगों का कारवां एवं काफिला इस क्षेत्र में ठहरता था। इस दौरान हिमा क्षेत्र के इन पत्थरों पर लोगों ने कलाकृतियां बनाई, वन्यजीव, पौधों, हथियार एवं औजारों की तस्वीरें उकेरीं। पत्थरों पर प्राचीन अरब लिपि मुस्नाद, थामुदिक, नबाताइएन और अरबी लिपि के प्राचीन स्वरूप मिलते हैं।

कुएं में अभी भी पीने लायक पानी

यहां मिले कुएं के बारे में कहा जा रहा है कि ये नाजरान क्षेत्र के लोगों के लिए शुद्ध पेय जल का एक प्रमुख जरिया थे। ये कुंए 3,000 साल पुराने हैं, इन कुओं में में आज भी पीने लायक पानी उपलब्ध है। धरोहर आयोग के अधिकारी का कहना है, हिमा क्षेत्र को वैश्विक धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर हम काफी रोमांचित हैं। यह क्षेत्र वैश्विक महत्व का है, यह हमें प्राचीन समय के जीवन एवं संस्कृति के बारे में हमें अहम जानकारी उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा, हम इलाके को संरक्षित करने के लिए कदम उठा रहे हैं। पत्थरों पर लिखे हुए संदेशों के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए हम शोध कार्य भी कर रहे हैं। अपनी धरोहरों के संरक्षण एवं विकास पर सऊदी अरब विशेष रूप से ध्यान दे रहा है। किंगडम विजन 2030 में देश की सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहरों के संरक्षण पर विशेष जोर है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने माना- मुल्क में सुरक्षित नहीं हैं अल्पसंख्यक, लगाए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोमवार को स्वीकार किया कि अल्पसंख्यकों को धर्म के नाम पर लक्षित हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके कारण पाकिस्तान को दुनियाभर में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय असेंबली के सत्र के दौरान आसिफ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर दिन अल्पसंख्यकों की हत्या हो रही है। वे इस्लाम की आड़ में सुरक्षित नहीं हैं। मैं अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मुद्दे पर बात करना चाहता हूं, लेकिन विपक्ष मेरे प्रयासों को रोक रहा है। आसिफ ने जोर देकर कहा कि संवैधानिक सुरक्षा के बावजूद पाकिस्तान में इस्लाम के अंतर्गत आने वाले छोटे संप्रदायों सहित कोई भी धार्मिक अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है। उन्होंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव का आह्वान किया, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि हिंसा के कई पीड़ितों का ईशनिंदा के आरोपों से कोई संबंध नहीं था, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण निशाना बनाया गया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि देश में छोटे संप्रदाय भी सुरक्षित नहीं हैं, जो एक शर्मनाक स्थिति है। हम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव पेश करने का इरादा रखते हैं। हमारा संविधान अल्पसंख्यक अधिकारों की गारंटी देता है, जबकि विभिन्न स्थानों पर हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। बता दें कि ह्यूमन राइट्स कमीशन ऑफ पाकिस्तान (एचआरसीपी) और ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में हिंदू, सिख और अन्य अल्पसंख्यकों को जबरन धर्म परिवर्तन, अपहरण, हत्या और उनके पूजा स्थलों पर हमलों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

विश्व बैंक की भविष्यवाणी- 2024 में वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

जेनेवा एजेंसी। वर्ल्ड बैंक ने 2024 में भारतीय इकॉनमी की वृद्धि दर को लेकर अनुमान लगाया है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक और स्थिर सरकार के गठन के बीच, विश्व बैंक ने हाल ही में भविष्यवाणी की है कि भारत 2024 में वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा, हालांकि इसकी विकास दर धीमी होने की उम्मीद है। विश्व बैंक की भविष्यवाणियों के अनुसार, भारत को निवेश के लिए आदर्श उभरता हुआ बाजार करार दिया गया है, लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशियाई राष्ट्र के बाहर के लोगों के लिए पहुंच हासिल करना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून की ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025 के लिए दक्षिण एशियाई देश के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में, भारत के विकास अनुमानों में संशोधन के लिए निजी पूंजीगत व्यय के साथ मजबूत सार्वजनिक निवेश और निजी खपत में वृद्धि को जिम्मेदार ठहराया है।यह नरमी मुख्य रूप से उच्च आधार से निवेश में मंदी के कारण है। हालाँकि, निवेश वृद्धि अभी भी पहले की अपेक्षा अधिक मजबूत होने और निजी निवेश के साथ मजबूत सार्वजनिक निवेश के साथ पूर्वानुमानित अवधि में मजबूत रहने की उम्मीद है, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है। अप्रैल में विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया, जबकि वित्त वर्ष 24 में मजबूत प्रदर्शन के बाद, वैश्विक एजेंसी ने औसत विकास दर 6.7 प्रतिशत (6.7 प्रतिशत) का अनुमान लगाया था। वित्त वर्ष 26 और वित्त वर्ष 27 में 6.8 प्रतिशत) वित्त वर्ष25 से शुरू होने वाले तीन वित्तीय वर्षों में सालाना, जैसा कि जून 2024 के लिए इसकी वैश्विक आर्थिक संभावनाओं में उल्लिखित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि उम्मीदों से बढ़कर 7.8 फीसदी पर पहुंच गई, हालांकि यह तीसरी तिमाही के 8.4 फीसदी से गिरावट थी।

पाकिस्तान के वकील का दावा

देश में खतरनाक स्तर तक बढ़े भीड़ के राक्षस

हर अहिंसक व्यक्ति के 400 लोग खून के प्यासे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्या के मामलों में वृद्धि की निंदा करते हुए शिक्षाविद और वकील मुनीब कादिर ने इसे एक 'खतरनाक मानसिकता' बताया, जो किसी व्यक्ति की हत्या को न्याय सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका मानती है। कादिर शुक्रवार को अपनी पुस्तक के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। अपनी पुस्तक 'पेइंग द प्राइसः एक्सप्लोरिंग रिलीजियस एक्सट्रीमिज्म, मिसोगिनी, ट्रांसफोबिया एंड क्लास अपाथाइड इन प्रेजेंट-डे पाकिस्तान' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने स्वात में जो देखा, वह वही भीड़ की मानसिकता थी, जिसके कारण भीड़ इकट्ठा होती है, एक व्यक्ति को प्रताड़ित करती है क्योंकि उन्हें लगता है कि उस व्यक्ति के अपराध अकथनीय हैं और उसकी मौत न केवल सही है बल्कि न्याय सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है।

अपने बयान में कादिर ने दिसंबर 2021 में पंजाब प्रांत के सियालकोट में प्रियंता कुमारा दियावदाना की भीड़ द्वारा हत्या की इसी तरह की घटना का जिक्र किया। घटना के बारे में बताते हुए कादिर ने कहा, सियालकोट की घटना में शामिल लोगों को अपने किए पर गर्व था, उन्हें लगा कि उन्होंने जो किया वह हमसे बड़ा है। इसमें सैकड़ों लोग शामिल थे, उन्होंने पहले उसके कपड़े फाड़े और फिर उसे जिंदा जला दिया, और जलते हुए पीड़ित के साथ सेल्फी ली। ऐसा इसलिए था क्योंकि उन्हें लगा कि यह एक मील का पत्थर है और वे इसे आने वाली पीढ़ियों को भेजेंगे, यह कहते हुए कि देखो मैं वहां था। वे बिल्कुल भी शर्मिंदा नहीं थे, बल्कि गर्वित थे। कादिर ने धार्मिक स्वतंत्रता की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग का जिक्र करते हुए सवाल किया कि पाकिस्तान को हर साल धार्मिक स्वतंत्रता सूचकांक में अपनी रैंकिंग गिरने पर क्या फर्क पड़ता है, क्योंकि लोगों को इसी पर गर्व है।

कादिर ने कहा कि मैंने खुद देखा कि ईद के दौरान पुलिस बेबुनियाद तरीके से अहमदिया मुसलमानों पर छापेमारी कर रही थी। ये गैर-सरकारी तत्व नहीं थे, और

हम अच्छी तरह जानते हैं कि किसके इशारे पर ऐसा किया जा रहा था। इसी तरह सरगोधा में ईसाई समुदाय के साथ जो हुआ, वह भी जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि उस दिन सिर्फ़ एक प्रियंता कुमारा जल रही थी, लेकिन उस आगजनी में कम से कम 400 लोग शामिल थे। यह हमारे देश में मौजूदा अनुपात है, हर अहिंसक व्यक्ति के लिए 400 लोग खून के प्यासे लोग हैं, जो आपको मारने के लिए तैयार हैं, और इस कमरे में बैठा हर व्यक्ति संभावित शिकार और संभावित खतरा है।

उन्होंने कहा कि कभी-कभी मैं सोचता हूँ कि क्या यह सरकार है जो बहुसंख्यक भीड़ के ऐसे राक्षस को पालती है, जिसे छोड़ दिया गया है या यह भीड़ है जो सरकार को पालती है, जो अब हमारे घरों तक पहुँच गई है, और अब अगर प्रशासन सही काम करने की कोशिश भी करता है, तो इस बात की संभावना है कि राक्षस मालिक पर ही हमला कर सकता है।

रूस में आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 तक पहुंची, 15 पुलिसकर्मी शामिल; 12 घायल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के दागेस्तान में यहूदी धर्म स्थल और चर्च पर हुए आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। अल जजीरा ने रूस की जांच समिति का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। इसके बाद रूस के उत्तरी काकेशस क्षेत्र दागेस्तान में तीन दिन का शोक घोषित किया गया है। इस हमले में 15 पुलिस अधिकारी मारे गए हैं, जबकि एक पुजारी सहित कई नागरिकों की जान चली गई। हमले में 12 लोग घायल भी हुए हैं। जानकारी के मुताबिक जवाबी कार्रवाई में 5 हमलावर भी मारे गए हैं। रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्कप्रीस्ट निकोलाई कोटेलनिकोव को भी डर्बेंट में क्रूरता पूर्वक मार दिया गया। रविवार को रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च के पेंटेकोस्ट में त्योहार के दिन बंदूकधारियों ने डर्बेंट और माखचकाला शहरों में चर्च, यहूदियों के धर्म स्थल और पुलिस चौकी पर हमला किया दिया था।

सुरक्षाबलों ने हमलावरों को मार गिराया: हमलों की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। अधिकारियों ने एक आतंकवादी अधिनियम के आरोप में एक आपराधिक जांच शुरू की। इससे पहले देर रात आई विदेशी मीडिया की शुरुआती खबर में इसे आतंकी हमला बताया गया। फायरिंग में चर्च के पादरी और पुलिसकर्मी समेत सात लोगों की मौत की खबर आई थी। अब मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 16 हो चुका है। वहीं, हमलावरों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के दौरान रूस के सुरक्षाबलों ने कई हमलावरों को मार गिराया।

एक को हिरासत में लिया: कानून प्रवर्तन सूत्रों के हवाले से बताया कि दागेस्तानी के एक अधिकारी को हमलों में उनके बेटों की संलिप्तता को लेकर हिरासत में लिया गया है।

मेलिकोव ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति कानून प्रवर्तन और स्थानीय अधिकारियों के नियंत्रण में है। उन्होंने कसम खाई कि हमलों की जांच तब तक जारी रहेगी जब तक कि आतंकवादियों का पता नहीं चल जाता। उन्होंने बिना सबूत दिए दावा किया कि हमलों की तैयारी विदेश से की गई हो सकती है।

क्रीमिया पर आतंकी हमलों के पीछे ब्रिटेन और अमेरिका : रूसः क्रीमिया पर हुए हमले को लेकर रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक वक्तव्य में कहा कि रविवार को हुए हमले के पीछे ब्रिटेन और अमेरिका का हाथ है। मंत्रालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि इन भयानक अपराधों में अमेरिका-ब्रिटेन की संलिप्तता किसी भी संदेह से परे है। अपराधों का जवाब निश्चित रूप से दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि 23 जून को यूक्रेन ने अमेरिका और ब्रिटेन के समर्थन से सेवस्तोपोल में रूसी नागरिकों पर एक जघन्य आतंकी हमला किया।

चीन पर भड़का यूरोप, रूस को युद्ध में हथियार देने के मामले में दे दी बड़ी सजा

19 चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध

ब्रूसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ ने सोमवार को चीन पर बड़ा एक्शन लेते हुए 19 चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों पर यूक्रेन में रूस को युद्ध के लिए हथियार सप्लाई करने का आरोप है। यूरोपीय संघ के आधिकारिक जर्नल में प्रकाशित सूची में हांगकांग में स्थित कई कंपनियों के साथ-साथ दो दिग्गज ग्लोबल सैटेलाइट कंपनियां भी शामिल हैं। चीन ने पश्चिमी देशों के इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है और कहा है कि वह रूस के सैन्य अभियान का समर्थन नहीं कर रहा है।

रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की कड़ी में यूक्रेन में युद्ध में सीधे रूस के सैन्य-औद्योगिक परिसर का समर्थन करने के आरोप में 61 नई कंपनियों को सूची में जोड़ा गया है। अब इस सूची में कुल 675 कंपनियां हो गई है। इन कंपनियों पर उन सामानों और तकनीकी चीजों की बिक्री पर कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं जिनका उपयोग रूस के डिफेंस और सिक्योरिटी सेक्टर को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

अक्टूबर में, एएफपी की एक जांच से पता चला कि रूस की कंपनी वैगनर ने 2022 में दो सैटेलाइट को खरीदने और उनकी तस्वीरों को इस्तेमाल करने के लिए चीनी फर्म बीजिंग युनज़े टेक्नोलॉजी के साथ 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे। दो उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले उपग्रह चांग गुआंग सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के थे, जो एक प्रमुख ग्लोबल सैटेलाइट कंपनी है, जिसे यूरोपीय संघ की प्रतिबंधित सूची में जोड़ा गया है। दूसरी कंपनी हेड एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी थी, जो सैटेलाइट इमेज बेचती है और वैगनर समूह को आपूर्ति करने के लिए 2023 में अमेरिका की प्रतिबंधित सूची में डाल दी गई थी।

भले ही चीन रूस को सीधे हथियार न दे, लेकिन अमेरिका और यूरोप उस पर मास्को के सैन्य उद्योग को टूल्स और उपकरण बेचने का आरोप लगाते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने इन दावों को झूठी सूचना बताकर खारिज कर दिया है। सोमवार को यूरोपीय संघ की सूची में जोड़ी गई 61 संस्थाओं में से लगभग आधी रूस-आधारित कंपनियाँ हैं। 19 चीनी कंपनियों के अलावा, इसमें तुर्की की नौ, किर्गिस्तान की दो, भारत की एक, कजाकिस्तान की एक और संयुक्त अरब अमीरात की एक कंपनी भी शामिल है।

कूटनीति में महिला दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र ने हंसा मेहता को दी श्रद्धांजलि

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कूटनीति में महिला दिवस के मौके पर भारत की नारीवादी नेता और राजनयिक हंसा मेहता को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही मानवाधिकारों के सार्वभौमिक डिक्लेरेशन को आकार देने और उन्हें अधिक समावेशी बनाने में उनकी भूमिका की चर्चा की। हंसा मेहता को मानवता के पर्याय के रूप में पुरुषों के संदर्भ को मनुष्य से बदलने का श्रेय जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकारों के सार्वभौमिक डिक्लेरेशन (घोषणा) के अुच्छेद 1 में सभी पुरुष स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं के वाक्य की जगह सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं बलदने के लिए हंसा मेहता को जाना जाता है।

हंसा मेहता ने इतिहास की बाधाओं को तोड़ा: यूएनजीए अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि हंसा मेहता ने इतिहास की बाधाओं को तोड़ा और बहुपक्षवाद को समृद्ध किया। फ्रांसिस ने भावुक होकर सवाल उठाया कि क्या मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा आज वास्तव में सार्वभौमिक होती अगर हंसा मेहता ने इसकी शुरुआती पंक्ति में सभी पुरुषों से बदलकर सभी मनुष्य करने पर जोर नहीं दिया होता? यूएनजीए अध्यक्ष ने लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर महिला राजनयिकों को सशक्त बनाने के लिए यूएन की प्रतिबद्धता को भी दोहराया, और अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी दुनिया को आकार देने में अपने अपरिहार्य योगदान को मान्यता दी।

उड़ान भरने के बाद अचानक 25 हजार फीट नीचे आया विमान, तकनीकी खराबी की वजह से कराई गई आपात लैंडिंग

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के सिओल के इनच्योन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ देर बाद फ्लाइट चश्र189 अचानक कई फीट नीचे आ गई, जिसके बाद इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।

इस दौरान कई यात्रियों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। यह फ्लाइट ताइवान के ताइचुंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई थी, लेकिन विमान के दबाव प्रणाली में खराबी के कारण यह अचानक 25,000 फीट से नीचे आने लगा। उड़ान भरने के 50 मिनट बाद विमान जेजू द्वीप के ऊपर से उड़ान भर रहा था, लेकिन तभी दबाव प्रणाली में खराबी के कारण विमान 15 मिनट में ही 26,900 फीट नीचे आ गया।

अचानक 26,900 फीट नीचे आ गया विमान

विमान के अचानक 26,900 फीट नीचे आने के कारण यात्रियों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। किसी के कान में दर्द होने लगा तो किसी को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। यात्रियों को अपने बचाव के लिए ऑक्सीजन मास्क पहनने के लिए मजबूर होना पड़ा। ताइचुंग एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद 17 लोगों को मेडिकल सुविधा दी गई। हालांकि, बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई।

यात्रियों ने बताया अनुभव

कुछ यात्रियों ने इस घटना का अनुभव साझा किया। एक यात्री ने बताया कि ऑक्सीजन मास्क लगाने के दौरान कई बच्चे रो रहे थे। एक अन्य यात्री ने बताया कि उसे कुछ गड़बड़ लगा, क्योंकि विमान हवा में झुल रहा था और फ्लाइट अटेंडेंट अपनी सीटों पर ही बैठे थे। कोरियाई एयर ने इस परेशानी के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए वह अधिकारियों का सहयोग करेंगे। प्रभावित लोगों के लिए भोजन और परिवहन की व्यवस्था की गई। इस घटना के 19 घंटे के बाद 23 जून को एक अलग विमान के साथ उड़ान फिर से शुरू हुई। केरियाई एयर के प्रवक्ता ने बताया कि एयरलाइन दबाव प्रणाली में खराबी के कारणों का जांच कर रही है।

एलन मस्क बने 12वें बच्चे के पिता, कहा ढिंढोरा नहीं पीटता फिरूंगा, करीबियों को पता था

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स में से एक एलन मस्क इस साल 12वें बच्चे के पिता बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने उन रिपोर्टस पर भी बोला है जिनमें कहा गया था कि इस जानकारी को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने सोशल मीडिया साइट ङ्ग पर, जिसके वे मालिक हैं, कहा कि न्यूरालिंक की एक्जीक्यूटिव शिवोन ज़िलिस के साथ उनका नया बच्चा कोई राज नहीं है।

उन्होंने कहा है कि उनके दोस्तों और परिवार के सदस्यों को इस बारे में पता है। अरबपति एलन मस्क इस दौरान मजाक के मूड में भी नजर आए। मस्क ने चुटकी लेते हुए कहा कि प्रेस विज्ञप्ति जारी करके यह घोषणा करना कि वह और ज़िलिस एक बच्चे को जन्म देने वाले हैं, बहुत अजीब होता। मस्क ने पेज सिक्स से कहा, जहां तक 'गुप्त रूप से पिता बनने' की बात है, तो यह भी झूठ है। हमारे सभी दोस्त और परिवार के लोग जानते हैं। प्रेस विज्ञप्ति जारी न करना, जो कि अजीब होता, इसका मतलब राज नहीं है। यह ज़िलिस के साथ एलन मस्क का तीसरा बच्चा और मस्क के 12वां बच्चा है। हालांकि मस्क ने अभी तक नए बच्चे का नाम और लिंग नहीं बताया है।

सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा जन्म दर में गिरावट है

एक समाचार आउटलेट से बात करते हुए एलन ने जनसंख्या में गिरावट और जन्म दर में गिरावट पर अपनी चिंता भी जताई। एलन मस्क ने कहा, कई देश पहले से ही रिप्लेसमेंट दर से काफी नीचे हैं, और कुछ सालों में और भी देशों में यह देखने को मिलेगा। यह एक तथ्य है, कोई मनगढ़ंत थ्योरी नहीं है। मस्क ने आगे कहा, इस वक्त 2.1 बच्चे रिप्लेसमेंट रेट है, और जाहिर है कि पूरी दुनिया इस से और नीचे आने वाली है। 2022 में एलन मस्क ने कहा था कि अब तक सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा जन्म दर में गिरावट है और उन्होंने बड़े परिवारों का समर्थन किया था। टेस्ला के दिग्गज एलन मस्क ने इससे पहले नवंबर 2021 में ज़िलिस के साथ जुड़वां बच्चों स्ट्राइडर और एज़्योर का स्वागत किया था। कुछ ही समय बाद, उन्होंने और ऑल्ट-पॉप गायिका ग्रिम्स ने सरोगेट के माध्यम से एक्सा डार्क साइडरेल को जन्म दिया। एक्सा, जिसे वाई के रूप में भी जाना जाता है, के बारे में खुलासा वैनिटी फेयर के एक लेख में हुआ था, जब मैगजिन के साथ ग्रिम्स के इंटरव्यू के दौरान बच्चा रोने लगा था। फिलहाल 36 वर्षीय ग्रिम्स और एलन मस्क बीच अपने तीन बच्चों की कस्टडी को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है। एलन मस्क को अपने 4 वर्षीय बेटे, एक्स के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में सार्वजनिक रूप से देखा गया है। उन्हें फरवरी में लास वेगास में सुपर बाउल, मार्च में जर्मनी में टेस्ला प्लांट और हाल ही में इस महीने की शुरुआत में फ्रांस में कैन लायंस फेस्टिवल में एक साथ देखा गया था। एलन मस्क अपनी पूर्व पत्नी जस्टिन मस्क के साथ जुड़वाँ बच्चों ग्रिफिन और विवियन के साथ-साथ एक ट्रिपलेट काई, सैक्सन और डेमियन के भी पिता हैं।

मिस्र के हज यात्रियों को लेकर हुआ चौंकाने वाला खुलासा, मक्का में शवों के ऊपर से गुजरते रहे लोग

दुबई एजेंसी। सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान मारे गए मिस्र के हज यात्रियों को लेकर हुआ चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सऊदी सरकार ने बताया कि अब तक 1300 हज यात्रियों की मौत हुई है और इनमें सबसे ज्यादा मिस्र के 658 हैं। सऊदी अरब ने अभी तक अपने नागरिकों की कुल मौत का आंकड़ा जारी नहीं किया है, इसलिए आशंका है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ेगी। इसके बाद इंडोनेशिया के 199 और भारत के 98 हैं। वहीं जॉर्डन से 75, ट्यूनीशिया से 49 पाकिस्तान से 35 और ईरान से 11 हज यात्रियों की मौत की खबर है। चौंकाने वाली बात यह है कि मिस्र के मारे गए 658 हज यात्रियों में से 630 बिना वीजा के हज के लिए गए थे। इस भयावह समस्या से निपटने के लिए मिस्र ने क्राइसिस सेंटर का गठन किया है। मिस्र के सांसद महमूद कासिम ने टूर ऑपरेटरों पर हज यात्रियों के साथ धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कई हज यात्रियों को टूर ऑपरेटरों ने उचित सुविधाएं नहीं दी, जिससे उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और इससे उनकी मौत हो गई। मिस्र ने हज यात्रियों से धोखाधड़ी करने वाली टूर ऑपरेटर कंपनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पीएम मुस्तफा ने 16 कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने का आदेश दिया है। इसके अलावा इन कंपनियों पर मुकदमा चलाने और जुर्माना लगाने का भी आदेश दिया है।

मेरे विकेटों का काफी श्रेय बुमराह को जाता है, कुलदीप चैम्पियन स्पिनर: अर्शदीप

जॉर्जटाउन (एजेंसी)। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की सटीक गेंदबाजी से बाकी भारतीय गेंदबाजों को बेहद दबाव के हालात में भी विकेट लेने का मौका मिल जाता है। अर्शदीप अब तक टी20 विश्व कप में 11.86 की औसत और 7.41 की इकॉनॉमी रेट से 15 विकेट ले चुके हैं। दूसरी ओर बुमराह ने 11 विकेट लिए हैं लेकिन उनका इकॉनॉमी रेट 4.08 ही रहा है। अर्शदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि काफी श्रेय जसप्रीत को जाता है क्योंकि वह बल्लेबाजों पर काफी दबाव बनाते हैं। वह तीन या चार रन ही एक ओवर में देते हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसे में मुझे सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है और विकेट लेने के कई मौके मिल जाते हैं। वे मेरे खिलाफ अधिक जोखिम लेने लगते हैं और फिर विकेट मिलने के मौके बन जाते हैं। इसलिए इसका ज्यादा श्रेय जसप्रीत को जाता है।%

स्पिनर कुलदीप यादव तीन मैचों में सात विकेट ले चुके हैं। उनके बारे में अर्शदीप ने कहा, 'कुलदीप चैम्पियन स्पिनर है। उसे जब भी मौका मिलता है, वह विकेट लेता है। वह टीम का अहम खिलाड़ी है और उम्मीद है कि वह आगे और भी विकेट लेगा। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के बारे में उन्होंने कहा, 'इस समय मैं कुछ अपेक्षा नहीं कर रहा हूं। हालात देखकर समझेंगे कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।

भारत की पुरुष और महिला तीरंदाजी टीमों ने हासिल किया ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा।

यूं रिटायर हुए आस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वार्नर

न गार्ड ऑफ ऑनर, न स्टैंडिंग ओवेशन, अद्भुत करियर का शर्मनाक अंत...

न्यूयार्क (एजेंसी)। कहते हैं शुरुआत भले ही खराब हो, लेकिन अंत शानदार होना चाहिए। हालांकि, यह बात क्रिकेट वर्ल्ड पर लंबे समय तक राज करने वाले महान ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर इस बात से वंचित रह गए। उनका 15 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर उस समय समाप्त हो गया जब सेंट विंसेंट में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल से बाहर कर दिया। अपने चाहने वालों के बीच हमबुल नाम से मशहूर वॉर्नर ने अपना आखिरी मैच भारत के खिलाफ गयाना में खेला और वह सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हो गए थे।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद ही किया था ऐलान – उन्होंने नवंबर में भारत पर विश्व कप के फाइनल में जीत के साथ अपना अंतिम वनडे खेला और जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेला। साथ ही उन्होंने ऐलान कर दिया था कि यह टी20 विश्व कप उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा। उन्होंने अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वापसी का दरवाजा भी खुला रखा है। हालांकि, ऐसा होता संभव नहीं लग रहा है। उनका टी20 विश्व कप बहुत अच्छा नहीं रहा था।

भारत के खिलाफ उनका अंतिम प्रदर्शन एक एंटी-क्लाइमेक्स था – इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के आखिरी मैच में उन्होंने छह गेंदों पर छह रन बनाए, जबकि अर्शदीप सिंह की गेंद पर स्लिप में सूर्यकुमार यादव ने एक अच्छा लो कैच लपका। उन्होंने हताशा में अपने दाहिने हाथ से अपने बल्ले पर मुक्का मारा, फिर सिर झुकाकर मैदान से बाहर चले गए। उन्हें नहीं पता था कि यह उनका आखिरी मैच होगा। न उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और न ही स्टैंडिंग ओवेशन था। किसी को उम्मीद नहीं थी कि अफगानिस्तान खेल कर देगा।

मैच के बाद विराट कोहली से करते दिखे थे बात – खेल के बाद उन्हें डेरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड के आउटफील्ड पर विराट कोहली से बात करते हुए देखा गया और जोश हेजलवुड ने कहा कि वॉर्नर को उनके साथियों द्वारा विदाई देने का समय अफगानिस्तान के बांग्लादेश के खिलाफ देर से खेले जाने वाले खेल के परिणाम पर निर्भर करेगा। हालांकि उन्होंने पहले ही वनडे और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन 2024 का टी20 विश्व कप उनका आखिरी विश्व कप था। हालांकि, वॉर्नर 2025 चैंपियन ट्रॉफी के लिए अपने देश की सेवाओं की आवश्यकता होने पर उपलब्ध रहेंगे।

ऐसा रहा डेविड वॉर्नर का इंटरनेशनल करियर – डेविड वॉर्नर ने 112 टेस्ट करियर में 44.60 की औसत से 8,786 रन बनाए हैं, जिसमें 70.19 का स्ट्राइक रेट है। इसके अलावा वनडे में उन्होंने 161 मैचों में 6,932 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के महानतम क्रिकेटरों में से एक के संन्यास लेने के साथ ही एक अध्याय समाप्त हो गया।

अख्तर ने की रोहित की तारीफ, कहा- काश वह आज 150 रन बनाते

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की और कहा कि 37 वर्षीय रोहित शर्मा ने मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। रोहित ने 224.39 की स्ट्राइक रेट से 41 गेंदों पर 92 रन बनाए। उन्होंने क्रीज पर अपने समय के दौरान 7 चौके और 8 छक्के लगाए। भारतीय कप्तान दुर्भाग्यशाली रहे कि 12वें ओवर में मिशेल स्टार्क की गेंद पर आउट होने के बाद सिर्फ आठ रन से शतक से चूक गए। अख्तर ने कहा कि भारतीय कप्तान ने मैच की पहली पारी में वही किया जो उन्हें करना चाहिए था और उन्होंने कहा कि वह रोहित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 150 रन बनाते देखना चाहते थे। अख्तर ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद भारत जिस अवसाद से गुजर रहा था, वह जुनून में बदल गया है। भारत ऑस्ट्रेलिया को हराना चाहता था। रोहित शर्मा ने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था। उन्होंने शानदार इरादे से खेला, जिस तरह से स्टार्क ने उन्हें आउट किया। काश वह आज 150 रन बनाते।

गौर हो कि टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया की एंट्री कंफर्म हो गई है। सेंट लुसिया के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के तहत खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया को 24 रन से विजयी मिली। रोहित शर्मा ने 41 गेंदों पर 92, सूर्यकुमार यादव ने 31, शिवम दुबे ने 28 और हार्दिक पांड्या ने 27 रन बनाकर स्कोर 205 तक पहुंचाया था। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने 76 तो मिचेल मार्श ने 37 रन जरूर बनाए लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 181 रन ही बनाए और 24 रन से मुकाबला गंवा दिया।

शाबाश पठान... विदेश मंत्री का राशिद खान को वीडियो कॉल, स्वागत की गजब तैयारी

काबुल (एजेंसी)। भले ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 की चैंपियन कोई भी टीम बने। लेकिन इसको याद अफगानिस्तान के दमदार प्रदर्शन के लिए किया जाएगा। किस तरह इस टीम ने अपने सामने बड़ी-बड़ी टीमों को घुटनों पर ला दिया। एक ही टूर्नामेंट में पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया। इसी के साथ सेमीफाइनल में भी पहली बार अपनी जगह बनाई। राशिद खान की कप्तानी वाली इस अफगानी टीम की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम। अफगानिस्तान ने अपने आखिरी सुपर 8 के मुकाबले में बांग्लादेश को 8 रन से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। पूरा क्रिकेट जगत इस वक्त अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने की बधाई दे रहा है। ऐसे में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने भी अपनी टीम को खूब मुबारकबाद दी।

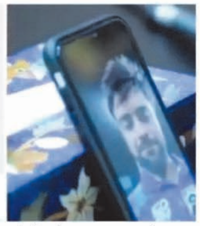

सेमीफाइनल में पहुंचने की मुबारकबाद भी दी – राशिद खान एंड कंपनी के इतिहास रचने के बाद अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मवलवी आमिर खान ने टीम के कप्तान यानी राशिद खान से वीडियो कॉल पर बातचीत की। वह राशिद से पश्तो भाषा में बात कर रहे थे। उनके बात करने के तरीके से लग रहा था कि वह टीम के प्रदर्शन से काफी ज्यादा खुश हैं। विदेश मंत्री मवलवी आमिर खान ने राशिद खान और उनकी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने की मुबारकबाद भी दी।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को रोमांचक मैच में हराया – बांग्लादेश के खिलाफ करो या मरो के मुक ाबले में राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 115 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने टीम के लिए सर्वाधिक 43 रन की पारी खेली। हालांकि अफगानिस्तान की पारी के बाद मैच में बारिश हो गई, जिसके चलते बांग्लादेश की पारी से एक ओवर काटा गया और उनको 19 ओवर में 114 रन का टारगेट मिला। 114 रन के टारगेट का पीछा करते हुए बांग्लादेश की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई और वह 17.5 ओवर में 105 रन पर ऑल आउट हो गए। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान और नवीन उल हक ने 4-4 विकेट लिए। वहीं 1-1 विकेट फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को भी मिला।

रोहित शर्मा ने बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी की, बतौर कप्तान जीते सबसे ज्यादा मैच

आस्ट्रेलिया पर शानदार जीत

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। स्टार भारतीय बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा जीत के मामले में बाबर आजम के उल्लेखनीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रोहित शर्मा ने डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की 24 रन की जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

फिलहाल रोहित शर्मा ने टी20 प्रारूप में 60 मैच खेलकर भारत को 48 जीत दिलाई हैं। इस बीच पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 85 मैचों में मेन इन ग्रीन का नेतृत्व किया और 48 जीत हासिल करने में सफल रहे। युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा 20 ओवर के प्रारूप में अपनी टीम को 45 जीत दिलाने के बाद लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

मैच की बात करें तो सेंट लुसिया के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के तहत खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया को 24 रन से विजयी मिली। रोहित शर्मा ने 41 गेंदों पर 92, सूर्यकुमार यादव ने 31, शिवम दुबे ने 28 और हार्दिक पांड्या ने 27 रन बनाकर स्कोर 205 तक पहुंचाया था। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने 76 तो मिचेल मार्श ने 37 रन जरूर बनाए लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 181 रन ही बनाए और 24 रन से मुकाबला गंवा दिया।

ऑस्ट्रेलिया से जीत के बाद बोले रोहित शर्मा, अर्धशतक या शतक मायने नहीं रखते

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। वह संभवत- रिकॉर्ड तोड़ शतक बनाने से चूक गए लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखती और उनका एकमात्र लक्ष्य गेंदबाजों को मैदान के चारों ओर शॉट लगाकर उन पर दबाव बनाना था। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में 41 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों से 92 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे भारत ने पांच विकेट पर 205 रन का मौजूदा टूर्नामेंट का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाकर 24 रन से जीत दर्ज की।

टी20 विश्व कप में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2016 में 47 गेंदों में तिहरा अंक छुआ था। रोहित इस रिकॉर्ड को तोड़ने के बिल्कुल करीब थे। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोहित ने कहा कि वह बस उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना चाहते थे जैसे अब तक करते आए हैं। रोहित ने मैच के बाद कहा, 'जब आप खुले दिमाग से खेलते हैं और सिर्फ एक शॉट के बारे में नहीं सोचते तो आप मैदान के सभी हिस्सों में रन बना सकते हैं। यह एक अच्छा विकेट था और आप शॉट खेलने के लिए खुद को तैयार करना चाहते हैं। मैं पिछले कुछ वर्षों से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं और मुझे खुशी है कि आज यह संभव हो पाया।

उन्होंने कहा, 'अर्धशतक और शतक मायने नहीं रखते, मैं बस उसी अंदाज से बल्लेबाजी करना चाहता था जैसे करता आया हूं। आप बड़ा स्कोर बनाना चाहते हैं।

आस्कर या एमी, गुलबदिन नायब के मैच के दौरान मैदान पर गिरने पर मचा बवाल

किंग्सटाउन (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने अपने खिलाड़ियों को धीमे खेलने का इशारा किया और फिर गुलबदिन नायब नाटकीय ढंग से कमर के बल गिर गए जिससे पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाया है कि क्या वह वाकई तकलीफ में थे। स्लिप में फील्डिंग कर रहे नायब ने 12वें ओवर में ऐंठन की शिकायत की।

इससे पहले ट्रॉट को अपने खिलाड़ियों को खेल की गति धीमी करने का इशारा करते कैमरे पर देखा गया था चूंकि बारिश के कारण खलल पड़ने पर डकवर्थ लुईस प्रणाली से उनकी टीम आगे चल रही थी। मैच में कई बार बारिश के कारण बाधा पड़ी। उस समय बांग्लादेश सात विकेट पर 81 रन बना चुकी थी और 19 ओवर में 114 रन के संशोधित लक्ष्य से दो रन पीछे थी। अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके पहली बार विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाई।

साइमन डाउल ने कमेंट्री करते समय कहा, 'कोच संदेश दे रहे हैं कि धीमे हो जाओ और अचानक पहली स्लिप में खड़ा खिलाड़ी बिना वजह गिर जाता है। यह अस्वीकार्य है। जिम्बाब्वे के कमेंटेटर पॉमी एम्बांग्वा ने कहा, 'आस्कर या एमी' नायब को उपचार दिया गया और तेज गेंदबाज नवीनुल हक उन्हें मैदान से बाहर ले गए। इसके बाद फिर बारिश शुरू हो गई और खिलाड़ी डगआउट में चले गए। थोड़ी देर बाद खेल बहाल हुआ। नायब 13वें ओवर में मैदान पर लौट आये और 15वें ओवर में तंजीम हसन का विकेट भी लिया।

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने एक्स पर लिखा, 'गुलबदिन नायब को रेडकार्ड। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने लिखा, 'क्रिकेट की भावना जीवित है। यह देखकर अच्छा लगा कि क्रिकेट के इतिहास में गुलबदिन पहले क्रिकेटर बन गए जिन्होंने गिरने के 25 मिनट बाद आकर विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर इयान स्मिथ ने लिखा, 'पिछले छह महीने से मैं घुटनों के दर्द से परेशान हूं। अब मैच के बाद मैं सीधे गुलबदिन नायब के डॉक्टर के पास जाऊंगा। वह इस समय दुनिया का आठवां अजूबा है।

जिद की जीत... अफगानिस्तान के उस सपने की कहानी, जिसे पूरा होते ही आंखों से झर-झर गिरने लगे आंसू !

किंग्सटाउन (एजेंसी)। विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को 8 विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जैसे ही नवीनुल हक ने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर तस्कीन अहमद का विकेट लिया, उनके साथी खिलाड़ियों से लेकर स्टेडियम में मौजूद समर्थकों तक की आंखें भर आई। कैरेबियाई सरजमीं से काबुल तक क्रिकेटप्रेमियों को भावविभोर करने वाली इस उपलब्धि का कयास क्रिकेट पंडित भी नहीं लगा सके थे।

बांग्लादेश को 11वें ओवर में सफलता मिली जब जदरान (29 गेंद में 18 रन) ने हुसैन की गेंद पर अपना विकेट गंवाया। विकेट से मिल रही मदद का पूरा फायदा उठाते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों ने रनगति बढ़ने नहीं दी। तस्कीन अहमद ने गुरबाज के सामने एक मैडन ओवर डाला जिसके बाद शाकिब अल हसन ने अगले ओवर में तीन ही रन दिए। गुरबाज ने 14वें ओवर में दो चौके समेत 13 रन निकाले। मुस्ताफिजूर रहमान और हुसैन ने दस गेंद के भीतर तीन विकेट निकालकर अफगानिस्तान के बड़ा स्कोर बनाने के मंसूबों पर पानी फेर दिया। कप्तान राशिद ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया।

युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश का दुनियाभर में जश्न – राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश की ऐसी टीम ने यह कारनामा कर दिखाया जिसके पास अभ्यास के लिए खुद का मैदान तक नहीं है। इस रोमांचक मुकाबले में पासा पल पल बदलता रहा लेकिन आखिर में बाजी राशिद खान के रणबांकुरों के नाम रही जिन्होंने इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर भी बांध दिया। अब सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी। इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया।

मैच में पल-पल बदलता रहा रोमांच – लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाए। शानदार फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज भी खुलकर नहीं खेल पाए और 43 रन बनाने के लिए 55 गेंदें खेल डाली। जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 17.5 ओवर में 105 रन पर आउट कर दिया। राशिद खान ने 23 रन देकर और तेज गेंदबाज नवीनुल हक ने 26 रन देकर चार चार विकेट लिए। बांग्लादेश के लिए लिटन दास (नाबाद 54) अकेले किला लड़ाते रहे। बारिश के कारण खेल कई बार रूका। अफगानिस्तान ने अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी सलामी जोड़ी के दम पर जीत दर्ज की है और आज भी कहानी वही रही। गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने 59 रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नयी गेंद से विकेट लिए।

कप्तान चला है सीना तान, राशिद का जबरदस्त रिकॉर्ड – शुरुआती विकेट लेने के आदी फारूकी ने तंजीद हसन को दूसरे ही ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद नवीनुल ने नजमुल हुसैन शांतो और शाकिब अल हसन के कीमती विकेट लिए। बांग्लादेश का स्कोर उस समय तीन विकेट पर 31 रन था जब बारिश के कारण खेल रूका। खेल बहाल होने पर पावरप्ले के छह ओवर में उसने तीन विकेट पर 46 रन बना लिए थे। ऐसे में राशिद ने गेंद संभाली और लगातार ओवरों में विकेट लिए। उन्होंने लगातार दो विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरे करके न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पछाड़ा। एक बार फिर बारिश से खलल पड़ा जब बांग्लादेश डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पीछे थी।

नवीन उल हक ने कर दिया सराबोर – ऐसे में अफगानिस्तान के हरफनमौला गुलबदिन नैब अचानक ऐंठन के कारण गिर पड़े जिसे खेल में विलंब करने का शिगूफा माना जा रहा है। उधर खेल बहाल होने पर लिटन ने स्क्वेयर लेग में चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। नवीनुल ने बांग्लादेश के 9वें और 10वें नंबर के बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर कैरेबियाई धरती से काबुल तक अपने प्रशंसकों को जश्न में सराबोर कर दिया। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के खिलाड़ी खुलकर खेल नहीं पा रहे थे।